



L. JEE HOME FURNITURE

FURNITURE TO FIT EVERY STYLE EVERY BUDGET UNDER ONE ROOF



ONE OF THE OLDEST FURNITURE MANUFACTURER IN VARANASI



OPEN EVERY DAY MONDAY TO SUNDAY 9:00 AM TO 7:00 PM

- **© 080099 89900, 91612 44466**
- **© 080099 89900**
- 🖂 l.jeehome@gmail.com
- https://ljeehomefurniture.business.site/

Manduadih - Madauli Road Near Kashi Gomti Bank, Madauli, Varanasi, Uttar Pradesh, India - 221108



CAA, फिर NRC और अब NPR को लेकरअगर भ्रम में हैं युवा, तो पढ़ें पूरी खबर

नागरिकता संशोधन कानून' को लेकर प्रदर्शन, हिंसा और उपद्रव जारी है। इससे देश की आंतरिक शांति, एकता-अखंडता और सद्भाव को क्षति पहुंच रही है। पढ़े पूरी खबर, पेज न. 6 पर...





घटना में मृतकों की पहचान न हो पाने के कारण प्रशासन ने अब डीएनए टेस्ट के जरिये मृतकों की पहचान करने का फैसला किया है। पढ़े पूरी खबर, पेज न. 12 पर...

डीएनए टेस्ट से कन्नोज हादसे के मृतकों की होगी पहचान

माशूका की खातिर भारत से की गद्दारी, देता था हिंदुस्तान की खबरें



राशिद ने खुलासे में बताया कि उसने अब तक वाराणसी के संकटमोचन, काशी विश्वनाथ मंदिर, बीचयू, सारनाथ, एयरपोर्ट, कैंट रेलवे स्टेशन, वाराणसी कलेक्ट्रेट, कचहरी, अस्सी घाट, दशाश्वमेध समेत कई घाटों की जानकरी पाकिस्तान

में बैठे अपने आकांओं तक पहुंचाया था। पढ़े पूरी खबर, पेज न. 38 पर...

संपादकीय	4
स्पेशल रिपोर्ट	5-6
राष्ट्रीय	7 -10
प्रदेश	
वाराणसी	15-20
खेल जगत	
मनोरंजन	23-25
शिक्षा जगत	26-27
रोचक तथ्य	28-29
पूजा पाठ	30-31
राशिफल	32-33
सोशल मिडिया	34-35
विविध	36-39
पाठकनामा	41-42
टाइम पास	43-45
पृष्ठों का शेष	

न्यूज़बकेट

www.newsbucket.in

फरवरी 2020

वर्ष 1

अंक 1

संस्थापक संरक्षक

संरक्षक : मिथिलेश पटेल प्रधान संपादक : राजू श्रीवास्तव कंटेंट एडिटर : विकास कुमार श्रीवास्तव फोटो एडिटर : सुधीर कुमार गुप्ता खायाकार : महेंद्र पटेल

कानूनी सलाहकार

रवि प्रकाश तिवारी : अधिवक्ता

प्रधान कार्यालय (FIVE ALPHABETS)

बी - 31/19, आर बाबा शॉपिंग काम्प्लेक्स, लंका, वाराणसी।

मो0: 9415147110, 8574479280, 9807505429

E-Mail: m@fivealphabets.com

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक मिथिलेश पटेल एवं संपादक राजू श्रीवास्तव ने रॉयल प्रिटिंग वर्क्स - C 25/2 राम कटोरा, चेतगंज, वाराणसी से मुद्रित कराकर बी - 31 /19, आर बाबा शॉपिंग काम्प्लेक्स लंका, वाराणसी से प्रकाशित किया।

पत्र संख्या - 1816/J.A.III-2019

पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखक के हैं। उसमें संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का क्षेत्र वाराणसी न्यायालय होगा।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को 'भारत रत्न' देने की मांग की याचिका पर सुप्रीम

कोर्ट ने महात्मा गांधी को 'भारत रत्न' से कहीं उपर बताया और कहा कि विश्व भर में महात्मा गांधी का लोग सम्मान करते हैं। **पेज न. 10 पर...**



सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को 'भारत रत्न' से कहीं उपर बताया



विरोध या विद्रोह का तेवर कितना उचित है, किन परिस्थितियों में उचित है और किस लिहाज से उचित है। पहला - अपने बुनियादी उसूलों और आत्मसम्मान की रक्षा के लिए। अर्थात् अगर कोई व्यक्ति, समूह या तंत्र आपको आपके आधारभूत मूल्यों से वंचित करना चाहे तो लाभ - हानि, जीत - हार सबको अलग कर अपना पछ दृढ़ व स्पष्ट रखना चाहिए। दूसरा - वो परिस्थिति जब हमारा ताकत के बल पर शोषण होने लगे। किन्तु हर सच की तरह इस विरोध या विद्रोह का भी दूसरा पहलू भी होता है जिस पर गौर करना आवश्यक है।

मिशाल के तौर पर, वर्तमान समय में देश का एक तबका नागरिकता संशोधन कानून यानी सीएए का विरोध कर रहें। विरोध वाले जन पाकिस्तान के अहमदिया और शिया मुसलमानों के लिए पैरवी कर रहे हैं और साथ ही म्यांमार के रोहिंग्या मुसलमानों और श्रीलंकाई तमिलों के लिए भी आवाज़ उठाई जा रही। ऐसे में हमें इन देशों के ढाचे और सी ए ए के स्वरूप को समझना होगा।

अफगान के हजार शरणार्थी जिनकी दिल्ली में तादात लगभग 500-700 है, ये किसी धार्मिक उत्पीड़न से नहीं बल्कि तालिबान के अत्याचार से तंग आकर अपना देश छोड़ आए थे।अब पश्चिमी कबूल में हजार समुदाय के लिए एक बस्ती बना दी गई है लिहाज़ा ये समुदाय अब अपने वतन लौट सकती है।

श्रीलंकाई सुप्रीम कोर्ट देश को सेक्युलर घोषित कर चुका है और श्रीलंकाई संविधान का अनुच्छेद 10 और 14 सभी धर्मों के अनुयायियों की धार्मिक सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं।

लियाकत अली खान द्वारा पाकिस्तान में मार्च 1949 में "आब्जेक्टिव रिजॉल्यूशन" के जिरए पाक को एक धर्माध इस्लामिक देश बनाने के राह पर धकेला गया।इस प्रस्ताव में पाक में गैर - मुस्लिमों को दोयम दर्जे का नागरिक बनाने के लिए ही था।शिया और अहमदियों ने भी इसका समर्थन किया था।फिलहाल जो लोग पाकिस्तानी मुस्लिमों को सी ए ए में शामिल करने की दलील से रहे हैं, उनका आधार शिया और अहमदिया मुसलमानों की मौजूदा स्थिति है। ऐसी हिमाकत करने वाले लोग खुद दोहरा रवैया रखते हैं। उदाहरण - एक प्रमुख मुस्लिम नेता ने सन् 2008 में तत्कालीन मुख्यमंत्री से अनुरोध किया था कि अहमदीया मुसलमानों को रैली आयोजित न करने दी जाए और हुए भी बिल्कुल वैसा ही।

और रोहिंग्या मसला तो मुख्यत म्यांमार और बांग्लादेश में मध्य की खींच तान का नतीजा है। भारतीय खुफिया एजेंसियों के मुताबिक, रोहिंग्या शरणार्थियों का संपर्क इस्लामिक स्टेट, अल कायदा और पाकिस्तान के पिठू आतंकियों से भी है।

राष्ट्रीय सुरक्षा के जोखिम को देखते हुए भारत द्वारा रोहिंग्या को सीएए से दूर रखने का औचित्य सही समझा जा सकता है। सी ए ए संवैधानिक रूप से वैध तो है ही, एक तरह से प्रताड़ित लोगों को मानवीय आधार पर आसरा देने वाला कानून है। पर विरोध का एक सवाल ये भी है कि भारतीय होने के बावजूद जिनके पास अपनी नागरिकता का कोई प्रमाण नहीं, उनका क्या होगा?

कुल मिलाकर जिंदगी में शांति, सद्भाव, सहिष्णुता सब आवश्यक है पर जब उसूल, आत्मसम्मान, गरिमा या वजूद खतरे में हो तो क्या विद्रोह करने से पीछे हटना चाहिए?

- राजू श्रीवास्तव

फरवरी 2020

स्पेशल रिपोर्ट

CAA, फिर NRC और अब NPR को लेकर अगर भ्रम में हैं युवा, तो पढ़ें पूरी खबर

देश भर में पिछले कई दिनों से एनआरसी यानी 'राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर' और सीएए यानी है। जो लोग भारत के नागरिक नहीं है, और बाहर से भारत आ रहे हैं तो उन्हें भारत की नागरिकता कैसे मिल सकती है उसके तौर तरीके इसमें लिखे गयें हैं। 1955 में जब ये एक्ट आया तो इसमें कही भी किसी रजिस्टर का जिक्र नहीं किया गया।



साल 2003 में अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने नागरिकता अधिनियम में बदलाव किए। अधिनियम की धारा 14 (ए) के तहत एनआरसी को एक कानूनी ढांचा दिया गया। इसके बाद नागरिकता संशोधन अधिनियम 2003 के रुल्स पास हए, जिनमें ये साफ लिखा है कि एनपीआर के तहत हर एक परिवार और व्यक्ति के बारे में जानकारी एकत्रित की जाएगी। इस जानकारी की जांच एक सरकारी अधिकारी (लोकल रजिस्ट्रार) द्वारा की जाएगी। जांच के दौरान अगर अधिकारी को किसी भी नागरिक पर संदेह होता है तो उसे अधिकारी के समक्ष अपनी नागरिकता को प्रमाणित करने वाले दस्तावेज दिखाने होंगे। लेकिन अधिकारी के संदेह करने की कोई भी क्राइटेरिया रुल्स में नहीं बताई गयी है।

'नागरिकता संशोधन कानून' को लेकर प्रदर्शन, हिसा और उपद्रव जारी है। इससे देश की आंतरिक शांति, एकता-अखंडता और सद्भाव को क्षति पहुंच रही है।

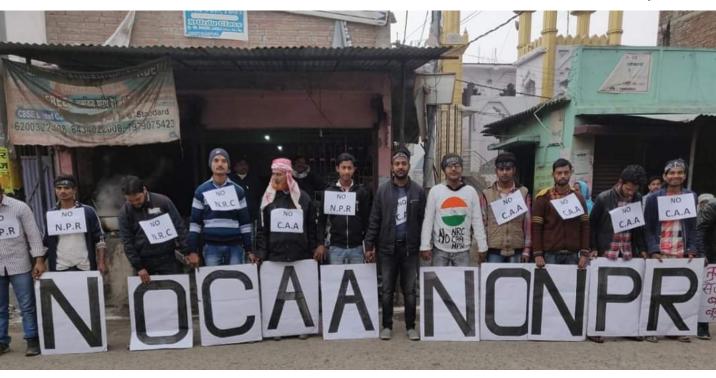
सीएए-एनपीआर-एनआरसी को समझने से पहले सेंसस को समझना ज़रूरी है। सेंसस एक गिनती का तरीका है, हमारी पॉपुलेशन का। मतलब कि हमारे पापुलेशन में इतने लोग हैं, इसमें से इतनी औरतें हैं, इतने पुरुष हैं, इसमें इनकी यह उम्र है, यह रिलीजन है। लेकिन यह हर इंडिविजुअल हर व्यक्ति को आईडेंटिफाई करने का तरीका बिल्कुल नहीं है। लोगो को आईडेंटिफाई करने का तरीका एनपीआर और एनसीआर से मिलता है। एनपीआर और एनसीआर दोनों ही सिटीजनशिप एक्ट के तहत काम करते हैं। यह एक्ट भारत की नागरिकता से जुड़ा हुआ



जांच के बाद अधिकारी को एनपीआर लिस्ट पब्लिक एकमात्र उपयोग एनआरसी बनाने के लिए ही है। डोमेन में जारी करना होगा फिर तय समय सीमा के भीतर कोई भी व्यक्ति एनपीआर लिस्ट में किसी भी

एनपीआर में पहले मकानों की गिनती होगी, उसके

एनपीआर सेंसस से अलग है। हालाँकि एनपीआर की प्रक्रिया सेंसस अधिकारी द्वारा ही की जाती है। एनपीआर कोई नई प्रक्रिया नहीं है, यूपीए के



व्यक्ति की नागरिकता पर ऑब्जेक्शन दर्ज करा सकता है। जिसके बाद फिर से जाँच अधिकारी अपनी जाँच करने के बाद प्रक्रिया को आगे बढ़ा सकता है। एनपीआर में शामिल लोगों में से जो लोग भारत के नागरिक होंगे उन्हें एनआरसी में शामिल किया जाएगा। अन्य को भारत का नागरिक नही माना जाएगा।

तो ये कहना कि एनपीआर और एनआरसी बिलकुल अलग अलग है, ये बिलकुल गलत है। दरअसल एनपीआर की मदद से एनआरसी को तैयार किया जा सकता है मतलब एनपीआर ही एनआरसी का आधार है और सही मायने में, क़ानूनी रूप से एनपीआर का

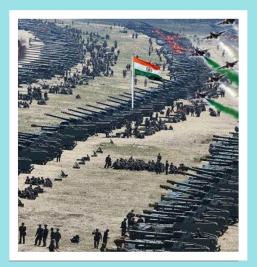
बाद इंसानों की। मकानों की गिनती में घर के मुखिया को एक, दो या तीन नहीं बल्कि 31 सवालों के जवाब देने होंगे। मुखिया को मकान नंबर, मकान की हालत, भोजन में प्रयोग किए जाने वाले प्रमुख अनाज, स्वामित्व की स्थिति, पेजयल, रसोई, शौचालय, ईंधन, प्रकाश और गंदे पानी की निकासी समेत 31 सवालों का जवाब देना होगा। इसके बाद ही मुखिया का मकान एनपीआर में दर्ज होगा।

सीएए आने के बाद से बवाल जारी है। सरकार बोल पड़ी की एनआरसी का तो अभी किसी रंग रूप का ज़िक्र ही नहीं है। लेकिन अब नया बवाल नेशनल पॉपुलेशन रजिस्टर (एनपीआर) पर मचा हुआ है।

कार्यकाल में भी हो चुकी है। पर बात तब विवादास्पद बनी जब एनपीआर में पूछे जा रहे सवाल पर नज़र गई। इसके अलावा जांच अधिकारी के किसी भी नागरिक के नागरिकता पर संदेह करने के कोई भी क्राइटेरिया नहीं होने से बात और बिगड़ सकती है। इसके अलावा आम नागरिक भी एक दुसरे पर ऑब्जेक्शन किसी भी तर्क पर कर सकते हैं जिससे समूचे देश का माहौल ख़राब हो सकता है। हालांकि सरकार की माने तो केंद्र सरकार देशवासियों के अधिकारों और संसाधनों की रक्षा करने तथा गैरकानूनी तरीके से भारत में मौजूद घुसपैठियों की पहचान करने के लिए इस 'राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर' को अपडेट करना चाहती है। विपक्ष इस मामले को भड़काने में बड़ी कुटिल भूमिका निभा रहा है। वह पूर्वोत्तर भारत में नागरिकता संशोधन कानून के विरोध के आधारस्वरूप वहां की भूमि, साधनों-संसाधनों, रोजगार- व्यापार में इस कानून के तहत नागरिकता हासिल करने वाले हिंदुओं, सिखों, बौद्धों, ईसाइयों और पारसियों की भागीदारी का डर दिखाकर मूलवासियों को भड़का रहा है। खैर जो भी हो, दलों को देश को बिगाड़ने की बजाय देश बनाने पर ध्यान देना चाहिए।



राष्ट्रीय



अब भारतीय जवानों की होगी न्यूक्लीयर हमले से सुरक्षा

भारत ने न्यूक्लियर, बायोलॉजिकल और केमिकल हमलों के दौरान जवानों की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं जिसमें हमले के दौरान जवानों के लिए एक सुरक्षित इंटीग्रेटेड फील्ड शेल्टर का इस्तेमाल किया जाएगा। एक शेल्टर को एकीकृत क्षेत्र आश्रय के नाम से जाना जाता है। भारत के रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन के द्वारा तैयार इन ब्रिगेडों में भारत के जवानों की यूनिटें अपने आप को सुरक्षित महसूस करेंगे। सेना के सभी यूनिटों को यह सेंटर कराया जा रहा है सूत्रों की माने तो एक ब्रिगेड को अभी 19 शेल्टर दिए जाएंगे जिसकी संख्या को बाद में बढ़ाया जाएगा। शेल्टर के सफल ट्रायल के बाद वेस्टर्न, नॉर्दन और साउथ कमांड में अलग-अलग ब्रिगेड में उपल कराया जा रहा है। फिलहाल अब भारतीय सेना किसी भी प्रकार के खतरे से निपटने के लिए पूरी तरीके से तैयार है। चाहे वह खतरा न्यूक्लियर, बायोलॉजिकल व केमिकल (एनबीसी) अटैक का क्यों ना हो। भारतीय सेना हमेशा से ही एनबीसी हमले को लेकर सतर्क रही है और अब सेना के पास इंटीग्रेटेड फील्ड शेल्टर होने के कारण सेना की मजबूती में दूगना इजाफा हआ है।

शिरडी के साई बाबा की जन्मस्थली निर्माण को लेकर विवाद

शिरडी के साई बाबा को लेकर विवाद होते रहते है मगर इस बार महाराष्ट्र सरकर इन विवादों में फसती नजर आ रही है। सोशल मिडिया के द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार महाराष्ट्र सरकार ने साई बाबा जन्मस्थान परभणी जिले के पाथरी गांव के विकास के लिए 100 करोड़ रूपये जारी किये है मगर इस मामले ने विवाद का रूप ले लिया। दरअसल साई बाबा क जन्मस्थली पाथरी गांव मानी जाती है और महारष्ट सरकार ने इसी गांव के विकास के लिए 100 करोड़ जारी किया है। शिरडी गांव के लोगों ने इसका विरोध किया और हवाला दिया कि साई बाबा के जन्मस्थान को लेकर कोई पुख्ता सबूत नहीं है। महाराष्ट्र सरकार इस निर्देश के बाद रविवार से अनिश्चित कालीन मंदिर को बंद करने की बात तक कही गयी। यह विवाद पहली बार नहीं हुआ है इसके पहले भी साई बाबा के जन्मस्थली को लेकर जानकारों की राय में असहमति देखने को मिली है। शिरडी गांववालों का कहना है कि पाथरी गांव के विस्तार से उन्हें कोई परेशानी नहीं है मगर सार्ड बाबा के नाम पर अगर विकास होता है तो हम उसका विरोध करेंगे। गांववालों का कहना है कि हमारी आस्था साई बाबा से जुड़ी हयी है और शिरड़ी ही साई बाबा की कर्मस्थली है। इन विवादों ने ऐसा रूप लिया कि महाराष्ट्र के शिरडी में दुकानें, भोजनालय और व्यवसायिक प्रतिष्टान बंद रहे जिसको लेकर मुख्यमंत्री उद्धवँ ठाकरे ने राज्य सचिवालय में बैठक बुलायी है।





राष्ट्रपति ने ख़ारिज की निर्भया के दोषी की दया याचिका



रेल के किराये में बढ़ोत्तरी, जाने किराया में कितनी हुयी बढ़ोत्तरी



राजपथ पर सीआरपीएफ की महिला जवान बाइकर्स ने दिखाया करतब



सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को 'भारत रत्न' से कहीं उपर बताया

जेएनयू हिंसा में सोशल मिडिया की रही अहम भूमिका

दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी में देर रात हुयी हिसा में सोशल मिडिया का सहारा लिया गया। इस घटना में आइशी घोष सिहत 9 आरोपियों की पहचान की बात दिल्ली पुलिस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कही। दिल्ली पुलिस ने 37 और लोगों की पहचान का दावा भी किया। दिल्ली पुलिस ने एक व्हाट्सएप ग्रुप का भी जिक्र किया गया जिसका नाम 'यूनिटी अगेंस्ट लेफ्ट' है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक रविवार के दिन बने इस व्हाट्सएप ग्रुप के 60 में से 37 की पहचान की जा चुकी है और हिसा में शामिल बाहर से

आये 10 अन्य लोगों की बात कही। जेएनयू हिसा मामले की जांच कर रही एसआईटी प्रमुख जॉय टिर्की ने बताया कि आरोपी छात्रों की पहचान उसी व्हाट्सएप ग्रुप से हुयी जो हिसा के समय बनाया गया था। मगर नकाबपोशों की पहचान करना अभी बाकी है। एसआईटी प्रमुख ने बताया कि तकनिकी खराबी के कारण कैम्पस के सीसीटीवी कैमरे काम नहीं कर रहे थे। जो वीडियो वॉयरल हुए थे उनकी मदद से आरोपियों की पहचान हो पायी है। फ़िलहाल जांच टीम ने 32 गवाहों से पूछताछ की है। 'यूनिटी अगेंस्ट लेफ्ट' व्हाट्सएप से कुल 60 लोग जुड़े थे और योगेंद्र भारद्वाज इस ग्रुप का एडमिन है। जेएनयू हिसा मामले में 3 एफआईआर दर्ज की गयी है। हिसा में चार छात्र संगठनों स्टूडेंट ऑफ इंडिया (एफएसआई), ऑल इंडिया स्टूडेंट्स फेडरेशन (एआईएसएफ), ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (एआईएसए) और डेमोक्रेटिक स्टूडेंट्स फेडरेशन (डीएसएफ) के नाम सामने आए हैं। इनसे जुड़े लोग ही छात्रसंघ पदाधिकारी हैं।





राजपथ पर सीआरपीएफ की महिला जवान बाइकर्स ने दिखाया करतब



71 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर राजपथ पर नारी शक्ति का दम खम देखने को मिला। सीआरपीएफ की 65 महिलाओं ने अपने शौर्य का जौहर दिखाते हुए 18 रॉयल एनफील्ड क्लासिक बाइक्स पर 9 स्टंट किये। महिला डेयरडेविल्स जवानों की टीम का नेतृत्व कर रही सीमा नाग ने चलती मोटरसाइकिल पर खड़े होकर सलामी दी। राजपथ पर पुरुष सीमा सुरक्षा जवानों द्वारा ही करतब किये जाते थे मगर इस बार महिलाओं ने भी अपना योगदान देते हुए करतब दिखाए। चलती मोटरसाइकिल पर हेड

कांस्टेबल मीना चौधरी ने दोनों हाथों से 9 मिमी पिस्टल से फायर किया और आश्चर्यजनक संतुलन का परिचय दिया। हेड कांस्टेबल अमिता कुमारी के नेतृत्व में पांच बाइक पर सीआरपीएफ डेयरडेविल्स की 21 महिलाओं ने ह्यूमन पिरामिड बनाया और हाथों में भारत का झंडा लेकर अद्भुत प्रदर्शन किया। इसके बाद पांच डेयरडेविल्स ने एक मोटरसाइकिल पर विभिन्न रंगो के ड्रेस पहनकर हेड कांस्टेबल आशा कुमारी के नेतृत्व में प्रदर्शन किया। सीआरपीएफ की महिला डेयरडेविल्स टीम की प्रतिमा बोहरा ने अपनी छुट्टी रद्द कराकर इस कार्य्रकम में हिस्सा लिया और इसे बहुत ही गर्व का पल बताया। परेड से पहले इंस्पेक्टर सीमा नाग ने कहा कि उन्हें लम्बे समय से गणतंत्र दिवस के अवसर पर इस परेड में हिस्सा लेने का इंतजार था। उन्होंने कहा कि सभी महिला डेयरडेविल्स परेड में हिस्सा लेने और प्रदर्शन के लिए उत्साहित है। राष्ट्रीय...

सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को 'भारत रत्न' से कहीं उपर बताया



राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को 'भारत रत्न' देने की मांग की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने महात्मा गांधी को 'भारत रत्न' से कहीं उपर बताया और कहा कि विश्व भर में महात्मा गांधी क<u>ा लोग सम्मान करते हैं।</u>

नई दिल्ली। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को 'भारत रत्न' देने की मांग की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने महात्मा गांधी को 'भारत रत्न' से कहीं उपर बताया और कहा कि विश्व भर में महात्मा गांधी का लोग सम्मान करते हैं।

महात्मा गांधी को 'भारत रत्न' देने पर सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा

भारत के राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को 'भारत रत्न' देने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने भारत सरकार को कोई आदेश या निर्देश जारी करने से इनकार किया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी स्वयं में किसी भी 'भारत रत्न' से कहीं बढ़कर है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पूरे विश्व में महात्मा गांधी का लोग सम्मान करते हैं।

याचिकाकर्ता को सुप्रीम कोर्ट ने दिया सुझाव

कोर्ट ने याचिकाकर्ता से कहा कि वह उनकी भावनाओं का सम्मान करते हैं इसलिए वह स्वयं इस बारे में सरकार को ज्ञापन दे सकता है। इस मामले में याचिकाकर्ता का कहना है कि कई लोगों को 'भारत रत्न' से अब तक नवाजा जा चुका है मगर भारत के राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को अभी तक भारत रत्न के सम्मान से सम्मानित नहीं किया गया है और महात्मा गांधी को भी यह सम्मान मिलना चाहिए। कोर्ट ने इस पर टिप्पणी करते हुए कहा कि वह इस मामले पर सुनवाई नहीं कर सकता अगर याचिकाकर्ता चाहे तो केंद्र सरकार को इस संबंध में ज्ञापन दे सकता है।

किनको दिया जाता है 'भारत रत्न'

आपको जानकारी के लिए बता दें कि 'भारत रत्न' का सम्मान भारत के सर्वोच्च नागरिक को दिया जाता है। भारत सरकार द्वारा यह सम्मान राष्ट्रीय सेवा

के लिए दिया जाता है। इन राष्ट्रीय सेवाओं में सार्वजनिक सेवा, खेल, कला, साहित्य और विज्ञान शामिल है। पहले इस श्रेणी में खेल को शामिल नहीं किया गया था लेकिन बाद में खेल को भी इस सूची में शामिल कर दिया गया।

'भारत रत्न' देने की शुरुवात कबहुयी 'भारत रत्न' देने की शुरुआत 2 जनवरी 1954 में भारत के तात्कालिक राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद द्वारा की गई थी। सरकार ने अब तक कई लोगों को 'भारत रत्न' से नवाजा है। सबसे पहले 1954 में चक्रवर्ती राजगोपालाचारी को 'भारत रत्न' सम्मान से सम्मानित किया गया था। आज इस सूची में हर वर्ग क्षेत्र के लोग शामिल है। क्रिकेट की दुनिया के भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर को भी यह सम्मान दिया जा चुका है।



पाकिस्तान से आये भूवी हिन्दुओं ने CAA के समर्थन में भाजपा मुख्यालय रैली निकली



नई दिल्ली। CAA के समर्थन में 18 जनवरी को धार्मिक उत्पीडन से पीडित पाकिस्तान से भागकर भारत आये लगभग पांच हजार भूवी हिन्दुओं ने दिल्ली के जंतर-मंतर से भाजपा मुख्यालय तक रैली निकाली। नागरिकता संशोधन कानून में बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से धार्मिक उत्पीडन के शिकार हिन्दू, बौद्ध, पारसी, ईसाई, जैन और सिख 31 दिसंबर 2014 तक भारत में आये लोगों को भारत की नागरिकता देने का प्रावधान किया गया है। भूवी समुदाय के राष्ट्रीय अध्यक्ष वेंकटेश मौर्या ने यह जानकारी देते हए बताया कि यह रैली दिल्ली के जंतर-मंतर से शुरू होकर भाजपा मुख्यालय पर समाप्त हुई। वेंकटेश मौर्या ने बताया कि भूवी समुदाय के लोग भारत के कई हिस्सों में रहते हैं जिन्हें वहूरा, बोयर और ओड़ के नाम से भी जाना जाता है। भूवी समुदाय के ज्यादातर लोग पत्थरों को तोडकर घरेलू सामान बनाने का काम करते है। इस समुदाय के लोगों को पंजाब, हरियाणा, हिमांचल प्रदेश, कर्नाटक और मध्य प्रदेश में अनुसूचित जाति में शामिल किया गया है। पाकिस्तान में धार्मिक उत्पीडन के शिकार लोगों का कहना है कि पाकिस्तान में इस्लाम कुबूल करने के लिए उनपर दबाव बनाया गया था और इसीलिए सन २००० में वे भारत आ गए। पाकिस्तान में हो रही ज्यादितयों के कारण उन्हें अपना सब कृछ छोड़ कर मज़बूरी में भारत आना पड़ा।

निर्भया के दोषियों को नहीं मिली दया



राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने निर्भया के दोषी मुकेश दया याचिका खारिज कर दी। याचिका के ख़ारिज होते ही मुकेश के सभी न्यायिक विकल्प समाप्त हो गए। अब मुकेश को होगी फांसी की सजा। दरअसल गैंगरेप मामले में दोषी मुकेश की दया याचिका राष्ट्रपति के पास भेजी गयी थी जिसे राष्ट्रपति द्वारा ख़ारिज कर दिया गया। गृह मंत्रालय ने इस मामले में दया याचिका ख़ारिज करने और मुकेश की फांसी की सजा बरकरार रखने की शिफारिश की थी। जानकारी के लिए बता दें कि निर्भया कांड के दोषी मुकेश और विनय ने डेथ वारंट जारी होने के बाद क्यूरेटिव पिटीशन दायर की थी जिसे सुप्रीम कोर्ट ने ख़ारिज कर दिया और हाईकोर्ट में मुकेश ने डेथ वारंट पर रोक लगाने की याचिका दायर की थी जिसे कोर्ट ने ख़ारिज कर निचली अदालत जाने की बात कही। डेथ वारंट के खिलाफ यह दया याचिका कुछ दिन पूर्व में ही राष्ट्रपति के पास भेजी गयी थी। आपको बताते चले कि पटियाला हॉउस कोर्ट ने 7 जनवरी को निर्भया के चारों दोषियों को फांसी की सजा सुनायी थी और डेथ वारंट जारी करते हुए 22 जनवरी को सुबह 7 बजे फांसी देने की बात कही। निर्भया के दोषियों को फांसी की सजा जारी होने के बाद राजनीति भी गरमाती जा रही है। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने केजरीवाल सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि निर्भया के जुवेनाइल दोषी के रिहा होते ही उसे 10 हजार रूपये और सिलाई मशीन क्युं दी।

महंगाई की मार, रेल के किराये में बढ़ोत्तरी - जाने किराया में कितनी हुयी बढ़ोत्तरी



नई दिल्ली। इंडियन रेलवे ने यात्री भाइा किराये में 4 पैसे प्रति किलोमीटर की बढ़ोत्तरी की है। यह बढ़े हुए किराये जनवरी 2020 से प्रभावी है मगर जनवरी 2020 से पहले बुक कराए गए टिकटों पर इसका कोई असर नहीं पड़ेगा और उपनगरीय ट्रेन

क्रिसर नहा पड़ना जार उपनगराय ट्रन्स के किराये को भी इस बढ़े हुए दर से बाहर रखा गया है। रेल प्रशासन के अनुसार यह बढ़ी हुई दरें राजधानी, शताब्दी और दुरंती जैसी ट्रेनों पर भी लागू होंगी। मेल एक्सप्रेस ट्रेनों में सेकंड क्लास के किराये में 2 पैसे तथा फर्स्ट क्लास के किराये में 2 पैसे की वृद्धि की गई है और एसी श्रेणी में एसी चेयर कार के किराये में 4 पैसे, एसी थ्री टियर के लिए 4 पैसे, एसी ट्र टियर के लिए 4 पैसे तथा एसी फर्स्ट क्लास किराये में भी 4 पैसे की बढ़ोतरी की गई है। रेल प्रशासन के द्वारा जारी आदेश के अनुसार साधारण दर्जे की नॉन एसी ट्रेन में

किराये में 1 पैसे प्रति किलोमीटरकी वृद्धि हुई है। इस बढे हुए किराये का प्रभाव इन ट्रेंनों पर भी पड़ेगा जिसमे मेल और एक्सप्रेस नॉन एसी के लिए 2 पैसे और एसी में 4 पैसे प्रति किलोमीटर की बढ़ोतरी की गई है। रेलवे के आदेश के अनुसारं सुपरफास्ट और रिजर्वेशन चार्ज में कोई बदलाव नहीं हए हैं, साथ ही कैटरिंग चार्ज भी ज्यों का त्यों ही है। रेलवे का कहना है कि पिछली बार 2014-15 में यात्री किराये में 14.2 की वृद्धि और माल ढुलाई भाड़े में 6.5 फ़ीसदी की बढ़ीतरी की गई थीं। यात्रियों को अच्छी और आधुनिक सुविधा उपल कराने हेतु किराये में बढ़ोतरी की गई हैं और इस बढ़े हए किराये से स्टेशन और रेलवे नेटवर्क को आधुनिक बनाया जाएगा। आपको जानकारी के लिए बता दें कि रेलवे द्वारा कई सालों में यह पहले बढ़ोत्तरी है जबकि पिछले साल में संसद की एक समिति की सिफारिश में रेलवे को निश्चित अवधि में रेल यात्री किराये की समीक्षा करने और रेलवे की आय को बढ़ाने हेतु समिति ने रेल यात्री किराये को व्यवहारिक बनाने पर भी जोर दिया था हालांकि बजट में सरकार ने रेल किराये में वृद्धि नहीं की है।

उत्तर-प्रदेश

डीएनए टेस्ट से कन्नोज हादसे के मृतकों की होगी पहचान



कानपुर-दिल्ली जीटी रोड पर घिलोई के पास ट्रक और सवारी बस में हुयी टक्कर में दोनों वाहनों में आग लग गयी। बस में कुल 45 यात्री सवार थे। बस में सवार 21 यात्रियों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया।

सूत्रों के अनुसार इस घटना में 20 लोगों की जलकर मौत हो जाने की आशंका जतायी गयी है। जहां एक ओर देर रात लगभग 11:15 बजे आग पर काबू पाया गया वहीं घटना में मृतकों की पहचान कर पाना अब प्रशासन के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। उत्तर प्रदेश के डीजीपी ओपी सिंह ने कहा कि टक और बस

में से किसी एक में ज्वलनशील पदार्थ होने की बात कही जिससे दोनों वाहनों में आग लग गयी। बस में सवार लोगों में 2 बस के ही स्टाफ थे। बस में 17 लोग छिबरामऊ से बैठे थे और 26 लोग गुरसहायगंज से बैठे थे जिसमे से 21 लोगों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया था। वहीं बस में सवार रहे एक ही परिवार के पांच लोग और एक अन्य युवती का पता नहीं चल रहा है।

घटना में मृतकों की पहचान न हो पाने के कारण प्रशासन ने अब डीएनए टेस्ट के जरिये मृतकों की पहचान करने का फैसला किया है। इस भयानक हादसे ट्रक चालक की भी मौत हो गयी जिसकी पहचान टक चालक के मामा के द्वारा पैर देखकर की गयी थी। बस के स्लीपर सीट से फोरेंसिक टीम ने मानव अंगो के नमूने को इकट्ठा किया है जिसके डीएनए टेस्ट के जरिये अब मृतकों की पहचान की जाएगी।

घटना पर बोलते हुए कैबिनेट मंत्री राम किशोर अग्निहोत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार घायलों और मृतकों के परिजनों के साथ है और पीड़ित परिजनों को मुआवजा दिया जा रहा है। जिन मृतकों की पहचान नहीं हो पा रही है उनका डीएनए टेस्ट किया जायेगा।



ने किये बडे ऐलान





घाघरा नदी का नाम



PNG से जलेंगे घरों के चूल्हे, मार्च तक कनेक्शन मिलने की संभावना

59 करोड पौधे लगाने के बाद भी 100 वर्ग किमी घटी हरियाली

पर्यावरण संरक्षण को लेकर पीएम मोदी से लेकर कागजों में पौधरोपण हुआ या इन्हें लावारिस छोड़ के दायरे में आ जाते है और उनकी गणना की जा सीएम योगी के द्वारा लगातार चलाये जा रहे दिया गया। इनकी सुरक्षा के पर्याप्त इंतजामात नहीं सकती है। एक रिपोर्ट के अनुसार उत्तर प्रदेश में जजगरूकता अभियान जैसे प्रयासों के बाद भी प्रदेश किये गये। सिर्फ पौधारोपण ही इस समस्या का 14805.65 वर्ग किमी फारेस्ट कवर है जी यूपी के कुल में वृक्षावरण 100 वर्ग किमी घट गया। पिछले ७ वर्षो में समाधान नहीं है बल्कि पौधों को सही सुरक्षा देना भी क्षेत्रफल का 6.15 प्रतिशत है जिसमे मामूली वृद्धि हयी लगभग ५९ करोड पौधे लगाने के बाद भी यह आकडे 🛛 इस वृक्षारोपण का हिस्सा होना चाहिए। २०१३-२०१४ 🛮 है। वन विभाग के अनुसार जंगलों से सडकों व रेल सामने आये है। 30 दिसंबर 2019 को जारी फॉरेस्ट सर्वे में करीब 11 करोड़ पौधे लगाए गए जो सुरक्षित हालात परियोजनाओं के लिए बड़े पैमाने पर पेड़ काटे जाते है ऑफ़ इण्डिया के अनुसार उत्तर प्रदेश में 2017 में में होते तो जरूर एफएसआई की 2019 की सेटेलाइट जिसकी वजह से ऐसी स्थिति उत्पन्न हयी है और वृक्षावरण ७४४२ वर्ग किमी था जो अब घटकर ७३४२ 🏻 रिपोर्ट में प्रभाव छोडते। पौधे लगाए जाने के ३ से ४ विभागों के द्वारा पौधों की सुरक्षा न देना भी इसकी बडी वर्ग किमी रह गया है। इसका मतलब साफ है कि सर्फ साल के बाद वो इतने बड़े हो जाते है कि वो सेटेलाइट वजह है।



नए साल में कई आईपीएस अफसरों को गोरखपुर में मेट्रो की तैयारी, सीएम योगी मिला प्रमोशन का तोहफा



ने कियेँ बड़े ऐलान



गोरखपुर में अब जल्द ही मेट्रो का सपना पूरा होने जा रहा है। सुबे के मुखिया योगी लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने 41 आईपीएस अफसरों को नए साल का तोहफा आदित्यनाथ ने लखनऊ में गोरखपुर मेट्रो प्रोजेक्ट की समीक्षा की और सुझाव देते देते हुए प्रमोशन का किया। सरकार द्वारा इन 41 आईपीएस अफसरों के साथ 10 हुए कहा कि गोरखपुर में 3 कर वाली मेट्रो पर आधारित प्रस्ताव तैयार किये जाय। अफसरों को सेलेक्शन ग्रेड प्रदान किया है। इस अफसरों में से 9 अपर पुलिस सीएम योगी ने गोरखपुर में मेट्रो की प्रस्तुतिकरण के संबंध में जहां एक ओर मेट्रो के महानिदेशक को महानिदेशक, 9 पुलिस महानिरीक्षक को अपर पुलिस रूट के बारे में चर्चा की वहीं दूसरी ओर उत्तर प्रदेश मेट्रो कार्पोरेशन को निर्देश दिया महानिदेशक बनाया। 10 पुलिस उप महानिरीक्षक को पुलिस महानिरीक्षक और 13 कि गोरखपुर रेलवे स्टेशन के पास ही मेट्रो स्टेशन बनाये जहां से लोगों को ट्रेन पुलिस अधीक्षक उप महानिरीक्षक बनाये गये। इन 41 आईपीएस अफसरों के बारे पकड़ने में सुविधा हो जाये। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गोरखपुर के लिए लाइट में बताते हुए अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने कहा कि डीपीसी में मेट्रो ज्यादा सफल रहेगी। गोरखपुर में 2 कॉरिडोर बनाये जाने की बात कही गयी 1988, 1989 और 1990 बैच के आईपीएस अफसरों को एडीजी से डीजी बनाये और सभी स्टेशन एलिवेटिड होंगे जिसमे लगभग 4589 करोड़ रूपये खर्च होने के गये। 1995 बैच के अफसरों को एडीजी बनाया गया। 2002 बैच के अफसरों को अनुमान है। दोनों कॉरिडोर में पहला श्याम नगर से एमएमएम इंजीनियरिंग कालेज आईजी और 2006 के बैच के अफसरों को डीआईजी पद पर तैनात किया गया है। 👚 तक के लिए होगा जो कि 15.14 किमी लम्बा होगा जबकि दूसरा कॉरिडोर बीआरडी मेडिकल कालेज से नौसाद के बीच बनेगा जिसकी लम्बाई 12.70 किमी होगी।

निर्माता अनुराग कश्यप ने CAA का किया विरोध, विरोध के पीछे का राज कुछ और...

पूरे देश में लोगों ने नागरिकता संशोधन कानून का विरोध किया तो वहीं इस मुहिम में बॉलीवुड के सितारे भी लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाते हुए नजर आये है। बॉलीवुड के कुछ जाने पहचाने चेहरे लगातार द्वीट भी करते रहे जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए अमर्यादित शब्दों का प्रयोग किया है जो सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हुआ। वही द्वीट का जवाब देते हुए भाजपा के थी उसमें जो नियम व शर्ते लिखी थी उससे संबंधित दस्तावेज उपल न कराए जाने के कारण 'मुक्काबाज' का अनुदान अभी नहीं मिल सका है। वही समाजवादी पार्टी सरकार में उनकी फिल्म





इस विरोध में खुलकर सामने आते दिखे और सरकार की नीतियों पर सवालिया निशान उठाया। इस विरोध में फिल्म निर्माता अनुराग कश्यप का नाम भी सामने आया जिन्होंने सोशल मिडिया के माध्यम से अपना विरोध जताया। नागरिकता संशोधन कानून के विरोध के साथ पीएम पर निशाना साधने वाले फिल्म निर्माता अनुराग कश्यप अपनी फिल्म 'सांड की आंख' के लिए अनुदान चाहते थे जिसे सरकार के द्वारा मुहैया नहीं कराया गया। अनुराग कश्यप की फिल्म 'मुक्काबाज' को भी सब्सिडी का इंतजार है इसीलिए अनुराग कश्यप के इस विरोध को भाजपा ने उनकी खींज कहा है। अनुराग कश्यप ने जहां एक ओर CAA का विरोध किया है वहीं दूसरी ओर वे सूचना सलाहकार शलभमणि त्रिपाठी ने राज्य फिल्म विकास परिषद और फिल्म बंधु के फिल्म निर्माताओं के साथ हुए पत्राचार को सार्वजनिक कर दिया। इन पत्राचारों के सामने आते ही यह स्पष्ट हो गया के निदेशक एवं सदस्य सचिव फिल्म बंधु शिशिर द्वारा फिल्म 'सांड की आंख' को अनुदान के संबंध में 13 सितंबर 2019 को लिखा गया एक पत्र है। सूत्रों के अनुसार इस पत्र में अनुराग कश्यप को बताया गया कि उनके द्वारा दिए गए आवेदन पत्र में कई कालम ऐसे थे जिन्हें नहीं भरा गया था और उन्हें इन कालमों को भरने के लिए कहा गया जो कि नहीं किया गया। 11 जून 2018 को फिल्म 'मुक्काबाज' के अनुदान के लिए एक स्क्रिप्ट अनुमोदित की गई

मसान को 2 करोड़ रुपए का अनुदान दिया गया था। अनुराग कश्यप के विरोध करने की एक खास वजह यह भी मानी जा रही है जिसमें सपा सरकार में तात्कालिक मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने अनुराग कश्यप को 'यश भारती' सम्मान से सम्मानित किया था और उन्हें 50 हजार रूपये मासिक पेंशन देना शुरू कर दिया था। मगर योगी सरकार में मासिक पेंशन नियमावली में हुए संशोधन के बाद अनुराग कश्यप सहित नवाज़ुद्दीन सिद्धकी, नसरुद्दीन शाह और क्रिकेटर आरपी सिंह आदि की पेंशन को बंद कर दिया गया।

कानपुर में व्हाट्सएप से चल रहा था सेक्स रैकेट





कानपुर पुलिस ने कानपुर के चकेरी थाना क्षेत्र के श्याम नगर रामपुरम में चल रहे सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ किया। पुलिस ने संचालक समेत ९ लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक एक संचालक दंपत्ति अपने एक रिश्तेदार के साथ मिलकर ये सेक्स रैकेट चला रहे थे। यह सेक्स रैकेट पिछले एक साल से चलाया जा रहा था जिसमे कानपुर के आस पास के जिलों से युवितयां और युवक आया करते थे। पुलिस ने मौके से आपत्तिजनक स्थिति में युवक और युवितयों को पकड़ा है। इस सेक्स रैकेट की खास बात ये थी कि यह पूरा सेक्स रैकेट व्हाट्सएप के जिरये संचालित होता था और सौदेबाजी का काला कारनामा भी व्हाट्सएप

पर ही होता था। पुलिस के मुताबिक रामपुर में अजय सिंह नामक व्यक्ति के मकान में उन्नाव अचलगंज निवासी राघवेंद्र शुक्ल अपनी पत्नी के साथ मिलकर रहता था और नौबस्ता के पशुपति नगर निवासी अपने साढ़ू आशुतोष ओझा और उसकी पत्नी के साथ मिलकर सेक्स रैकेट का संचालन करता था। घटना की जानकारी देते हुए चकेरी इंस्पेक्टर रणजीत राय ने कहा कि यहां 15 सौ रूपये से लेकर 5 हजार रूपये में लड़कियां उपल करायी जाती थी और सुरक्षित जगह के नाम पर अलग से पैसे वसूले जाते थे। फतेहपुर निवासी बलवीर की पत्नी ग्राहकों को लाने का काम करती थी। इस सेक्स रैकेट का नेटवर्क कानपुर के अलावा प्रदेश भर के कई जिलों के साथ दिल्ली में भी फैला हुआ है और कई बड़े सेक्स रैकेट संचालक इसके साथ जुड़े हुए है।



कोटा में बच्चों की मौत पर कांग्रेस पर बरसी बसपा सुप्रीमों

यूपी की पूर्व सीएम बसपा सुप्रिमों मायावती ने कोटा में हो रहे बच्चों की मौतों पर अशोक गहलोत सरकार को गैर जिम्मेदार बताते हुए उत्तर प्रदेश की योगी सरकार तक को नसीहत दे डाली। मायावती ने राजस्थान के कोटा में बच्चों की हो रही मौतों



पर कांग्रेस सरकार को कटघरे में खड़ा कर दिया है। ट्वीट के माध्यम से मायावती ने अहम प्रस्तावों को मंजूरी दी है। कैबिनेट ने घाघरा नदी का नाम बदलकर सरयू नदी कहा कि जिस प्रकार से कोटा में 105 बच्चों की मौत हयी वह अत्यंत ही चिंताजनक कर दिया है। यह नदी दक्षिणी तिब्बत के ऊंचे पर्वत शिखर में मापचाचुंगो हिमनद से है और इसको लेकर अशोक गहलोत सरकार कतई भी संवेदनशील नहीं है। अच्छा 🏻 निकलती है और उत्तर प्रदेश में बहराइच, सीतापुर, गोंडा, बाराबंकी, अयोध्या, होता कि लोकतांत्रिक संस्थाए इस मामले में आगे आकर अपनी संवैधानिक अंबेडकरनगर, मऊ, बस्ती, गोरखपुर, लखीमपुर खीरी और बलिया से होकर जिम्मेदारी निभायें। राजस्थान की घटना को लेकर मायावती ने उत्तर प्रदेश सरकार गुजरती है। तक को नसीहत दे डाली और कहा कि उत्तर प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में भी यह गंगा की सबसे बड़ी सहायक नदी है। निचली घाघरा नदी को सरयू के नाम से भी देखरेख और सतर्कता बरती जाय। मायावती ने कहा कि जिस प्रकार गोरखपुर में जाना जाता है। अयोध्या इसके दायें किनारे पर स्थित है। कैबिनेट ने इसका नाम काफी बच्चों को दर्दनाक मौतें हयी उससे यूपी सरकार को सीख लेनी चाहिए और बदलकर सरयू करने के प्रस्ताव पर सहमति दे दी है। अब राजस्व अभिलेखों में अस्पतालों में सुविधायें बढ़ाये जाने के साथ विधिवत सतर्कता बरतनी चाहिए।

योगी सरकार का नया फैसला बदल गया घाघरा नदी का नाम



उत्तर प्रदेश कैबिनेट ने प्रदेश में पुलिस कमिश्नर प्रणाली लागू करने के साथ ही कई

इसका नाम सरयू दर्ज किया जाएगा।

PNG से जलेंगे घरों के चूल्हे, मार्च तक कनेक्शन मिलने की संभावना

लखनऊ में केंद्र सरकार के निर्देश पर पाइप्ड नेचुरल गैस का विस्तार किया जा रहा है। लखनऊ से सटे रायबरेली रोड के कई इलाकों के घरों में ये पीएनजी गैस पहंचाने की कवायत शुरू की गयी थी। फ़िलहाल कम्पनी ने पीएनजी गैस का काम शुरू कर दिया है। मार्च तक लखनऊ के ज्यादातर इलाकों में पीएनजी गैस की सुविधा घरों के

किचन तक पहुंचने के आसार है। लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह ने अधिकारियों को घर-घर पाइप्ड नेचुरल गैस पहंचाने के निर्देश दिए है। इस मामले में जीजीएल के विपणन अधिकारी एसपी गुप्ता ने कहा कि कई जगहों पर काम शुरू हो गया है और ज्यादातर जगहों पर काम पूरा होने के कगार पर है। पीएनजी गैस एलपीजी की अपेक्षा दस से पंद्रह प्रतिशत सस्ती है और पूरी तरह से सुरक्षित है। पीएनजी की पाइप लाइन में हवा का दबाव नहीं होता जिसके कारण इसमें विस्फोट नहीं होता है।



वाराणसी



वाराणसी से रिलीज होगी संत रविदास पर आधारित फिल्म



सरकार द्वारा बनारस से उज्जैन के लिए नयी ट्रेन



काशी विश्वनाथ मंदिर में स्पर्श दर्शन के लिए ड्रेस कोड की अफवाह का हुआ खंडन



IIT BHU में प्लास्टिक के प्रयोग से बनाया जा रहा डीजल



मौत या मुक्ति, क्या है मौत का रहस्य?

वाराणसी के दशाश्मेध घाट स्थित एक निजी होटल में केरल से आये युवक ने नायलॉन की रस्सी के सहारे पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली। फ़िलहाल होटल के कमरे से एक सुसाइड नोट मिला है जिस पर लिखा हुआ था कि 'मेरी बॉडी को कही न भेजें'। ये युवक केरल से आया था और दर्शन पूजन करके वापस जाने की बात कही थी। मौके पर पहुंची पुलिस और फारेंसिक टीम जांच में जुटी गयी है। मौके से शव को पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया गया है। मृतक के कमरे से धूम्रपान की सामग्री के साथ कुछ पैसे और मृतक का आधार कार्ड बरामद हुआ। फ़िलहाल अभी आत्महत्या के कारण का पता नहीं लग पाया है। पुलिस की जांच अभी जारी है।

बीएचयू में भूत विद्या पाठ्यक्रम जनवरी महीने से प्रारंभ, छह महीने का होगा कोर्स

वाराणसी। बीएचयू में भूत विद्या कोर्स जनवरी महीने से प्रारंभ दूरदराज के जगहों में आम तौर पर बहुत सी भूत प्रेत की घटना सुनने में आती हैं कि किसी पर भूत का साया हैं, या किसी को भूत-प्रेत दिखाई पड़ते हैं।

अब काशी हिन्दू विश्विद्यालय में नव वर्ष के साथ ही एक 'भूत विद्या कोर्स' शुरू किया जा रहा हैं। सुनने में थोड़ा अटपटा लगेगा मगर यह बीएचयू के पाठ्यक्रम में शामिल होने जा रहा है। अक़्सर भूत प्रेत से जुडी घटना को लेकर लोग इसके उपचार हेतु घूमते फिरते हैं। ऐसी ही मानसिक बिमारी के लिए अब बनारस हिन्दू विश्विद्यालय के आयुर्वेद संकाय में भूत विद्या यानी साइंस ऑफ पैरानॉर्मल की पढ़ाई कराई

जाएगी। BHU में छह महीने का यह सर्टिफिकेट कोर्स नए साल के जनवरी महीने से प्रारंभ होगा। इस सर्टिफिकेट कोर्स में सायकोसोमैटिक अर्थात मानसिक बीमारी को भूत प्रेत का असर मान लेने एंव गलत चककर और अंधविश्वास को दूर करने के लिए बीएचयू में अष्टांग आयुर्वेद की आठ शाखाओं में से एक गृह चिकित्सा यानी भूत विद्या का सर्टिफिकेट कोर्स शुरू किया जा रहा हैं। यहां से इस



विषय पर अध्ययन कर सर्टिफिकेट प्राप्त छात्र समाज में सामान्य लोगों के मन में भूत, ग्रह आदि के बारे में फैली गलत भ्रांतियों को दूर करने के साथ प्राचीन चिकित्सा पद्धति को विज्ञान से जोड़ते हुए आज के आधुनिक समय में ऐसे मरीजों का सही इलाज कर सकेंगे। इस भूत विद्या कोर्स को लेकर बीएचयू के आयुर्वेद संकाय प्रमुख प्रो. यामिनी भूषण त्रिपाठी ने जानकारी दी कि साइंस ऑफ पैरानार्मल का सर्टिफिकेट कोर्स शुरू करने वाला यह पहला

संकाय हैं। संकाय में भूत विद्या की स्वतंत्र इकाई होगी। भूत विद्या पर शोध कर चुके प्रो. वीके द्विवेदी के नेतृत्व में इसके पाठ्यक्रम का ख़ाका तैयार किया गया है। जनवरी से इसकी पढ़ाई शुरू कर दी जाएगी। उन्होंने नए कोर्स के पाठ्यक्रम के बारे में बताया कि इसमें भूत विद्या की अवधारणा और भूत विद्या उपचारात्मक पहलू नामक दो पेपर होंगे। भूत विद्या की अवधारणा में परिभाषा, अनेक अर्थ, ऐतिहासक

महत्व, जनता में सामान्य समझ और आयुर्वेद में भूत विद्या की भूमिका के पाठ पढ़ाए जाएंगे। उपचारात्मक पहलू में चिकित्सा के प्रकार, ग्रह की प्रकृति, उपसर्ग की काय चिकित्सा पाठ होंगे।

नागरिकता कानून (सीएए) को लेकर वाराणसी में गरजे योगी और स्मृति ईरानी

नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) को लेकर शनिवार को केंद्रीय कपड़ा मंत्री स्मृति ईरानी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वाराणसी में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री महेंद्र नाथ पांडेय के साथ कई राज्यमंत्री मौजूद रहे। संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के खेल मैदान में आयोजित जनसभा में मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उत्तर-प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभा को संबोधित करते हुए एक बड़ी बात कही कि मौजूदा समय नागरिकता कानून को लेकर देश में जो विरोध हो रहा है, वह केवल भारतीय जनता पार्टी का ही नहीं, यह विरोध देश के खिलाफ षड्यंत्र है। उन्होंने कहा कि सभी को इस समय जागरूक करने की जरूरत है। लोगों में जागरूकता के लिए आज हम सभी के बीच उपस्तिथ हुए हैं। मोदी सरकार की योजनाओं का विवरण देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री विभिन्न योजनाओं के जरिए किसानों, नौजवानों के हित में काम कर रहे हैं। उनके कार्यों से घबराकर विपक्षी सीएए के नाम पर लोगों को भड़काने की साजिश में लगे हैं। आज जब पाकिस्तान को जवाब दिया जा रहा है, तब मोदी सरकार के खिलाफ षड्यंत्र किया जा रहा है। कानून को तोड-मरोडकर पेश करने का प्रयास किया जा रहा है। नागरिकता कानून की आड में अराजक गतिविधियों को बढावा दिया जा रहा है। सरकार ने इन अराजकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। इसी का नतीजा है कि लोग चेक लेकर खुद आ रहे हैं। योगी ने कहा कि देश का संविधान हमें फंडामेंटल राइट देता है तो हमें फंडामेंटल दायित्व भी देता है। दायित्व यही है कि अगर कहीं भी देश के साथ घोखा हो रहा हो तो दूसरी



ओर स्मृति ईरानी ने कांग्रेस पर सीधा हमला करते हुए कहा कि इन्होंने देश को बांट दिया। स्मृति ईरानी ने कहा कि कांग्रेस ने धर्म के आधार पर देश का बंटवारा राष्ट्रहित में नहीं बल्कि परिवार हित में स्वीकार किया था। उन्हें परिवार के एक सदस्य को नेता प्रधानमंत्री बनाना था।उन्होंने कहा कि 1990 में पाकिस्तान के इशारे पर काला इतिहास हमारे देश का अंग बन गया। कांग्रेस गोरों को अपना संस्कार मान कर आगे चल रही है। उन्होंने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि जब अंग्रेजों ने एक ही बिंदु पर देश का विभाजन किया। अंग्रेजों ने हिदुस्तान को खत्म करने के लिए देश का विभाजन धर्म के आधार पर किया। गोरों की इसी सीख को कांग्रेस पार्टी ने अपना संस्कार मान लिया। आज जो लोग संविधान की दुहाई देते हैं, उन्हें 72 साल बाद भी इस बात का

जवाब नहीं सूझता कि जब धर्म के आधार पर देश का बंटवारा हो रहा था तो कांग्रेस ने क्यों स्वीकार किया। क्या कोई अपनी मां का बंटवारा स्वीकार कर सकता है। स्मृति ने कहा कि जब बंटवारा हुआ तो गांधी जी चाहते थे कि जो हिंदू परिवार पाकिस्तान में छूट रहे हैं, उनका संरक्षण हो। बापू के इस कथन को नरेंद्र दामोदर दास मोदी ने न सिर्फ स्वीकार किया बल्कि साकार भी किया। स्मृति ने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता जानते हैं कि कांग्रेस में हिंदू और सिख विरोधी आत्माएं लगी हुई हैं लेकिन यह नहीं जानते थे कि कांग्रेस ईसाइयों के भी विरोध में खड़ी होगी। पाकिस्तान में ईसाइयों के धार्मिक स्थलों पर विस्फोट किया गया, तब सोनिया गांधी नहीं रोईं। जब बाटला हाउस में आतंकवादी को मारा गया तब रोईं।

वाराणसी से रिलीज होगी संत रविदास पर आधारित फिल्म

संत रविदास के नाम व उनके जीवन शैली पर आधारित फिल्म 'अमर कहानी रविदास जी की' आगामी 7 फरवरी को पूरे देश में रिलीज होगी। फिल्म संतरविदास की जीवन शैली पर व जाति पाति से ऊपर बनाई गई है।

फिल्म में मुख्य भूमिका हेमंत पांडे, गुलशन पांडे, संदीप मोहन, भावना अरोड़ा होंगे, पूरी फिल्म उत्तराखंड हरिद्वार में शूट की गई है। फिल्म का प्रमोशन वाराणसी के एक निजी होटल में हुआ। क्राइम पेट्रोल के अभिनेता गुलशन पांडे भी इस फिल्म दिखाई देंगे। इस फिल्म में संत रविदास का किरदार संदीप मोहन निभाते नजर आएंगे।



फिल्म स्वदेश से डॉक्टर हुए प्रभावित, पहली बार पहुंचे वाराणसी

वाराणसी। कहते हैं फिल्में समाज का आइना होती हैं और प्रेरणादायी भी। लेकिन आजकल ऐसी सामाजिक संदेश से ओतप्रोत, लोगों के लिए प्रेरणादायी फिल्में कम बनती हैं, या बॉक्स-ऑफिस पर कम ही सफल हो पाती हैं। वर्तमान समय मे देश के युवा डॉक्टरों की एक टीम कुछ ऐसी ही एक सामाजिक प्रेरणादायक फिल्म से प्रभावित होकर समाज के पिछड़ों, दलितों, वंचितों, आदिवासियों के लिए पूरे लगन से अपना फ़र्ज़ निभा रही है। डॉक्टर्स मुख्यतः आदिवासी क्षेत्र, मलिन बस्ती और खास तौर

पिछड़े इलाकों में जा कर वहां के लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाना है। पिछड़े इलाके के बच्चों को शिक्षत करना है, लोगों को बेहतर स्वास्थ्य के लिए जागरूक करना है। कुपोषित बच्चों को कुपोषण से बाहर निकालना है। इस ग्रुप में युवकों के साथ युवितयां भी शामिल हैं। में वाराणसी पहुंचे महाराष्ट्र के डॉ निलेश ने बताया कि वह आसाम और अरुणांचल प्रदेश के

कश्मीर से कन्या कुमारी, मुंबई से पश्चिम बंगाल, अरुणांचल और बिहार में दे रहे हैं सेवा रहे हैं। बताया कि हम लोग युवाओं में एंगर, मनासिक बीमारियों को दूर करने का प्रयास कर रहे हैं। झारखंड व कश्मीर में भी काम चल रहा है। स्वदेश के इस डॉ नीरज बिहार के पिछड़े इलाकों में युवाओं, बच्चों और महिलाओं के लिए काम कर रहे हैं। मुंबई से आए डॉ उमेश का कहना है कि समाज में बदलाव युवा ही लाते हैं इसी सोच के साथ हम लोगों ने मानव सेवा को अपना लक्ष्य बनाया। पेशे से इंजीनियर डॉ उमेश ने कहा कि हम लोगों का काम ग्रामीण इलाकों में ज्यादा है क्योंकि वहां ऊंची-ऊंची अट्टालिकाएं नहीं हैं, वहां के सीधे-सज्जन लोगों को स्वास्थ्य, शिक्षा, रहन-सहन, खान-पान, सफाई के प्रति जागरूक किया जा रहा है। कोशिश उनका जीवन स्तर ऊंचा करना है। बच्चों को अच्छी तालीम दिलाना, महिलाओं की सेहत में सुधार करना है। छत्तीसगढ़ से आई महाराष्ट्र के



पर गांवों में जा कर काम कर रहे हैं। टीम के डॉक्टर्स पढ़े लिखे होने के साथ अच्छे संपन्न घरों से संबंधित हैं।आपको बता दें कि सभी डॉक्टर अपनी टीम के साथ पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में आकर तीन दिनों तक मलिन बस्तियों में घूम-घूम कर स्वास्थ्य शिविर आयोजित करके हजार से ज्यादा सफाईकर्मियों का निःशुल्क इलाज किया, साथ ही उन्हें विभिन्न दवाएं भी वितरित करायी गयी। ये युवा चिकित्सक बॉलीवुड की एक फ़िल्म जो की 2004 में रिलीज हुई थी उससे प्रभावित हैं। फ़िल्म में मुख्य अभिनेता शाहरुख खान काम करते नज़र आये थे। यह फ़िल्म थी स्वदेश। फिल्म के नाम पर ही युवा चिकित्सको ने एक संगठन का निर्माण किया। जिसका नाम रखा स्वदेश ग्रुप। अब इस स्वदेश ग्रुप में महाराष्ट्र के मुंबई, कोलकाता, बिहार, दिल्ली से जुड़े डॉक्टर और इंजीनियर शामिल हैं। इनका उद्देश्य आदिवासी क्षेत्रों, स्लम्स और अति

शोषित, दलित, आदिवासी क्षेत्र में काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि अभिनेता शाहरुख की फिल्म स्वदेश में शाहरुख को एक संपन्न घर का युवा दिखाया गया है, वह उच्च शिक्षा ग्रहण कर अमेरिका में एक बड़ी कंपनी में ऊंचे वेतन पर काम कर रहे होते हैं। लेकिन उन्हें अपने देश के वंचितों, शोषितों, दलितों, पिछडों और आदिवासियों की याद आती है और नौकरी छोड़ कर आते हैं और लग जाते हैं मानव सेवा में। वह हम सभी के दिलों को छू गई। बस हमने भी ठान लिया कि एक ऐसा ही युवाओं का ग्रुप बनाया जाए और समाज के शोषित, पीड़ित लोगों की सेवा की जाए। पेशे से साइक्रेटिक निलेश ने बताया कि हमारा ग्रुप स्वदेश कश्मीर से कन्या कुमारी, मुंबई से अरुणांचल प्रदेश तक पूरे भारत मे फैला है। वर्तमान समय मे इस ग्रुप में 200 से ज्यादा डॉक्टर काम कर रहे हैं। निलेश ने बताया कि वह खुद असम व अरुणांचल प्रदेश, छत्तीसगढ़ के आदिवासियों के बीच काम कर

मुंबई निवासी स्त्री रोग विशेषज्ञ डाँ० ऐश्वर्या कहती हैं कि वो पिछडे इलाकों की महिलाओं के बेहतर स्वास्थ्य के लिए काम कर रही हैं। महिलाएं आज भी पिछडी हैं, उन पर अत्याचार ज्यादा हो रहे हैं। ऐसे में उनको मानिसक व शारीरक रूप से सेहतमंद करना हम सब का लक्ष्य है। मूल रूप से बिहार की रहने वाली डॉ अनुपमा ने अपनी शिक्षा-दीक्षा कोलकाता में पूरी की। वाराणसी दौरे पर आई अनुपमा ने कहा कि छत्तीसगढ़ में काम करने के बाद अब वह बिहार के पिछड़े इलाकों में काम कर रही हैं। बता दें कि इन सभी युवा डॉक्टरों को वाराणसी लाने वाले दलित फाउंडेशन के डिप्टी डायरेक्टर प्रदीप मोरे का कहना है कि युवाओं की सामुदायिक हिस्सेदारी को बढ़ाने के उद्देश्य से ही हम लोग काम कर रहे हैं। हमारा काम जातिवाद, छुआ-छुत को दुर करना और दलितों, पिछड़ों, को बराबरी का हक दिलाना है।

अभिनेता रवि किशन के पिता पंचतत्व में विलीन, वाराणसी में हुआ अंतिम संस्कार

मणिकर्णिका घाट पर अंतिम संस्कार किया गया। यात्रा में वाराणसी के भाजपा जिलाध्यक्ष हंश राज घाट पर रवि किशन के बड़े भाई रामशुक्ल ने पिता को विश्वकर्मा, महानगर अध्यक्ष विद्या सागरराय, स्वच्छ 11 बजे बीएचयू अस्पताल में इलाज के दौरान पिता विधायक सौरभचंद्र श्रीवास्तव, वाराणसी कैंट से

भोजपुरी फिल्म के जाने-माने अभिनेता और वर्तमान मणिकर्णिका घाट तक शव यात्रा निकाली गई, मंत्रीधर्मेंद्र शुक्ला सांसद प्रतिनिधि समरेंद्र विक्रम सिंह में गोरखपुर के सांसद रवि किशन के पिता श्याम जिसमें गोरखपुर संसदीय क्षेत्र के साथ ही वाराणसी के व पी आर ओ सांसद गोरखपुर पवन दुबे सहित सैकड़ों नारायण शुक्ला का बुधवार को वाराणसी के भाजपा नेताओं सहित कई लोग शामिल हए। शव लोग मौजूद रहे। मुखाग्नि दी। श्याम नारायण शुक्ला कुछ दिनों से भारत मिशन के अध्यक्ष विरेंद्र तिवारी, ब्राह्मण बीएचयू अस्पताल में भर्ती चल रहे थे। मंगलवार रात महासभा के अध्यक्ष सूडू महाराज वाराणसी कैंट की मौत की सूचना मिलने के बाद रवि किशन बुधवार चुनाव लड़ चुके चंद्र कुमार मिश्रा उर्फ गुड़ू महाराज, सुबह 10 बजे बीएचयू पहुंचे। अस्पताल से दिनेश यादव, महंत प्रेम गोरखपुर बीजेपी के क्षेत्रीय



सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव में सभी पर NSUI की जीत



सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय में बुधवार को गहमागहमी के बीच हए छात्रसंघ चुनाव में राष्ट्रीय छात्र संगठन NSUI का पैनल चार प्रमुख पद पर जीत दर्ज की। जबकि अखिल भारतीय विद्यार्थी (एबीवीपी) का सफाया हो गया है। एनएसयुआई के शिवम ने अध्यक्ष, अवनीश मिश्र ने महामंत्री, चंदन मिश्र ने उपाध्यक्ष व रजनीकांत दूबे ने पुस्तकालय मंत्री पद पर चुनाव जीता। चुनाव अधिकारी ने जैसे ही परिणाम की घोषणा की, वैसे ही दावेदारों के समर्थकों ने विजयी प्रत्याशियों को फूल-माला से लाद दिया। पुलिस ने

अपनी सुरक्षा में नवनियुक्त पदाधिकारियों को उनके आवास पर रवाना किया। चुनाव को देखते हुए परिसर में सुरक्षा के सख्त बंदोबस्त किये गये थे। आईजी रेंज विजय सिंह मीना ने खुद परिसर में जाकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया था। आपको बता दें कि संस्कृत विश्वविद्यालय में सुबह 9 बजे से दोपहर एक बजे तक मतदान का समय निर्धारित था। परिसर में कुल 1950 प्रत्याशियों को मतदान करना था। बारिश के चलते सुबह मतदान की रफ्तार बहुत धीमी थी भी निर्वाचित हुए। लेकिन बाद में मतदान में तेजी आयी। परिसर में बनाये

गये आठ बूथ पर कुल 991 प्रत्याशियों ने मतदान किया। मतदान का कुल 50 प्रतिशत रहा। मतदान के बाद दोपहर तीन बजे से मतगणना आरंभ करके चुनाव परिणाम की घोषणा की गयी। चुनाव में अध्यक्ष पद पर शिवम शुक्ला (विजयी) ७०९ सौरभ पांडेय-४०, हर्षित पांडेय 224,उपाध्यक्ष पद गौरव दूबे 424 व चंदन कुमार मिश्र (विजयी) 553 वोट पड़े, महामंत्री पद पर अजय कुमार मिश्र 482 व अवनीश मिश्र (विजयी) ४८७ एवं पुस्तकालय मंत्री पद के लिए पदअपर्ण तिवारी 21, आशुतोष उपाध्याय:-272, रजनीकांत दूबे (विजयी) 567 व शिव ओम मिश्र 106 दावेदार रहे। विश्विद्यालय के संकाय प्रतिनिधि पद पर भी निर्वाचन में वेदवेदांग संकाय अजीत कुमार चौबे, अभय नाथ शुक्ल, अभिनय द्विवेदी, विश्वकर्मा मिश्रा व सुधांशु भट्ट निवार्चित हुए हैं। साहित्य संस्कृति संकाय में अनुराग शुक्ला निर्विरोध निर्वाचित व श्रमण विद्या संकाय में धनंजय मिश्रा व आशीष कुमार चौबे

महाकाल का दर्शन करना होगा आसान, बनारस से उज्जैन के लिए नयी ट्रेन

सरकार इस महाशिवरात्रि पर महाकाल के भक्तों को नयी सौगात देने जा रही हैं। सरकार द्वारा काशी से

उज्जैन के लिए नयी ट्रेन चलायी जा रही है। बनारस से उज्जैन के बीच की दूरी 1200 किलोमीटर है, इसके बाद भी सीधी ट्रेन नहीं होने से सफर लंबा हो जाता था। लेकिन अब ऐसा नहीं होगा, रेलमंत्री पीयूष गोयल ने स्वंय इस नयी ट्रेन को चलाने की घोषणा की है। आपको बता दे कि अभी तक बनारस से उज्जैन जाने में 20 घंटे लगते थे। इसके चलते यह यात्रा बेहद लंबी हो जाती थी। जिसके

मद्देनज़र नयी ट्रेन की काफी दिनों से मांग हो रही थी। इस नयी ट्रैन के आने से सभी को काफ़ी फायदा

मिलेगा। शिव की नगरी बनारस से सीधे महाकाल के धाम पहंचना आसान होगा। 21 फरवरी से चलने



वाली नयी ट्रेन का नाम महाकाल एक्सप्रेस रखा जायेगा। बनारस से उज्जैन की दूरी महज 10 घंटे में पूरी हो जायेगी। अभी तक इतना सफर करने के लिए 20 घंटे का समय लगता था। कई ट्रेन इस रूट पर चलती है, जो लंबी दूरी की होती थी लेकिन नयी ट्रेन से सीधे काशी से उज्जैन जाने का यात्रियों को मौका मिलेगा। इससे कम समय में ही श्रद्धालु काशी विश्वनाथ व महाकालेश्वर मंदिर में जाकर दर्शन पूजन कर पायेंगे। महाकाल एक्सप्रेस से मात्र 10 घंटे में बनारस से उज्जैन का सफर पूरा होगा। नयी ट्रेन में यात्रियों की सुविधा का खास ध्यान रखा जायेगा। रेलवे इन दिनों जो भी नयी ट्रेन चला रही है उसमे अत्याधुनिक तकनीक का प्रयोग हो रहा है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण बनारस से नई दिल्ली जाने वाली वंदे भारत ट्रेन है।

वाराणसी...

वाराणसी नगर निगम की नयी शुरुवात, शुरू की 'मटीरियल रिकवरी फैसिलिटी'



वाराणसी नगर निगम ने टेट्रा पैक, जीआईजेड और टेरी के साथ मिलाकर 'मटीरियल रिकवरी फैसिलिटी' का शुभारंभ किया। यह भारत की इकलौती ऐसी पहल है जिसमे भारत में अपशिष्ट प्रबंवधन में सार्वजनिक -निजी पार्टनरशिप, जो कचरे के भराव क्षेत्र में शून्य अपशिष्ट सुनिश्चित करने पर केंद्रित हैं। रिसाइकल करने योग्य कचरे का एकत्रीकरण बढाने और शहर में अपशिष्ट प्रबंधन को मजबूती देने के लिए आज नगर निगम ने एक नयी पहल की है। ये एमआरएफ एक अपशिष्ट छंटाई केंद्र के रूप में कार्य करेगी जहां शहर में फैले प्लास्टिक, मिश्रित कागज, पेपर के बने कार्टून आदि को अलग एवं संतुलित करने का कार्य किया जायेगा। NAMA परियोजना को पर्यावरण, प्रकृति संरक्षण और परमाणु सुरक्षा के संघीय मंत्रालय (BMU), जर्मनी द्वारा वित्तपोषण दिया गया है। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC), भारत सरकार, NAMA परियोजना के लिए नोडल मंत्रालय है। इस सुविधा के लिए जमीन VMC द्वारा प्रदान की गई है, टेट्रा पैक ने जीआईज़ेड की NAMA परियोजना के लिए उपकरण और साझेदारी प्रदान की है और टेरी "म्युनिसिपल सॉलिड वेस्ट (MSW)" से संबंधित तकनीकी विशेषज्ञता प्रदान कर रहा है जिससे उद्देश्य अपशिष्ट प्रबंधन सेक्टर से उत्सर्जित होने वाली 'ग्रीन हाउस गैसेस' (GHG) को कम करना है। टेट्रा पैक एशिया पैसिफिक के वाइस प्रेसिडेंट सस्टेनेबिलिटि, जयदीप गोखले ने कहा, "हम दृढता से इस बात पर विश्वास करते हैं कि रिसायकल करने से अपशिष्ट को धन में बदला जा सकता है। 16 वर्षों से अधिक समय से हम अपने कागज़ आधारित और पूर्ण रूप से रिसायकल करने योग्य पैकेज के लिए एक स्थायी संग्रह और रीसाइकलिंग पारिस्थितिक तंत्र निर्मित करने के लिए कार्य करते आ रहे हैं। आज यह पारिस्थितिक तंत्र भारत के 23 से ज़्यादा शहरों को कवर करता है और भारत में बेचे जाने वाले प्रत्येक 2 कार्टन पैकेजों में से 1 रिसायकल होता है। हम अपनी विशेषज्ञता और अनुभव को VMC, टेरी और जीआईज़ेड जैसे प्रतिबद्ध साझेदारों के साथ साझा करने में प्रसन्न है ताकि पीएम मोदी जी के स्वच्छ भारत के सपने को और बेहतर बनाया जा सके और भविष्य में कागज़ से बने कार्टन का संग्रह बढें और उनकी रिसायकलिंग हो सके।"



वाराणसी। काशी विश्वनाथ मंदिर में स्पर्श दर्शन के लिए ड्रेस कोड की अफवाह का हुआ खंडन



उत्तर प्रदेश सरकार में पर्यटन एवं धर्मार्थ कार्य राज्यमंत्री डॉ नीलकंठ तिवारी ने वाराणसी में काशी विश्वनाथ धाम में स्पर्श दर्शन के लिए लगने वाले ड्रेस कोड की बातों का खंडन किया है। डॉ नीलकंठ तिवारी ने अपने ट्विटर अकाउंट से ट्वीट करके इस बात को साझा किया और बताया कि श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में अभी कोई ड्रेस कोड लागू नहीं है और ना लागू करने की योजना है। द्वानों ने केवल सुझाव दिया है मगर फिलहाल ड्रेस कोड का कोई निर्णय नहीं लिया गया है। इस बात के मद्देनजर वाराणसी के मंडलायुक्त दीपक अग्रवाल ने भी काशी विश्वनाथ मंदिर में स्पर्श दर्शन की ड्रेस कोड की अफवाहों का खंडन किया है उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से बताया कि जिस प्रकार से सोशल मीडिया के माध्यम से काशी विश्वनाथ मंदिर में स्पर्श दर्शन के लिए वेशभूषा की खबरें बताई जा रही हैं उसका कोई भी अस्तित्व फिलहाल अभी नहीं है काशी विद्वत परिषद में कुछ विद्वानों ने सिर्फ यह सुझाव दिया था कि बाबा काशी विश्वनाथ के स्पर्श दर्शन के लिए वेशभूषा होनी चाहिए।



IIT BHU में प्लास्टिक के प्रयोग से बनाया जा रहा डीजल

भारत में प्लास्टिक की रोक को लेकर सरकार, प्रशासन सभी अपने अपने स्तर से अलग अलग तरीकों से इसके रोकथाम हेतु अभियान चला रहे हैं। पेट्रोल डीज़ल के बढ़ते दाम को लेकर भी जनता परेशान रहती हैं। इस समस्या के निस्तारण के लिए

अब वाराणसी के काशी हिन्दू विश्विद्यालय के आईआईटी बीएचयू के छात्रों ने भी प्लास्टिक वेस्ट खत्म करने और साथ ही इसका प्रयोग करके डीज़ल बनाने का काम कर रहे हैं। यह सुनकर शायद आपको विश्वास नहीं होगा लेकिन यह सच है कि कैसे आईआईटी बीएचयू के छात्र प्लास्टिक के कचरे से बना रहे है डीजला आपको बता दें कि अगर आप

घर में मौजूद प्लास्टिक को इधर-उधर फेंक रहे हैं तो ऐसा मत करिए। अब आप इस प्लास्टिक को जमा कर के डीजल भी ले सकते हैं। आईआईटी बीएचयू में प्लास्टिक के प्रयोग से डीजल बनाने का काम शुरू हो गया है। वर्तमान समय में यह पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर कार्यान्वित हैं। IIT BHU हॉस्टल से निकलने वाले प्लास्टिक को लेकर फिलहाल अभी डीजल बनाकर आटो चलाया जा रहा है। भविष्य में इसमें अगर सफलता हाथ लगती हैं तो जल्द ही बड़ा प्लांट भी लगाए जाने की योजना बन सकती हैं, जिसके



बाद शहर के लोग यहां प्लास्टिक जमा कर डीजल ले जा सकेंगे। आईआईटी बीएचयू केमिकल इंजीनियरिग विभाग में प्रो. पीके मिश्रा के निर्देशन में इस पर काम शुरू हो गया है। पिछले साल मई महीने में ही आईआईटी बीएचयू और अमेरिकी संस्था रीन्यू ओशन से करार के बाद अब प्लांट भी लग गया है और इस पर काम शुरू हो गया है। यह किसी भी तकनीकी संस्थान में लगने वाला पहला ऐसा प्लांट है, जहां प्लास्टिक वेस्ट से डीजल बनाया जा रहा है। यहीं नहीं विभाग परिसर में लगे प्लांट से निकलने वाले डीजल से आटो भी चलाया जा रहा है। इस

पहल के बाद जहां प्लास्टिक का सदुपयोग होगा वहीं प्रदुषण से भी मुक्ति मिलेगी। केमिकल इंजीनियरिंग विभाग के परिसर में मिनी प्लांट लगाया गया हैं। यहां पर हर दो दिन पर हॉस्टल से निकला प्लास्टिक एकत्रित करके डीजल बनाया जा रहा है। इसके लिए कुछ युवा हॉस्टल-हॉस्टल जाकर छात्रों को प्लास्टिक एक जगह जमा करने की अपील कर रहे हैं। औसतन दो दिन में 10

से 15 किलोग्राम प्लास्टिक के इस्तेमाल से 7 से 8 लीटर डीजल निकल रहा है। प्रोजेक्ट सफल होने के बाद बाहरी लोग को प्लास्टिक के बदले टोकन लेकर डीजल दिया जाएगा।

गंगा में कचरा करने वालो के प्रति नगर निगम करेगा कड़ा रवैया अख़्तियार



धर्म और आस्था की नगरी कही जाने वाली काशी में गंगा नदी की सफाई को लेकर सालों से राजनीति गरमाई हुई है। इधर राजनीति से इतर प्रशासन और सरकार गंगा नदी की सफाई को लेकर बहुत सारी योजनाएं लाने में कोई कसर नही छोड़ी है। लेकिन इसके बावजूद भी प्रशासन को लोगो द्वारा कोई भी सुविधाएं नही मिलने से आये दिन नदियों में दिन प्रतिदिन कूड़े कचरों का ढेर लगा रहता है। जिससे लोगों और जलीय जीव जंतुओं को खतरा बना हुआ है। लेकिन अब गंगा नदी में कचरा करने वाले लोगों के प्रति नगर निगम कड़ा रवैया अपनाने को तैयार हो गया है। आपको बता दें कि गंगा नदी में कचरा फैलाने वालों पर नगर निगम ने 1 लाख रूपये तक का

कड़ा जुर्माना लगाने का फैसला किया है, आपको बता दे कि काशी में पतित पावनी गंगा की नदी की सफाई को लेकर कई वर्षों से सफाई अभियान चल रहा हैं, और स्वच्छता को लेकर चार एसटीपी प्लान की बनाए गए हैं। जिससे कि गंदे पानी को ट्रीटमेंट कर उसे गंगा नदी में छोड़ा जाएगा। इससे देखते हुए गंगा नदी की स्वच्छता को लेकर नामामि गंगे जैसी कई तरह की योजनाएं चलाकर लोगों को इसके प्रति जागरूक भी किया जा रहा है। नगर निगम ने गंगा नदी में गंदगी फैलाने वाले लोगों के लिए कुछ सख्त नियम भी बनाये हैं। इसके अनुसार, गंगा नदी में कपड़े धोने पर 5 हजार रुपये। पूजा की सामग्री, शीशा और मूर्तियों जैसी चीजें विषक्तित करने पर 10 हजार

रूपये का जुर्माना। गंगा नदी में मल मूत्र जैसी गंदगी फैलाने पर 10 हजार का जुर्माना, गंगा किनारे खुले स्थान पर शौच करने पर 20 हजार रूपये तक का जुर्माना और गंगा नदी के किनारे घर व मकान बनाकर रहने वाले लोगों द्वारा घर से निकलने वाले कचरों व नालियों से निकलने वाली पानी प्रवाहित करने पर 25 हजार रुपये का जुर्माना लग सकता है और गंगा नदी के किनारे होटेलों व रेस्टोरेंट्स से बिना ट्रीटमेंट किये गंगा में सीवेज प्रवाह करने पर 1 लाख रुपये तक के कड़े जुर्माने लगाने का फैसला किया गया है।

खल-जगत

BCCI कॉन्ट्रैक्ट से बाहर होने के बाद Dhoni ने मैदान पर दिखाए अपने जलवे



धोनी ने वर्ल्ड कप के बाद से ही मैदान पर प्रैक्टिस नहीं बाहर कर दिया गया हैं। धोनी ने वर्ल्ड कप 2019 के

की है, लेकिन जब वो हाल ही में झारखंड की रणजी बाद से ही मैदान पर प्रैक्टिस नहीं की है, लेकिन जब वो बल्ले के बीचों-बीच लिया, चाहे वो तेज गेंदबाज हों टीम के साथ प्रैक्टिस करने मैदान पर उतरे तो उनको हाल ही में झारखंड की रणजी टीम के साथ प्रैक्टिस देखकर हर कोई हैरान था। बीसीसीआई ने हाल ही में करने मैदान पर नज़र आये तो उनको देखकर हर कोई अपना सालाना कॉन्ट्रैक्ट का ऐलान किया था जिसमें हैरान हो गया। ऐसा लग ही नहीं रहा था कि घोनी ने उन्होंने भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को इतने लंबे समय बाद बैट को पकड़ा है और मैदान में कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट से बाहर कर दिया है पिछली बार वो ए उतरे है। घोनी के इस अंदाज को देख झारखंड रणजी ग्रेड में शामिल थे। विराट कोहली, रोहित शर्मा और टीम के कोच राजीव कुमार भी अचंभित हो गए थे। जसप्रीत बुमराह को भी टॉप ग्रेड ए प्लस दिया गया है। महेंद्र सिंह धोनी ने अपने करियर में 90 टेस्ट, 350 वनडे पिछले साल भी यह तीनों खिलाड़ी इसी ग्रेड में शामिल और 98 अंतरराष्ट्रीय टी-20 खेले हैं। तीनों फॉर्मेट थे। धोनी ने वर्ल्ड कप 2019 के बाद से ही भारत के लिए मिलाकर उन्होंने टोटल 17, 266 रन बनाए हैं। धोनी ने कोई मैच नहीं खेला है यही एक वजह है जिससे की टेस्ट में 6 और वनडे में 10 शतक लगाए हैं। उनकी उन्हें इस कॉन्ट्रैक्ट में जगह नहीं दी गई है। यह बात कप्तानी में ही भारत टी-20 और वनडे क्रिकेट का वर्ल्ड महेंद्र सिंह धोनी को बीसीसीआई ने पहले ही बता दी वैंपियन बना। कुमार ने आईएएनएस से बातचीत के थी। घोनी के अलावा दिनेश कार्तिक, अंबाती रायुड़ दौरान बताया कि उनको लग रहा था कि घोनी को और खलील अहमद को भी इस कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट से बल्लेबाजी में थोडी परेशानी होगी, लेकिन उनकी

बल्लेबाज़ी को देख कर ऐसा लग ही नहीं रहा था की वो इतने लम्बे गैप के बाद मैदान में उतरे है। कोच ने कहा कि धोनी ने आईपीएल-2020 की तैयारियों में लग गए हैं। उन्होंने आगे कहा की, "मैं ईमानदारी से कहं तो.. मुझे लगा था कि घोनी ने लंबे समय से ट्रेनिंग नहीं की है तो उन्हें थोड़ी परेशानी होगी। आखिरी बार जब हमने बात की थी तो उन्होंने कहा था कि वह जनवरी में शुरू करेंगे और उन्होंने अभ्यास शुरू कर दिया। वह अपनी बात पर कायम रहने वाले खिलाडी हैं। इसमें कोई हैरानी वाली बात नहीं थी कि वह टीम के बाकी खिलाडियों के साथ किसी आम झारखंड के खिलाड़ी की तरह ही खेल रहे थे, लेकिन जिस बात से मुझे हैरानी हुई वह यह थी कि उन्होंने लगभग हर गेंद को

या स्पिनर। उन्होंने थ्रोडाउनस को भी अच्छी तरह खेला।"

यहाँ देखिए लिस्ट कौन से वर्ग में किस खिलाड़ी को मिली जगह:-

ग्रेड A+:-विराट कोहली, रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह ग्रेड A:-आर अश्विन, रविंद्र जडेजा, भुवनेश्वर कुमार, चेतेश्वर पुजारा, अजिंक्य रहाणे, केएल राहल, शिखर धवन, मोहम्मद शमी, इशांत शर्मा, कुलदीप यादव, ऋषभ <u>पंत</u>

ग्रेड B:- रिद्धिमान साहा, उमेश यादव, युजवेंद्र चहल, हार्दिक पांड्या, मयंक अग्रवाल

ग्रेड C:- केदार जाधव, नवदीप सैनी, दीपक चाहर, मनीष पांडे, हनुमा विहारी, शार्दूल ठाकुर, श्रेयस अय्यर, वाशिगटन संदर



भारत-ऑस्ट्रेलिया मैच के दौरान 'नो एनआरसी, नो एनपीआर' लिखी टीशर्ट पहनकर पहुंचे दर्शक



भारत-ऑस्ट्रेलिया मैच के दौरान 'नो एनआरसी, नो एनपीआर' लिखी टीशर्ट पहनकर पहंचे दर्शक

देश भर में जारी संशोधित नागरिकता कानून और एनआरसी के विरोध की झलक भारत और

खिलाफ प्रदर्शन करने वाले इन छात्रों में से कई लडिकयां भी शामिल थीं। इस मैच के दौरान उन ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले जा रहे वनडे मैच मुंबई के युवाओं ने जमकर नारेबाजी भी की। हालांकि, इस रहे छात्रों से शांति बनाए रखने की अपील की

पहंच कर उन प्रदर्शकारियों को हटाने की कोशिश में जुट गए मगर बाद में सुरक्षाकर्मियों ने नारेबाजी कर



वानखेडे स्टेडियम में भी देखने को मिला। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की वन-डे अंतरराष्ट्रीय सीरीज का पहला मुकाबला मुंबई के वानखेडे स्टेडियम में खेला जा रहा है। जहा देश भर में हर तरफ एनआरसी और एनपीआरका पुरज़ोर विरोध हो रहा वहीं मैच के दौरान भी कुछ युवा प्रदर्शनकारी 'नो एनपीआर और नो एनआरसी' लिखी टीशर्ट पहने मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में नजर आए हालांकि मैच के दौरान सीएए, एनआरसी और एनपीआर के दौरान इन युवाओं ने जोर-जोर से इंडिया-इंडिया के नारे भी जमकर लगाए। बताया जा रहा की उन प्रदर्शनकारियों में ज्यादातर लड़के-लड़कियां आईआईटी बॉम्बे के छात्र बताए जा रहे है। मैच शुरू होने के थोड़ी ही देर बाद ही सभी छात्र अपनी-अपनी शर्ट के बटन खोलकर एक क्रम में खड़े हो गए, जिससे टीशर्ट पर लिखा स्लोगन "नो सीएए, नो एनआरसी, नो एनपीआर" साफ-साफ़ देखा जा सकता था। इसी घटना के फ़ौरन बाद वहा पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों नें

चेतावनी के साथ छोड़ दिया। कुछ देर बाद प्रदर्शन कर रहे सभी प्रदर्शनकारियों को स्टेडियम से बाहर निकाल दिया गया। द्विटर पर आई जानकारी के मुताबिक, काले कपड़ों में बैठे लोगों से भी पूछताछ की गई। जिस समय उन प्रदर्शनकारियों को स्टेडियम से बाहर निकाला जा रहा था, उसी समय स्टेडियम में मोदी-मोदी के जोरदार नारे भी लगाए गए।

मां बनने के 2 साल बाद सानिया की शानदार वापसी, होबार्ट इंटरनेशनल टूर्नामेंट के डबल्स में दर्ज की जीत

भारतीय टेनिस स्टार सानिया मिर्जा ने मां बनने के 2 साल बाद टेनिस कोर्ट में शानदार वापसी की। उन्होंने होबार्ट इंटरनेशनल टूर्नामेंट के डबल्स मुकाबले में यूक्रेन की पार्टनर नादिया किचेनॉक के साथ अपनी जीत दर्ज की। उन्होंने जॉर्जिया की ओक्साना कलशनिकोवा और जापान की मियु कातो की जोड़ी को 2-6, 7-6, 10-3 से हराया। यह मुकाबला 1 घंटा और 41 मिनट चला। इस जीत के साथ सानिया-नादिया की जोड़ी क्वार्टरफाइनल में पहुंच गई। 2017 के बाद सानिया का यह पहला टूर्नामेंट है। सानिया का निकाह 12 अप्रैल 2010 को हैदराबाद में पाकिस्तानी क्रिकेटर शोएब मलिक से हुआ था। अक्टूबर 2018 में सानिया ने बेटे को जन्म दिया था जिसके बाद वो कुछ समय के लिए कोर्ट से दूर थी। सानिया पिछली बार

अक्टूबर 2017 में चाइना ओपन में खेली थीं। उनकी सर्वश्रेष्ठ सिंगल रैंकिंग 27 है, जो उन्होंने 2007 में हासिल की थी। सानिया डबल्स रैंकिंग में नंबर-1 रह चकी हैं।

मैच के दौरान सानिया के परिजन और बेटा साथ रहे

जीत के बाद सानिया ने ट्वीट किया, ''आज मेरे जीवन का एक और खास दिन है। काफी दिन बाद मेरे मैच में मेरे परिजन और बेटा साथ में रहे। मैंने मैच में जीत दर्ज की। इतना प्यार पाकर बहुत अच्छा महसूस हुआ।'' टूर्नामेंट में सानिया और नादिया का अगला मुकाबला बुधवार को अमेरिका की वेनिया किंग और क्रिस्टिना मैकहाले से होगा।

सानिया की वापसी आसान नहीं रही

लंबे गैप के बाद वापसी के लिए सानिया काफी

उत्साहित दिखी। उन्होंने कहा ''मां बनने के बाद पहली बार टूर्नामेंट हिस्सा लूंगी।



प्रेगनेंसी के बाद मैंने डाइट पर भी काफी ध्यान दिया है। सानिया ने बताया की मैं अब रोजाना करीब पांच घंटे टेनिस बॉल के साथ प्रैक्टिस कर रही हूं। लेकिन मैं मेडिटेशन में विश्वास रखती हूं, इसलिए सच बताऊं तो मैं सब कुछ खाती हूं, जो मुझे पसंद होता है।

'शेष पेज 46 पर..

मनोरंजन



सलमान खान की राधे योर मोस्ट वांटेड भाई फिल्म साल 2020 में ईद पर रिलीज होने वाली है, हाल ही में सलमान खान ने एक इंटरव्यू में इसका जिक्र किया कि वह राधे फिल्म क्यों कर रहे हैं। साथ ही अपने अब तक के सफर और फिल्मों में बदलते एकशन पर बात भी की। इस समय सलमान खान ने अपनी राधे योर मोस्ट वांटेड भाई फिल्म की शूटिंग का काम शुरू कर दिया है और वह फरवरी तक फिल्म की पूरी शूटिंग भी कर लेंगे। राधे योर मोस्ट वांटेड भाई पर सलमान ने कहा कि भाई को पहले भाईगिरी में लिया जाता था। लेकिन पहले भाई बहुत इज्जत देने वाला शब्द था मगर अब इसका मतलब अचानक से काफी नकारात्मक हो गया हो सकता है कि राधे

फिल्म की वजह से भाई के मायने सही हो जाएं। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि पर्दे पर हम अब भी 10 से 15 लोगों को मारते हैं। एक्शन के लिहाज से कुछ तकनीकी चीजें आयी हैं। अब भी एक्शन करने के बाद पसलियां दर्द करती हैं। सलमान ने आगे कहा कि हिंदी सिनेमा का हर हीरो सुपरहिरो है। जैसे हॉलीवुड में स्पाइडरमैन,बैटमैन है। लेकिन हमारे फैंस को अब भी हमारा एक्शन अच्छा लगता है। वहां पर सिनेमा को हकीकत के करीब ले जाने की कोशिश होती है तो 10 से 15 लोगों को मारने के लिए सुपर पॉवर वाला हीरो चाहिए होता है उनको। यहां हम ही कफी हैं। बचपन की फिल्मों पर बात करते हुए सलमान ने कहा कि मैं ब्रस ली की फिल्में देखा करता

था। सोचता था कि ब्रूस ली बनना है। भारत में सिनेमा तभी तक है, जब तक कि दर्शक के मन में हीरो जैसा बनने की लालसा है। ये खत्म तो सिनेमा भी खत्म। ईद 2020 पर राधे के साथ अक्षय कुमार की लक्ष्मी बॉम्ब भी रिलीज होने वाली है। ऐसे में सलमान खान के लिए बड़ा चैंलेज ये है कि दर्शकों को राधे के लिए सिनेमाधर में रोक कर रखना। अंडरकवर पुलिस अफसर दबंग 3 के बाद फिर से प्रभुदेवा राधे को डायरेक्ट कर रहे हैं। सलमान एक अंडरकवर पुलिस अफसर बनेंगे। यानी फैंस को एक बार फिर एक साथ वांटेड और किक वाले सलमान खान देखने को मिलेंगे।



कुछ को पसंद आया सारा अली का बोल्ड अंदाज़, कुछ ने कहा सब कुछ पुराना ही है कंगना रनौत की फिल्म 'मणिकर्णिका' जापान में बॉक्स ऑफिस पर कर रही ताबड़तोड़ कमाई





इंस्टाग्राम पर सुहाना खान की ये सेल्फी मचा रही है धमाल, आपने देखी?

कंगना रनौत की फिल्म 'मणिकर्णिका' जापान में बॉक्स ऑफिस पर कर रही ताबड़तोड़ कमाई, बनाया ये रिकॉर्ड

जापान में हाल में ही कंगना रनौत की फिल्म मणिकर्णिका रिलीज हुई। इस फिल्म को जापान में शानदार ओपनिंग भी मिली है। इसके बाद बताया जा रहा है कि जापान में भारत की मणिकर्णिका फिल्म सबसे ज्यादा ओपनिंग फिल्म बन सकती है। जापान में रिलीज तीन बड़ी भारतीय फिल्मों में मणिकर्णिका शामिल हो गई है। द क्वीन ऑफ़ झांसी' ने भारत में चंद ही दिनों में 100 करोड़ का आकंड़ा पार कर लिया था।

जापान में दर्शकों को ये फिल्म काफी पसंद आ रही है। इसी तरह अगर कमाई का सिलसिला जारी रहा तो ये सबसे बड़ी भारतीय फिल्म जापान में बनकर उभरेगी।

आपको बता दे कि हाल में ही कंगना रनौत ने अपनी खुद की प्रोडक्शन कंपनी लॉन्च की है जिसका नाम मणिकर्णिका रखा गया हैं।जहां कंगना स्टूडियो के उद्घाटन में पूजा करती नजर आ रही हैं। इस फिल्म पर शुरुआत में काफी विवाद भी देखने को मिला है। विवादों के बाद भी जब ये फिल्म भारत में रिलीज हुई तो इसने जबरदस्त कमाई की,अब ये कमाल जापान में भी नजर आ रहा है।



इंस्टाग्राम पर सुहाना खान की ये सेल्फी मचा रही है धमाल, आपने देखी?

सुपरस्टार शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान सोशल मीडिया पर एक्टिव रहती हैं, और सोशल मीडिया पर उनकी काफी चर्चा भी रहती हैं। सुहाना खान ने अभी बॉलीवुड में कदम नहीं रखा है, सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने वाली सुहाना खान इंस्टाग्राम पर एक स्टार से कम नहीं है। सोशल



मीडिया पर सुहाना खान को बहुत लाइक किया हैं और साथ में ही उनके फैंस काफी बेसब्री से उनकी तस्वीरों का इंतज़ार करते रहते हैं और उनके तस्वीरों को लाइक भी करते हैं। इन्ही तस्वीरों की वजह से सुहाना खान अक्सर खबरों में बानी रहती हैं, आपको बता दे की सुहाना खान एक बार फिर अपनी एक फोटो की वजह से खबरों में हैं। इस बार उनकी एक फोटो की वजह से खबरों में हैं। इस बार उनकी एक सेल्फी फैंस को पसंद आ रही हैं, जिसमें वो अपनी एक फ्रैंड के साथ सेल्फी पोज दे रही हैं। फोटो में सुहाना फनी फेस बनाकर फोटो क्लिक करवा रही हैं, जिसमें उन्होंने जीभ बाहर निकाल रखी है।इससे पहले भी सुहाना की कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो चुकी हैं, जिन्हें काफी पसंद भी किया गया। इस फोटो में सुहाना ने व्हाइट टैंक टॉप पहन

रखा है और वो बहुत खुबसूरत लग रही हैं। सुहाना की इस फोटो को उनके फैन पेज पर शेयर किया गया है, जिस पर हजारों लाइक आ चुके हैं। वहीं लोग फोटो पर कमेंट कर उनकी तारीफ भी कर रहे हैं। हाल ही में सुहाना खान अपनी 3.5 लाख की ड्रेस की वजह से खबरों में आ गई थीं। उन्होंने न्यू ईयर के जश्न के दौरान हॉट मिनी ड्रेस पहनी थीं।

बता दें कि सुहाना ने 2019 में एक्टिंग डेब्यू किया। ये सिल्वर स्क्रीन पर नहीं था बल्कि उनका कॉलेज प्रोजेक्ट था। सुहाना ने द ग्रे पार्ट ऑफ ब्लू में अहम किरदार निभाया था, जिसके लिए उनकी खूब सहानाभी हुई।

कुछ को पसंद आया सारा अली का बोल्ड अंदाज़, कुछ ने कहा सब पुराना ही है

इम्तियाज़ अली साल 2009 में आई फिल्म लव आज कल का सीक्वेंस लव आज कल 2 लेकर 14 फरवरी वैलेंटाइन्स डे के दिन आ रहे हैं। इस फिल्म में कार्तिक आर्यन और सारा अली खान मुख्य भूमिका में नज़र आएंगे। इस फिल्म में आपको सारा अली खान का बोल्ड अवतार देखने को मिलेगा। कहा जा रहा है कि फिल्म लव आज कल 2 में पिछली फिल्म कि तरह ही दो अलग-अलग लव स्टोरीज़ दिखाई गई हैं। इस फिल्म में सारा अली खान और कार्तिक आर्यन के साथ आरुषी शर्मा नज़र आयेंगी। आरुषी शर्मा इस फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू कर रही हैं। इस फिल्म का इंतज़ार फैंस काफी समय से कर रहे हैं। जिसे देखने के लिए फैंस काफी एक्साइटेड भी हैं।

आपको लव आज कल 2 में मज़ेदार बैकग्राउंड साउंड सुनने को मिलेगा। फिल्म में पुरानी फिल्म के गाने द्विस्ट और आहूं आहूं को रीक्रिएट किया गया है। इम्तियाज़ अली द्वारा निर्देशित फिल्म को 14 फरवरी वैलेंटाइन्स डे के दिन रिलीज़ किया जाएगा। फिल्म में सारा अली खान, कार्तिक आर्यन के साथ-साथ रणदीप हुड्डा और आरुषी शर्मा भी नज़र आ रही हैं। आपको बता दे की फिल्म का ट्रेलर रिलीज़ कर दिया गया हैं। फिल्म का ट्रेलर देखकर सोशल मीडिया पर फिल्म को मिला जुला रेस्पॉन्स मिल रहा है। जहां कुछ लोग खुश नहीं लग रहे हैं, वही बहुत से लोग ट्रेलर देख फिल्म की बड़ाई करते नहीं थक रहे हैं। जहां कुछ लोग पुराने गानों से



नाराज़ हैं वहीं कुछ इन गानों को सुनकर काफी एक्साइटेड नज़र आ रहे हैं। एक यूज़र ने पुराने गानों पर बेहतरीन रिएक्शन दिया है। फिल्म के ट्रेलर को देखकर एक यूज़र ने इस फिल्म को पहली फिल्म जैसा ही बताया है।

फरवरी महीने में रिलीज़ होने वाली फिल्मे

फिल्म का नाम - जवानी जानेमन

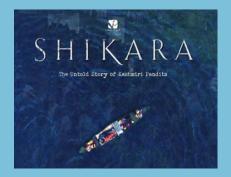
फिल्म की स्टार कास्ट - सैफअली खान, तब्ब, अलिया फर्नीचरवाला,

फिल्म की रिलीज़ डेट - 7 फरवरी, 2020

फिल्म की कहानी - यह फिल्म एक ड्रामा फिल्म है. इसमें सैफअली खान 40 साल के पिता का रोल करेंगे जिसमें उनकी एक बेटी होगी जिसका किरदार अलिया फर्नीचरवाला के द्वारा निभाया गया है.



फिल्म का नाम – शिकारा फिल्म की स्टार कास्ट - सादिया, आदिल खान **फिल्म की रिलीज़ डेट** - 7 फरवरी, 2020 फिल्म का निर्देशन - विधु विनोद चोपडा फिल्म की कहानी - इस फिल्म में स्वतंत्र भारत के कश्मीर से 4,00,000 से भी अधिक कश्मीरी पंडितों को भागना पडा था. इसकी कहानी को इस फिल्म में दर्शाया गया है.



फिल्म का नाम - मलंग

फिल्म की स्टार कास्ट - अनिल कपूर, आदित्य रॉय फिल्म का नाम - पार्ट 1: द होंटेड शिप कपुर, दिशा पटानी

फिल्म की रिलीज़ डेट - 14 फरवरी, 2020

फिल्म की कहानी – यह एक रिवेंज ड्रामा रोमाटिक **फिल्म की रिलीज़ डेट** – 21 फरवरी, 2020 थ्रिलर फिल्म हैं. यह फिल्म वैलेंटाइन डे के मौके पर फिल्म की कहानी - यह एक होरर यानि डरावनी आने वाली हैं. इस फिल्म अनिल कपूर का किरदार फिल्म हैं. यह मुंबई में हुई सच्ची दुर्घटना पर आधारित नकारात्मक होगा.



फिल्म का नाम – थलाडवी

फिल्म की स्टार कास्ट – कंगना रानौत, अरविन्द **फिल्म का नाम** – शूभ मंगल ज्यादा सावधान स्वामी, प्रियामणि, विजय देवेराकोंडा एवं प्रकाश राज **फिल्म की रिलीज़ डेट** - 20 फरवरी, 2020

फिल्म की कहानी - यह फिल्म 3 भाषाओं वाली **फिल्म की रिलीज़ डेट** - 21 फरवरी, 2020 बायोपिक फिल्म होगी. इस फिल्म में दिवंगत राजनीतिज्ञ जे. जयललिता के जीवन के बारे में दर्शाया जायेगा कि कैसे उन्होंने तमिलनाड़ की फिल्म 'शुभ मंगल सावधान' का सीक्वल है. मुख्यमंत्री रहते हुए अपनी सेवा दी और लोगों के दिलों में अपनी जगह बनाई, इसमें जयललिता जी का किरदार कंगना रानौत द्वारा निभाया जा रहा है. यह फिल्म पहले जून माह में रिलीज़ होने वाली थी जोकि अब प्रीपोन होकर फरवरी में ही रिलीज़ होगी.



फिल्म की स्टार कास्ट - विक्की कौशल, भूमि पेडनेकर, आशुतोष राणा एवं सिद्धार्थ कपुर

फिल्म है, जिसकी कहानी एक समुद्र तट पर स्थिर पडे एक जहाज पर एक जोड़े की कहानी कहती है. यह एक प्लांड होरर फिल्म फ्रैंचाइज़ी की पहली फिल्म है.



फिल्म की स्टार कास्ट - आयुष्मान खुराना, जितेन्द्र कुमार, नीना गुप्ता.

फिल्म की कहानी - यह फिल्म एक रोमांटिक कॉमेडी ड्रामा फिल्म है. यह फिल्म सन २०१७ में आई



शिक्षा-जगत

इंडिया में एनिमेशन के टॉप-4 कॉलेज

एनीमेशन बच्चों को ही नहीं बल्कि बड़ों और बूढ़ों को भी काफी आकर्षित करता है। मिक्की माउस, डोरेमोन या छोटा भीम जैसे एनिमेटेड कार्टून सभी को पसंद होते हैं। एनीमेशन केवल कॉमेडी के लिए ही नहीं बल्कि हॉरर, एक्शन और इमोशनल जैसी फिल्मों में भी यूज़ किया जाता है और जब बात करे करियर की तो आज की डेट में एनीमेशन से एक्साइटिंग करियर क्या हो सकता है।

आज के समय में एनिमेशन एक तेजी से विकसित होता करियर विकल्प है। अगर आप भी अपना करियर एनिमेशन इंडस्ट्री में बनाना चाहते है तो सबसे ज्यादा जरूरी ये है कि आप इसकी ट्रेनिंग प्रोफेशनल तरीके से लें। एंटरटेमेंट के हर क्षेत्र में आज एनिमेशन की भारी डिमांड है जैसे की टीवी चैनल, पोस्ट प्रोडक्शन हाउस, वेब इंडस्ट्री, एड एजेंसी और गेमिंग इंडस्ट्री आदि में हमे करियर के कई विकल्प मिल सकते है। हमारे देश में ऐसे कई इंस्टीट्यूट है जो एनिमेशन में डिग्री, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट के कोर्स करवाते है। अगर आप भी एनिमेशन इंडस्ट्री में अपना करियर बनाना चाहते है तो आज हम आपको एनिमेशन के टॉप-4 कॉलेज या इंस्टीट्यूट के बारे में बताएँगे जहाँ से आप कोर्स करके अपना एक अच्छा करियर बना सकते है।

1. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फिल्म एंड फाइन आर्ट्स, कोलकाता -

कोलकाता में स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फिल्म एंड फाइन आर्ट्स (NIFFA) हमारे देश के सबसे पुराने एनिमेशन इंस्टीट्यूट में से एक है जिसे 1990 में स्वर्गीय धीरेश घोष द्वारा स्थापित किया गया था। यहां से अब तक काफी लोग पढ़ के निकल चुके है जो एनिमेशन इंडस्ट्री में अपना नाम कमा रहे है, इनमें राजा सेन, सुदिप्तो डे के अलावा और भी ऐसे कई लोग है जो आज एनिमेशन इंडस्ट्री का एक स्थापित चेहरा है। इस कॉलेज में एनिमेशन की खास टेक्निक के साथ-साथ वो सारी जरूरी स्किल्स भी सिखाई जाती है जिनकी जरूरत आपको अपने करियर को बनाने में पड़ती है। आप भी अगर एनिमेशन में कोई कोर्स करना चाहते है तो इस कॉलेज से कर सकते है।

2. सेंट जेवियर कॉलेज (ऑटोनोमस), कोलकाता
- इसकी स्थापना 1860 में जेसुइट के द्वारा
Rev.Fr.Henri Depelchin की देखरेख में हुई थी
और इसका नाम फ्रांसिस जेवियर के नाम पर रखा
गया, जो भारत में 16 वीं शताब्दी के जेसुइट मिशनरी
थे। यह भी कोलकाता के सबसे पुराने कॉलेज में से
एक है इस कॉलेज की खासियत ये है कि यह हमेशा
से ही अपने स्टूडेंट्स को आगे बढ़ाने की कोशिश में
लगा रहता है। जब शुरूआत में यहां पर एनिमेशन
कोर्स शुरू किया गया था तो किसी ने भी यह नही
सोचा था कि एक दिन यही कोर्स इस कॉलेज को
टॉप पर ले के जाएगा। इस कॉलेज में एनिमेशन के
मॉर्डन प्रयोगशाला के साथ-साथ वो सभी आधुनिक
सुविधाएं है जो एक एनिमेशन इंडस्ट्री में होनी
चाहिए।

3. माया इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस सिनेमेटिक (MAAC) – माया इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस

सिनेमेटिक आज एनिमेशन इंडस्ट्री का जाना पहचाना नाम है जिसे 2001 में केतन मेहता, दीपा साही द्वारा स्थापित किया गया था। इस इंस्टीट्यूट की खासियत है कि यह छात्रों को रोजगार संबंधित कोर्स और उनके सिलेबस पर फोकस करती है। यहां पर एनिमेशन के कई कोर्स करवाए जाते है जैसे- 3डी एनिमेशन, वीएफएक्स, विजुअल आर्ट्स आदि। इस इंस्टीट्यूट की दूसरी खासियत यह है कि यहां जितने भी कोर्स करवाए जाते है वे शॉर्ट टर्म के होते है और आप कोई भी कोर्स कम समय में करके फिल्ड में उतर सकते है। आज माया इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस सिनेमेटिक की कई ब्रांचेस देश के बड़े शहरों में उपल है मगर इस इंस्टीट्यूट का मुख्य शाखा अँधेरी में स्थित है।

4. ऐरेना एनिमेशन, मुंबई- ऐरेना एनिमेशन की स्थापना 1996 में की गयी थी इस संस्थान में एनिमेशन के कई कोर्स करवाए जाते है जैसे 2डी और 3डी एनिमेशन, डिजिटल विजुलाइजेशन और डिजिटल स्कल्पिंग आदि। इस इंस्टीट्यूट की खासियत यह है कि यहां से सफलता पूर्वक कोर्स करने के बाद स्टूडेंट्स को जॉब के लिए इधर उधर भटकना नहीं पड़ता बल्कि उनको प्लेसमेंट की सुविधा दी जाती है। वैसे तो ऐरेना एनिमेशन की मुख्य संस्था मुंबई में है लेकिन इसके सेंटर दूसरे कई शहरों में भी उपल है जहाँ से आप ये सभी कोर्स आसानी से कर सकते है। पिछले 23 वर्षों में एरिना एनिमेशन ने लगभग 450,000 से अधिक छात्रों को प्रशिक्षित किया है।



3.15 लाख छात्राओं को मिलेगी छात्रवृत्ति, जानें क्या है योजना

केंद्र सरकार ने इसी वित्त वर्ष कमजोर और अल्पसंख्यक परिवारों की 3 .15 लाख स्कूली छात्राओं को छात्रवृत्ति देने की योजना बनायीं है। ये जानकारी केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने एक बैठक में दी। दरअसल नकवी ने मौलाना आज़ाद एजुकेशन फाउंडेशन की प्रशासकीय इकाई की 122वी एवं सामान्य इकाई की 72वीं बैठक की अध्यक्षता में शामिल हए थे। इसके बाद मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि इस बैठक में ''ग़रीब नवाज़ रोजगार योजना'', "हुनर हाट", "बेगम हजरत महल स्कॉलरशिप" आदि योजनाओं की समीक्षा की गई है।आपको बता दें की मख्तार अब्बास नकवी ने इस योजना के बारे में कहा कि 'आर्थिक रूप से कमजोर और अल्पसंख्यक परिवारों की 3.15 लाख स्कूली छात्राओं को मौजूदा वित्त वर्ष में छात्रवृत्ति दी जाएगी। इस समीक्षा की

बैठक के बाद ही कमजोर और अल्पसंख्यक परिवारों के लिए ये फैसला लिया गया है। गाँधी जी की 150वी जयंती और गुरु नानक देव जी की 550वी जयंती के अवसर पर मौलाना आजाद एजुकेशन फाउंडेशन द्वारा २०२० में अल्पसंख्यक बच्चियों के शैक्षिक सशक्तिकरण की दिशा में कदम उठाते हुए, नकवी ने इस बैठक में "हुनर हाट" की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हए कहा की लखनऊ एवं हैदराबाद में "हुनर हाट" का आयोजन सफलता के साथ किया जा रहा है। "हनर हाट" के जरिये काफी बड़ी संख्या में दस्तकारों, शिल्पकारों, खानसामों को रोजगार के अवसर मुहैया कराये जा रहे हैं। आने वाले दिनों में दस्तकारों, शिल्पकारों, कारीगरों को रोजगार के मौके मुहैया कराने के लिए देश के विभिन्न स्थानों पर आयोजित किये जाने वाले "हनर हाट" के सम्ब में कार्ययोजना पर चर्चा भी की



जाएगी।हालांकि अब तक ये नहीं बताया गया है कि छात्रवृत्ति के लिए आवेदन की प्रक्रिया कब से शुरू होगी और छात्रवृत्ति पाने की निर्धारित योग्यताएं क्या होंगी? ये सभी चीजें बेगम हजरत महल छात्रवृत्ति योजना के तहत निर्धारित होंगी। इस योजना की पूरी जानकारी आपको आधिकारिक वेबसाइट http://bhmnsmaef.org/maefwebsite/ पर मिल जाएगी।



छात्रों के बेहतर विकास के लिए केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के संस्था रीडिंग लिट्रेसी' के माध्यम से विशेष प्रयास किए जा रहे हैं जिसके तहत विद्यालय में अब से राइटिंग पर ही नहीं बल्कि रीडिंग पर भी समान ध्यान दिया जाएगा। इसके लिए सीबीएसई बोर्ड की ओर से शुरुआत कर दी गयी है। अब से छात्र जब किताब पढ़ेंगे तो उनकी अपनी शैली होगी और साथ ही साथ कठिन शब्दों के अर्थ भी छात्रों को बताने होंगे और क्या लिखा है उसे भी छात्रों को समझना पड़ेगा।

सीबीएसई बोर्ड का यह मानना है कि छात्र अगर अच्छी रीडिंग करते हैं तो उनके व्यक्तित्व में विकास होगा और उनकी रीडिंग स्किल भी अच्छी होगी जो उनके लिए फायदेमंद होगा। सीबीएसई बोर्ड ने यह तय किया है की इसके लिए हर स्कूलों में प्रतियोगिताएं भी कराई जाएंगी जिससे छात्रों का विकास होगा। बोर्ड के अनुसार, अच्छी रीडिंग का मतलब ये है कि उसे अच्छे उच्चारण के साथ पढ़ा जाए, ताकि लोगों को समझने में आसानी हो की कहां अर्ध विराम है, कहां विराम है, यह स्पष्ट हो सके और छात्र उसे अपनी रीडिंग में अच्छे से समझा सकें और जो जानकारी लेखक देना चाहता है, उसे समझाने की क्षमता भी छात्र में हो।

बच्चों के लिए प्रतियोगिता सीबीएसई बोर्ड सबसे पहले हर स्कूल में रीडिंग कम्पटीशन कराएगा जिससे छात्रों की रीडिंग स्किल पता चल सके। हर शहर से छह अच्छे छात्रों का चयन करेगा फिर इसके बाद एक और प्रतियोगिता कराई जाएगी जिसमे से छह छात्रों के नाम बोर्ड को भेजे जाएंगे फिर हर रीजन के 50 छात्रों को पुरस्कृत भी किया जाएगा। स्टूडेंट मॉड्यूल पर दर्ज नहीं हैं 16,745 बच्चों के आधार शिक्षा निदेशालय की ओर से स्टूडेंट मॉड्यूल पर बच्चों के आधार नंबर दर्ज करने के निर्देश दिए गए हैं लेकिन अधिकतर स्कूल्स इसके प्रति गंभीर नजर

नहीं आ रहे हैं। इसी संबंध में शिक्षा निदेशालय की योजना शाखा ने सर्कुलर जारी किया है।

सर्कुलर के मुताबिक 941 स्कूलों में 16,745 बच्चों के आधार नंबर अब तक स्टूडेंट मॉड्यूल पर दर्ज नहीं किए गए हैं जिसमें स्टूडेंट मॉड्यूल की जांच के बाद योजना शाखा ने ये आंकड़े जारी किए हैं। स्कूलों की ओर से विभागीय निर्देशों का पालन न किए जाने पर शिक्षा निदेशालय ने सभी स्कूलों के प्रति सख्ती दिखाई है। योजना शाखा ने सभी स्कूलों के प्रति सख्ती दिखाई है। योजना शाखा ने सभी स्कूल प्रमुखों (एचओएस) को व्यक्तिगत रूप से मामलों की जांच करने का आदेश दिया हैं और बच्चों के आधार नंबर दर्ज करने के भी निर्देश दिए हैं, जिससे की 100 फीसदी आधार डेटा बेस तैयार किया जा सके। इसके साथ ही स्कूलों को बच्चों के आधार कार्ड की एक फोटोकॉपी रिकॉर्ड में रखने के लिए भी कहा गया है। किसी भी डुप्लीकेट कॉपी को स्वीकार नहीं किया

रोचक तथ्य

दिल्ली से जुड़े कुछ ऐसे पहलू जो शायद आप नहीं जानते

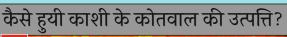
एक नए मुद्दे के साथ दिल्ली आपको हर न्यूज़ चैनल, अख़बारों में सबसे पहले नज़र आएगी। कई सारे मुद्दों और विवादों के बावजूद दिल्ली ने हमेशा से ही पर्यटकों के बीच अपनी लोकप्रियता बनाई रखी है। जो एक बार दिल्ली में जाता है वह वहीं का हो जाता है। दिल्ली से जुड़ी कुछ ऐसी बातों को जो इसे एक आदर्श शहर और एक बेहतर राजधानी बनाती है।चिलए आज हम आपको दिल्ली की कुछ ऐसी खास चीजों और बातों से रूबरू करते हैं जो इसे और भी दिलचस्प जगह बनाती हैं। दिलवालों का शहर कभी था दीवारों से घिरा शहर क्या आप जानते हैं राजधानी दिल्ली को किसी ज़माने में 'दीवारों से घिरा शहर' भी कहते थे। दिल्ली

ज़माने में 'दीवारों से घिरा शहर' भी कहते थे। दिल्ली क्षेत्रफल के हिसाब से भारत का सबसे बड़ा शहर भी है। इसका क्षेत्रफल लगभग 1484 वर्ग किलोमीटर है।

आपको बता दें कि पुराने जमाने में दिल्ली दीवारों का शहर हुआ करता था, जहां 14 मजबूत दीवारों वाले विशाल गेट मौजूद थे। वर्तमान समय में इन 14 गेटो में से सिर्फ 5 गेट ही अपना अस्तित्व कायम रख पाने में क़ामयाब हो सके हैं। ये ऐतिहासिक गेट हैं- अजमेरी गेट, कश्मीरी गेट, लाहौरी गेट, दिल्ली गेट और तुर्कमानगेट।

दिल्ली नाम का अस्तित्व दूसरी ख़ास बात इसका नाम दिल्ली यूं तो बहत सी पुरानी कहानियां जुडी हैं इससे जिनमे कुछ पौराणिक कथाएं भी शामिल हैं। लेकिन, कुछ महान लोगों के अनुसार दिल्ली का यह नाम, राजा ढिल्लू के नाम पर पड़ा जिन्होंने इस क्षेत्र में लगभग 50 ईसा पूर्व राज किया था। जबकि कुछ अन्य इतिहासकारों के अनुसार यह शब्द प्राकृत भाषा के शब्द की ओर इशारा करता है, जिसका इस्तेमाल तोमारस मतलब की प्राचीन शासकों द्वारा किया जाता था। पौराणिकता से जुड़ी महाभारत से दिल्ली का नाता भी कुछ अलग हैं। शेष पेज 46 पर..









कैसे हुयी काशी के कोतवाल की उत्पत्ति

यूपी के वाराणसी के मैदागिन में काल भैरव का एक स्थानीय लोगों के साथ देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं मंदिर है। जिन्हें काशी का 'कोतवाल' कहा जाता है। काल भैरव को भगवान शंकर का रुद्रावतार माना जाता है। काशी में इनकी नियुक्ति स्वयं भगवान महादेव ने की थी। मान्यता है कि काशी में रहने के लिए हर व्यक्ति को यहां के कोतवाल यानी बाबा भैरव की आज़ा लेनी पड़ती है। यहां कोई भी प्रशासनिक अधिकारी चार्ज लेने के बाद सबसे पहले यहीं मत्था टेकने आता है। बनारस में मान्यता है कि बाबा विश्वनाथ काशी के राजा हैं और काल भैरव इस प्राचीन नगरी के कोतवाल। यही कारण है कि भगवान भैरव का दर्शन किये बगैर बाबा विश्वनाथ का दर्शन अधूरा माना जाता है। आपको शायद ही मालूम होगा की बाजीराव पेशवा ने इस मंदिर को दोबारा बनवाया था, इस मंदिर का निर्माण 1715 में दोबारा हुआ था। ये मंदिर आज तक वैसा ही है। इसकी बनावट में कभी कोई बदलाव नहीं आया है।मंदिर की बनावट तंत्र शैली के आधार पर की गई है।कहा जाता है कि, कालभैरव कोतवाल लोगों की सुनवाई पर यमराज बाबा के आदेश की मुहर लगवाते हैं। उस पर दंड भी निर्धारित करते हैं और मुक्ति दिलवाते हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान अप्रैल महीने में पीएम नरेंद्र मोदी ने भी इस मंदिर में दर्शन किया था। प्रसिद्ध काल भैरव मंदिर वाराणसी की विशेश्वरगंज मंडी के पास स्थित है। मंदिर के सकरी गली में होने से

को यहां पहुंचने में परेशानी का सामना करना पड़ता है। पुराणों के अनुसार काल भैरव के जन्म को लेकर

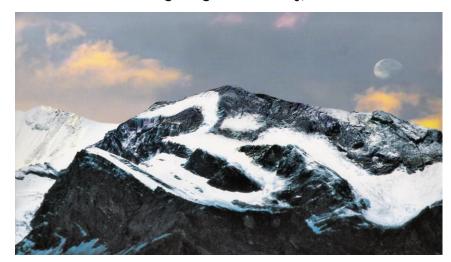


पुराणों में एक बड़ी ही रोचक कथा है। शिव पुराण के अनुसार एक बार ब्रह्मा जी और विष्णु जी में कौन सर्वश्रेष्ठ है इस बात को लेकर वाद-विवाद पैदा हो गया। तब दोनों ने अपने आपको श्रेष्ठ बताया और

आपस में एक दूसरे से युद्ध करने लगे। इसके बाद सभी देवताओं ने वेद से पूछा तो उत्तर आया कि जिनके भीतर चराचर जगत, भूत, भविष्य और वर्तमान समाया हुआ है वो देवों के देव महादेव है, इस लिए भगवान शिव ही सर्वश्रेष्ठ हैं।

वेद के मुख से शिव के बारे में यह सब सुनकर ब्रह्माजी ने अपने पांचवें मुख से शिव के बारे में भला-बुरा कहा। इससे वेद दुखी हुए। उसी समय एक दिव्यज्योति के रूप में भगवान रूद्र प्रकट हुए। तब ब्रह्मा ने कहा कि हे रूद्र तुम मेरे ही सिर से पैदा हुए हो। अधिक रुदन करने के कारण मैंने ही तुम्हारा नाम रूद्र रखा है इसलिए तुम मेरी सेवा में आ जाओ। ब्रह्माजी के इस आचरण पर शिवजी को भयानक क्रोध आ गया और उन्होंने भैरव को उत्पन्न करके कहा कि तुम ब्रह्मा पर शासन करो। दिव्य शक्ति संपन्न भैरव ने अपने बाएं हाथ की सबसे छोटी अंगुली के नाखून से शिव के प्रति अपमान जनक शब्द कहने वाले ब्रह्मा जी के पांचवें सिर को ही काट दिया। कालभैरव का नाखून ब्रह्मा के मुख में चिपका रह गया, जो हट नहीं रहा था। भैरव ब्रम्हत्या से मुक्ति पाने के लिए भगवान विष्णु की शरण में गए। उन्होंने कालभैरव को काशी भेजा, काशी पहुंच कर उन्हें ब्रह्महत्या के दोष से मुक्ति मिली और उसके बाद वे यहीं स्थापित हो गए। आज भी ये काशी के कोतवाल के रूप में पूजे जाते हैं। शेष पेज 46 पर...

कैलाश पर्वत से जुडी कुछ महत्वपूर्ण बाते



कैलाश पर्वत को दुनिया का सबसे बड़ा रहस्यमयी पर्वत माना जाता है। कहा जाता है की यहां अच्छी आत्माएं ही रह सकती हैं। इसे अप्राकृतिक शक्तियों का केंद्र माना जाता है। यह पर्वत पिरामिडनुमा आकार का है। वैज्ञानिकों के अनुसार यह धरती का केंद्र है। यह एक ऐसा भी केंद्र है जिसे एक्सिस मुंडी (Axis Mundi) कहा जाता है। एक्सिस मुंडी अर्थात दुनिया की नाभि या आकाशीय ध्रुव और भौगोलिक ध्रुव का केंद्र। यह आकाश और पृथ्वी के बीच संबंध का एक बिंदु है, जहां दसों दिशाएं मिल जाती हैं। रशिया के वैज्ञानिकों अनुसार एक्सिस मुंडी वह स्थान है, जहां अलौकिक शक्ति का प्रवाह

होता है और आप उन शक्तियों के साथ संपर्क कर सकते हैं। कैलाश पर्वत की संरचना कम्पास के चार दिक् बिंदुओं के सामान है और एकांत स्थान पर स्थित है, जहां कोई भी बड़ा पर्वत नहीं है। कैलाश पर्वत पर चढ़ना निषिद्ध है, पर 11वीं सदी में एक तिब्बती बौद्धमिलारेपा ने इस पर चढ़ाई की थी। कैलाश पर्वत चार महान नदियों के स्रोतों से घिरा है-सिंध, ब्रह्मपुत्र, सतलज और कर्णाली या घाघरा तथा दो सरोवर इसके आधार हैं। पहला, मानसरोवर जो दुनिया की शुद्ध पानी की उच्चतम झीलों में से एक है और जिसका आकार सूर्य के समान है तथा राक्षस झील जो दुनिया की खारे पानी की उच्चतम झीलों में से एक है और जिसका आकार चन्द्र के समान है। ये दोनों झीलें सौर और चन्द्र बल को प्रदर्शित करती हैं जिसका संबंध सकारात्मक और नकारात्मक ऊर्जा से है। जब दक्षिण से देखते हैं तो एक स्वास्तिक चिह्न वास्तव में देखा जा सकता है।

शेष पेज 46 पर...

पूजा-पाठ

व्यक्ति के जीवन में अधिकतर समस्याएँ ग्रहों की चाल के कारण आती हैं और हर ग्रह किसी न किसी एक देवता के पास है। सप्ताह में सात दिन होते हैं और सातों दिन अलग-अलग देवता के दिन होते हैं। चलिए आपको बताते हैं कि व्यक्ति को किस दिन किस भगवान की पूजा करनी चाहिए-



रविवार का दिन सूर्य देवता का है।

रविवार के दिन सूर्य भगवान की पूजा-अर्चना की जाती है, रविवार के दिन उगते सूरज को जल देना चाहिए। आपको बता दें कि इस दिन आसमान में हमेशा चमकने वाले सूर्य देव की उपासना की जाती है। इस दिन व्रत करने से व्यक्ति का तेज बढ़ता है। रविवार के दिन सूर्यनारायण की आरती करने के बाद सूर्य देव को लाल पुष्प और लाल फल चढ़ाकर गरीबो में बाँट देनी चाहिए। भगवान सूर्य को नारंगी वस्त्र प्रिय है, इसलिए इस दिन नारंगी वस्त्र के कपड़े धारण करें, आप पर सूर्यदेव की कृपा बनी रहेगी।

सोमवार का दिन भगवान शिव का है।

सोमवार के दिन भगवान शिव की पूजा की जाती है इस दिन शिव का ध्यान करना चाहिए भगवान शिव देवों के देव हैं और यह भक्त के सभी दुखों का अंत करते हैं. हिन्दू मान्यताओं के अनुसार सोमवार का दिन भगवान चंद्र देव का दिन होता है। शिव भगवान को दूध, दही, मधु, शक्कर, अछत, बेलपत्र और जल चढ़ाया जाता है। शिव की पूजा से मान और सम्मान दोनों की प्राप्ति होती है। और उन्हें सफेद रंग सबसे प्रिय है, इसलिए इस दिन सफेद रंग का वस्त्र धारण करें, आपके लिए शुभ सिद्ध होगा।



SHR PARELLIN HAMA

मंगलवार का दिन हनुमान जी का दिन है

मंगलवार का दिन पवनपुत्र, चिरंजीवी, अंजनी पुत्र हनुमानजी को समर्पित होता है। कहा जाता है पृथ्वी पर हनुमान साक्षात् विराजमान है, और साथ ही साथ ये भी मान्यता है कि मंगलवार के दिन ही हनुमान जी का जन्म हुआ था इस लिए हनुमान जी की पूजा मंगलवार के दिन की जाती है। हनुमान जी को लड्डू और चना का भोग लगाना चाहिए। हनुमान जी का व्रत और पूजा करने से आने वाले सभी संकटो का नाश होता है। हनुमानजी को लाल रंग पसंद है, तो इस दिन लाल रंग के वस्त्र धारण करें तो सब कुछ मंगलमय ही होगा।



बुधवार का दिन खास गणपति का दिन होता है।

बुधवार के दिन गणपित महाराज की पूजा-अर्चना होती है. गणेश जी को सभी भगवानो में प्रथम पूजनीय देवता का स्थान प्राप्त है, साथ ही साथ इस दिन यदि कोई भक्त गणेश जी का व्रत भी करता है तो उसके सभी तरह के दुःख खत्म हो जाते हैं. गणेश जी को लाडू और मोदक प्रिय है इस लिए इनको प्रसाद में लाडू और मोदक का भोग लगाया जाता है,गदेश जी को पिले पुष्प अर्पित करना चाहिए। बुधवार का दिन भगवान शिव-पार्वती के पुत्र गणेश जी का माना गया है। भगवान गणेश को दुर्वा बहुत प्रिय है। दुर्वा का रंग हरा है तो ऐसे में यदि हरे रंग के वस्त्र धारण किए जाएं तो सकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश होता है।

गुरुवार का दिन भगवान विष्णु का दिन।

गुरुवार को महिलायें ख़ास विष्णु भगवान की पूजा करती हैं. इस दिन केले के पेड़ को भी पूजन करने का विधान है क्योंकि केले का पेड़ भी विष्णु भगवान का वास स्थान बताया जाता है. ब्रहस्पित ग्रह को अपने हित में करने के लिए गुरुवार के दिन की पूजा जरुरी बताई गयी है. इस दिन पूजा करने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती है, गुरुवार के दिन विष्णु भगवान को पीला चावल, चने की दाल, गुड़, चढ़ाया जाता है और साथ ही हल्दी से कुमकुम किया जाता है । गुरुवार यानि बृहस्पित का दिन भगवान विष्णु का दिन है। वैसे इसे भगवान बृहस्पित का दिन भी माना जाता है, लेकिन यदि श्रीहिर की बात करें तो उन्हें पीतांबर रंग पसंद है, इसलिए इस दिन पीले रंग के वस्त्र धारण करें।



शुक्रवार का दिन माँ लक्ष्मी के लिए है।

शुक्रवार का दिन माँ लक्ष्मी, माँ संतोषी और माँ दुर्गा को समर्पित होता है. इस दिन महिलायें ख़ास माँ की पूजा करती हैं .शुक्रवार के दिन पूजा करने से घर में धन की कमी नहीं रहता , और संतोषी माँ की कृपया दृष्टि बानी रहती है । शुक्रवार के दिन माता रानी को खीर का भोग लगाना चाहिए और लाल पुष्प अर्पित करना चाहिए शुक्रवार का दिन आदि शक्ति के हर एक रूप को समर्पित होता है। आदि शक्ति को स्वयं हम गहरे लाल या गुलाबी रंग के वस्त्रों में ही सजा हुआ पाते हैं। इसलिए इस दिन उनकी कृपा पाने के लिए गुलाबी रंग के कपड़े पहनना चाहिए।

शनिवार का दिन शनि देवता का है।

शनिवार को शनि देव की पूजा करके, शनि ग्रह को शांत किया जाता है. शनि देव की पूजा से व्यक्ति को विशेष लाभ प्राप्त होता है. तेल और तिल की पूजा से शनिदेव को प्रसन्न किया जाता है.हिन्दू धर्म में शनिवार का नाम सुनते ही हर किसी के मुख पर भगवान शनि का नाम होता है। मान्यताओं के अनुसार भगवान शनिदेव को नीला और काला रंग प्रिय है, इसलिए इस दिन नीले और काले कपड़े पहनना चाहिए। इससे आप पर भगवान शनिदेव की कृपा बनी रहेगी।



मेष राशि



आपके करियर के लिए फरवरी का महीना काफी धीमी शुरुआत लेकर आएगा।फरवरी माह में आपकी अभिलाषाओं को पंख लगेंगे। बिज़नेस के क्षेत्र में आपको लाभ होगा। इस महीने शिक्षा के मामले में आप काफी भाग्यशाली रहेंगे। पारिवार के लिए इस महीने का शुरुवात थोड़ा कमजोर रहेगा, लेकिन महीने के अनंत में आपको सुकून मिलेगा। इस महीने आपको अपने माता पिता का खास ध्यान देना होगा । सिंगल लोगों के जीवन में प्यार की दस्तक हो सकती है। फरवरी महीने में आपके दांपत्य जीवन में ख़ुशियों की बहार छायी रहेगी। आपका आर्थिक स्थिति भी अच्छा बना रहेगा वही आपको इस महीने धन लाभ भी हो सकता है। स्वास्थ की बात फरवरी महीना आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा।

वृषभ राशि

फरवरी 2020 करियर के नज़र से आपके लिए मिलेजुले अनुभव लेकर आएगा।व्यापार के सिलसिले में आपको सोच समझकर कोई निर्णय लेना होगा।विद्यार्थियों के लिए ये महीना अच्छा साबित होगा।वही फरवरी में दांपत्य जीवन में तनाव बढ़ सकता है।फरवरी महीने में धन का लाभ अच्छा होगा और साथ ही ये महीना आपके खर्चों में वृद्धि करने वाला साबित होगा। फरवरी माह में आपका स्वास्थ्य मिला-जुला कर ठीक रहेगा।



मिथुन राशि



करियर की बात की जाए तो फरवरी में आपके कार्यक्षेत्र में आपका दबदबा कायम रहेगा। लेकिन आप लोगों की आलोचना के शिकार भी बन सकते हैं। फरवरी महीना मिथुन राशि वाले विद्यार्थीओ के लिए बहत अच्छा साबित होगा। आपका पारिवारिक जीवन में परिवारजनों से किसी बात को लेकर कहासुनी हो सकती है। फरवरी महीना आपके भाई बहनों के जीवन में बदलाव लाएगा।ये महीना प्रेम के मामलों के लिए काफी ख़ुशनुमा रहेगा। हालाँकि काम में व्यस्तता के चलते आप अपने पार्टनर को कम समय दे पाएंगे। आर्थिक दृष्टिकोण से फरवरी का महीना आपके लिए मिश्रित परिणाम लेकर आएगा। आपके स्वास्थ्य की बात करे तो ये महीना कुछ अच्छा नहीं रहने वाला है।

कर्क राशि

फरवरी का महीना आपके करियर के लिए अच्छा रहने वाला है। मकर राशि में शनि की स्थिति आपको कार्यक्षेत्र में काफी मजबूती दिलाएगी। विद्यार्थियों के लिए ये महीना ठीक-ठीक रहने वाला है। पारिवारिक जीवन में सुख शांति बना रहेगा। लव लाइफ के लिए फरवरी महीने का शुरुवात थोड़ा खराब जाने वाला है , लेकिन उसके बाद पूरा महीना ख़ुशियों के पल लेकर आएगा। दांपत्य जीवन के लिए ये महीना बहुत कुछ सीखने वाला है। फरवरी में आपकी आर्थिक स्थिति शुरुवात के कुछ दिनों तक ठीक रहने वाला है , लेकिन बाद में आपको बहुत सोच समझ कर खर्च करना होगा। महीने की शुरुआत में आपको पेट दर्द की समस्या, जोड़ों में दर्द, बुखार, आंखों में परेशानी हो सकती हैं।



का दीपक जलाकर श्री

सिह राशि



आपके करियर के लिए फरवरी महीना काफी हद तक अच्छा रहेगा। कार्यक्षेत्र में महीने की शुरुआत काफी अच्छी रहेगी। व्यवसाय के छेत्र में आपको अनुकूल परिणाम मिलेंगे। फरवरी का महीना विद्यार्थियों के के लिए काफी उतार-चढ़ाव से भरा रहने वाला है।परिवार के लिए यह महीना अच्छा रहने वाला है। फरवरी महीने में आपको अपने माँ के सेहत पर ज्यादा ध्यान देना होगा और साथ ही इस महीनड़ परिवार में हल्की -फुल्की तनातनी हो सकती है। फरवरी महीना आपकी लव लाइफ में भी उतार -चढ़ाव लेकर आने वाला है।इस महीने आपका आर्थिक स्थिति भी अच्छा बना रहेगा । फरवरी में आपका स्वास्थ्य कुछ कमजोर रह सकता

कन्या राशि



आपके करियर के लिए फरवरीमहीना शुरुवात में थोड़ा कमजोर रह रहेगा है, लेकिन बाद में सब ठीक हो हो जायेगा । आपके पारिवारिक जीवन के लिए स्थिति कभी धूप तो कभी छांव जैसी रहेगी। प्रेमी जोडो के लिए फरवरी का महीना काफी उतार-चढ़ाव वाला है। इस महीने आपका रिश्ता टूटने के कगार पर पहुंच जाएगा। शादीशुदा जोड़ो के लिए महीने की शुरुआत थोड़ी कमजोर रहेगी, लेकिन महीने का पहला सप्ताह खत्म होगा, आपका दांपत्य जीवनखुशियों से भर जायेगा।

तुला राशि

फरवरी महीने में आप अपने कार्यक्षेत्र में कमजोर पड़ने वाले है, लकिन धीरे धीरे परिस्थिती सुधरने लगेगी। शिक्षा के मामले में ये महीना काफी अच्छा साबित होगा। आपके पारिवारिक जीवन के लिए यह महीना बहुत भरी रहेगा। परिवार में माता-पिता को स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। प्रेमियों के लिए फरवरी महीना मिला जुला रहेगा , इसलिए इस दौरान थोड़ी सावधानी बरतें। यदि आप शादीशुदा हैं, तो आपके वैवाहिक जीवन के लिए फरवरी का शुरुआती सप्ताह अधिक अनुकूल नहीं रहेगा, क्योंकि आपके जीवनसाथी को शारीरिक समस्याओं से जूझना पड सकता है। फरवरी का महीना आपके स्वास्थ्य के लिए काफी अनुकूल रहने की संभावना है।



वृश्चिक राशि



वृश्चिक राशि वालों को मार्च महीने में अधिक मेहनत करनी पड़ेगी। फरवरी में विद्यार्थियों को मिलेजुले परिणाम मिलेंगे। फरवरी की शुरुआत में पारिवारिक जीवन आपका काफी अच्छा रहेगा। लेकिन यह महीना आपके भाई-बहनों के लिए ज़्यादा अच्छा नहीं है। फरवरी महीने में आपको माता-पिता के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशानियां हो सकती हैं। प्रेमी जोडियों के लिए फरवरी का महीना काफी अच्छा रहने वाला है। लेकिन शादीशुदा जातकों के लिए यह महीना अच्छा नहीं है।

धनु राशि

आपके करियर के लिए फरवरी का महीना को मजबूती दे सकता है। इस महीने आपको आपके व्यापार में भी काफी फायदा होने वाला है। विद्यार्थियों के लिए यह महीना अच्छा रहने वाला है। फरवरी महीने में परिवार में कलहपूर्ण स्थितियाँ बन सकती हैं और माता जी का स्वास्थ्य भी बिगड़ सकता है। महीने की शुरुआत में आपका प्यार आपसे कुछ समय के लिए दूर रह हो सकता है। वहीं शादीशुदा जातकों के दांपत्य जीवन में भी कुछ चुनौतियाँ आएंगी।





फरवरी महीने के शुरु होते ही आपके कार्यस्थल पर आपको किसी झूठे इल्जाम में फँसाया जा सकता है। व्यापारीयो के लिए फरवरी महीना समय अच्छा रहने वाला है। विद्यार्थियों के लिए फरवरी का महीना काफी उतार चढ़ाव भरा रहेगा। यदि पारिवारिक दृष्टिकोण से देखा जाए तो भी यह महीना आपके लिए काफी अच्छा रहेगा, परिवार में शुभ मांगलिक कार्य संपन्न हो सकता है। प्यार के मामले में यह महीना बहत तकलीफो से गुजरेगा,और महीने के ख़त्म होते-होते आपकी प्यार की भावनाएं गति पकड़ेंगी। विवाहित दांपत्यो का जीवन चुनौतियों से भरा रहने की संभावना है। फरवरी माह में आपका आर्थिक काफी अच्छा रहने वाला है।

कुम्भ राशि

फरवरी की शुरुआत आपके करियर के लिए काफी अच्छा रहने वाला है और आप अपने कार्य में अच्छे साबित होंगे, आपके व्यापार में फरवरी महीना अनुकूल नहीं है। छात्रों के लिए महीने का अंनत अच्छा रहेगा। पारिवारिक जीवन के लिए यह महीना अधिक अनुकूल नहीं है, इस दौरान तनातनी का माहौल रह सकता है।फरवरी महीने में आपके माता-पिता का स्वास्थ्य भी प्रभावित हो सकता है। आपकी आर्थिक स्थिति इस महीने की शुरुआत में थोड़ी प्रभावित हो सकती है और आपके खर्चों में वृद्धि देखने को मिलेगी।



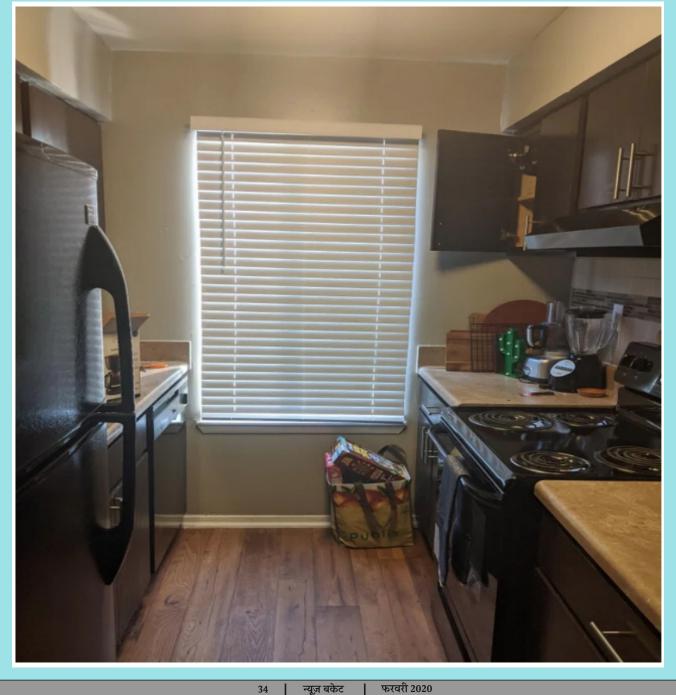


फरवरी महीना आपके करियर के छेत्र में थोड़ी परेशानी लेकर आ सकती है। व्यापार के छेत्र में फरवरी महीना अच्छा नहीं है, विद्यार्थियों के लिए यह महीना शिक्षा में कुछ व्यवधान लेकर आएगा। यह महीना पारिवारिक जीवन के लिहाज से अच्छा रहेगा, लेकिन आपको काम की व्यस्तता के चलते घर पर समय बिताने का मौका नहीं मिलेगा।फरवरी का महीना प्रेमी जोड़ो के लिए काफी चुनौतीपूर्ण रहने वाला है। यदि विवाहित जातकों की बात करें तो, सप्ताह के शुरुआती कुछ दिन थोड़े कमजोर रह सकते हैं,

सोशल-मीडिया

इस फोटो में छिपी है एक बिल्ली, आपको दिख रही है क्या?

आज कल सोशल मीडिया पर एक फोटो खूब वायरल हो रहा है,ये फोटो किसी एक्टर, खूबसूरत एक्ट्रेस या फिर नई कार की फोटो नहीं है, ये फोटो एक किचन की है. इस किचन में खाने-पीने का सामान रखा है, क्रॉकरी है. केबिनेट में मसाले के डिब्बे हैं और इन सबके बीच एक और चीज़ है, जिसे लोग फोटो में तलाश रहे हैं। इस किचन के फोटो में एक बिल्ली छिपी हुई है,जिसे लोग ढूंढ नहीं पा रहे है और जो भी लोग ऐसे ढूंढ ले रहे है,वो इस फोटो को आगे शेयर करते हुए दुसरो को चैलेंज दे रहे है। तो आप भी लीजिए ये चैलेंज, ज़रा ढूंढिये इस फोटो में छुपे इस बिल्ली को। इस फोटो को ciarra deBritto नाम से एक रेडिट यूजर ने इस फोटो को शेयर किया है. इस फोटो को काफी पसंद किया जा रहा है. इसपर लोग कमेंट भी कर रहे हैं.



सोशल मीडिया... WWW.NEWSBUCKET.IN

बिल्ली की जान बचाने के लिए महिला ने बच्चे को 5वीं मंजिल से लटकाया

सोशल मीडिया पर अक्सर बहुत से फोटोज और वीडियोज वायरल होते रहते है जो बहत चर्चा में भी रहते है, वही आज कल चर्चा में एक वीडियो भी बना हुआ है जिसमें एक महिला ने अपने बच्चे को बिल्डिंग की 5वीं मंजिल से लटका दिया है. दरअसल, महिला ने यह कदम इस वजह से उठाया, क्योंकि वह एक बिल्ली को बचा सके.बिल्ली को बचाने के चक्कर में बच्चे को 5वीं मंजिल से लटकाने का यह पूरा किस्सा नीचे खड़े कुछ लोगों ने रिकॉर्ड कर लिया. सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस वीडियो में आप देख सकते हैं कि एक महिला बच्चे के कमर के हिस्से पर एक रस्सी बांधती है और फिर उसे पांचवीं मंजिल से नीचे उतारने की कोशिश करती है. ताकि वो एक पालतू बिल्ली को बचा सके.जब महिला ने बच्चे को नीचे उतरा तो उसके बाद बच्चा छज्जे पर फंसी बिल्ली को गोद में उठता



है, जिसके बाद महिला उसे घीरे-धीरे ऊपर खींचने लगती है.आपको बता दे की ये वीडियो चीन के सिचुआन प्रांत के पेंगटन काउंटी का है. बताया जा

रहा है कि यह घटना लगभग 10 मिनट तक चली.

पीएम मोदी 20 जनवरी को छात्रों के साथ करेंगे 'परीक्षा पर चर्चा',दिव्यांग छात्र भी लेंगे भाग

20 जनवरी 2020 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी छात्रों के साथ 'परीक्षा पर चर्चा' (Pariksha Pe Charcha) किये. इस कार्यक्रम में इस बार खास तौर पर दिव्यांग छात्रों को प्रधानमंत्री से अपने मन की बात कहने व प्रश्न पूछने का अवसर मिला. इस कार्यक्रम में कुल 2000 से भी ज्यादा छात्र भाग लिए,ये कार्यक्रम परीक्षा पर चर्चा दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम के दौरान दिव्यांग छात्रों को लाने और उनके बैठने की विशेष व्यवस्था की गयी थी. परीक्षा पर चर्चा के दौरान दिव्यांग छात्रों को सीधा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपना सवाल पूछने का अवसर मिला। दिव्यांग छात्र

इस कार्यक्रम से सीधा जुड़े इस बात की पृष्टि निशंक द्वारा किया गया, केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने यह भी बताया की इस कार्यक्रम में छात्र और खासकर दिव्यांग छात्रो ने बढ कर हिस्सा लिया था। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बताया की वो चाहते हैं कि छात्रों की परीक्षाएं तनावमुक्त हों, ताकि सभी विद्यार्थी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें.इस कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बताया की छात्रो का ध्यान अपने अध्ययन से कैसे भटक जाता है, साथ ही उन्होंने बताया की छात्र अपने 'मूड ऑफ' होने की वजह भी खुद ही होते है। छात्र अपने पढाई के समय बहुत सी बाते सोचते रहते है अच्छा और बुरा जिसके वजह से उनका "मूड ऑफ' हो जाता है। इस कार्यकम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चंद्रयान के बारे में भी बताये और साथ ही उसकी सफलता और असफलता के बारे में बताये और साथ ही 2001 में हए इंडिया और ऑस्ट्रेलिया के बिच क्रिकेट को याद करते हुए राहल द्रविड़ और वी वी एस लक्ष्मण की बड़ाई की और छात्रों को प्रेणा दिए साथ ही अपनी भावनाओं को काबू करने को बताये। इस कार्यक्रम के दौरान छात्रों द्वारा पूछे गए सवालो का नरेंद्र मोदी जी बहुत ही सरलता से जवाब दिए, और भी बहुत से अनुभवों को छात्रों के साथ साझा किये।

शेष पेज 46 पर...

विविध

अमेरिका ईरान के बीच नहीं थम रहा विवाद,ईरान ने बगदाद में अमेरिकी दूतावास पर दागे 2 रॉकेट

अमेरिका द्वारा किये गए ड्रोन मिसाइल हमले में ईरान के सैन्य अधिकारी कासिम सुलेमानी की मौत ने अब जंग

किये गए। अमेरिका द्वारा किये गए इस हमले से पश्चिम

एशिया में माहौल गरमा गया है। अमेरिकी हमले के

जवाब में ईरान ने 48 घंटे में जवाबी हमला करते हुए

अमेरिकी दुतावास पर 3 मिसाइल रॉकेट से हमला किया। बताते चले कि इराक का बगदाद इलाका सबसे

का ऐलान कर दिया है। इस के घटना विरोध में ईरान, इराक सहित कई मुस्लिम देशों ने निंदा और की पाकिस्तान में कासिम सुलेमानी की हत्या पर जगह जगह प्रदर्शन

सुरक्षित इलाका माना जाता है। घटना के बाद ईरान ने फिर से अमीरीकी दूतावास पर 2 मिसाइल रॉकेट से हमला किया

जिसमे किसी के मारे जाने की खबर नहीं है। दरअसल अमेरिका द्वारा कासिम सुलेमानी पर किये गए हमले में संबंध डोलड ट्रम्प ने

रिपब्लिकन पार्टी को दान देने वालों के एक समूह को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा कि कुद्स फोर्स के जनरल हमले से पहले तक अमेरिका के बारे में बड़ी खराब बातें कर रहे थे। इसी वजह से उन्हें मारने का आदेश देना पड़ा।



इसरो का प्रोटोटाइप ह्यूमनॉइड व्योम मित्र आया सामने



भारत नेपाल के बीच रेल सेवा की शुरुआत

पाकिस्तान ने सीमा पर हो रहे हमले का भारत पर लगाया आरोप



पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने कश्मीर के मुद्दे पर सीमा पर हो रही गोलीबारी के संबंध में संयुक्त राष्ट्र से दखल करने की मांग की है। इमरान खान ने भारत पर लगातार सीमा पार से हमले का आरोप लगाते हुए एक ट्वीट जारी किया और कहा कि भारत पाकिस्तान के नागरिकों को निशाना बनाने की कोशिश कर रहा है। इमरान खान ने संयुक्त राष्ट्र से

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के भीतर भी दखल देने की जरुरत बताएं चीन ने 3 दिन पहले ही भारत से कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की हुई बैठक में सदस्यों ने इमरान खान की अपील को गंभीरता से लिया है और कश्मीर घाटी के हालात पर चर्चा की थी।

हालांकि इस मामले को देखते हुए सुरक्षा परिषद ने यह फैसला लिया कि दोनों पक्षों को मिलकर तनाव पर नियंत्रण पाना चाहिए। शेष पेज 46 पर...



माशूका की खातिर भारत से की गद्दारी, देता था...



क्या है आरक्षण का अस्तित्व, क्या है इसका इतिहास

गगनयान मिशन के लिए इसरो का प्रोटोटाइप ह्यूमनॉइड व्योम मित्र आया सामने



भारत इनदिनों अंतरिक्ष में पराक्रम दिखाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहा, चंद्रयान-2 के बाद अब भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान एजेंसी प्लान 2022 के लिए लग चुकी हैं। जिसके तहत मानव को अंतरिक्ष में भेजा जाना हैं पर इससे पहले कि भारत वास्तव में मनुष्यों को अंतरिक्ष में जाने के लिए भेजता है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान एजेंसी इस साल के अंत तक एक humanoid रोबोट को अंतरिक्ष में भेज रही है।

ISRO अपने नए अंतरिक्ष कार्यक्रम पर कोई कसर नहीं छोड़ना चाहता। परिणाम स्वरुप वह बेहतर करने में लगा है। यह मानव युक्त यान की पहली झलक है जिसे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन 2022 में मनुष्यों को भेजने से पहले अंतरिक्ष में भेजने की योजना बना रहा है। मानव टीम में तीन पुरुष शामिल होंगे। हालांकि गगनयान में कोई महिला सदस्य नहीं है। परन्तु ह्यूमनॉइड रोबोट को एक महिला का रूप दिया गया हैं। जिसका नाम "व्योम मित्र" रखा गया हैं।

यह मानव के कई कार्यों को करने में सक्षम है और कई भाषाओं में बात भी कर सकती है। इसरो प्रमुख के सिवन ने पहले भी यह उद्धृत किया था कि "हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि यह मिशन मनुष्यों को भेजने और उन्हें सुरक्षित रूप से वापस लाने की हमारी क्षमता और कौशलता को दुनिया को बताने का माध्यम प्रदान करता है।"

पर्यावरण प्रमुख चिंताजनक विषय

भारत के सबसे ज्यादा दस प्रदूषित शहरों में छह उत्तर प्रदेश के हैं। ये शहर हैं-नोएडा, गाजियाबाद, बरेली, प्रयागराज, मुरादाबाद और फीरोजाबाद। यह स्थिति काफ़ी चिंताजनक है। क्यूंकि खराब हवा का सीधा असर इन शहरों में रहने वाले लोगों के स्वास्थ्य पर असर डालता है। घरती पर मौजूद जिव जंतुओं के लिए जहर घोलने वाला यह प्रदूषण हदय और फेफड़ों के रोगों से ग्रस्त लोगों को मुख्यतौर पर वृद्ध व्यक्ति के लिए सबसे अधिक खतरनाक है। देश-दुनिया की अनेक एजेंसियां सर्वे के बाद हर पहलू से जुडी अनेक तरह की रिपोर्ट समय-समय पर जारी करती रहती हैं, और उत्तर प्रदेश के चार-छह शहर उसमें शामिल पाए ही जाते हैं। कहने का आशय यह कि लंबे समय से स्थिति में कोई सुधार

नहीं है। इसके पीछे कारण है प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए कारगर उपाय न करना। वर्षों से शहरों में विकास के नाम पर पेड़ों की बिल चढ़ा दी जाती है। होना तो यह चाहिए कि जितने पेड़ काटे जाएं, उससे कई अधिक ज्यादा संख्या में पौधरोपण किया जाए लेकिन, ऐसा होता नहीं है। अगर पौधे पेड़ सरकार की तरफ से लगवा भी दिए जाते हैं, तो देखभाल के अभाव में सूख जाते हैं। वाहनों के प्रयोग, निजी ही नहीं, सरकारी निर्माण कार्य अपराध की श्रेणी में खुले में किए जाते हैं। इससे धूल, मिट्टी और सीमेंट के बेहिसाब कण हवा को जहरीला बना देते हैं। धूल और धुएं की स्थिति का अंदाज सड़क के डिवाइडरों पर लगे पेड़ पौधों के ऊपर जमी काली-मटमैली परत को देखकर लगाया जा सकता है। खुले में

कचरा जलाने और धुएं का गुबार उगलने वाले वाहनों के प्रयोग को अब अपराध की श्रेणी में लाया जाना चाहिए। जब तक यह काम नहीं होता, तबतक प्रदुषण नियंत्रण की बातें निरर्थक साबित होंगी।



भारत नेपाल के बीच रेल सेवा की शुरुआत जनकपुर से जयनगर तक बिछेगी लाइन

भारत और नेपाल के बीच रेल सेवा की शुरुआत होने जा रही है। इस सेवा के आरम्भ होने से भारत से नेपाल आने और जाने वाले मुसाफिरों को अब बस में धक्के खाने की आवश्यकता नहीं होगी। दरअसल सीमावर्ती प्रवेश के कारण यात्रियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पडता था। रेल विभाग के महानिदेशक बलराम मिश्रा के मुताबिक चेन्नई रेल फैक्ट्री से फरवरी की शुरुवात में रेल कोच की पहली खेप नेपाल के जनकपुर भेजी जायेंगी जहां ट्रेन का ट्रायल रन शुरू किया जायेगा। जयनगर से जनकपुर के बीच 35 किमी तक ट्रेन चलायी जाएगी। जानकारी के अनुसार 110 किमी प्रति घंटे की रफ़्तार से एक बार में करीब 1 हजार यात्री सफर कर सकेंगे। नेपाल को चेन्नई से कोच और इंजन खरीदने में लगभग 85 करोड़ का खर्च आया है। इससे पूर्व मई 2018 में नेपाल और भारत के बीच इसी रूट पर 2 सेट ट्रेनों को लेकर करार हुआ था जिसके बाद भारत सरकार के जरिये जयनगर-जनकपुर-बारदीबास के बीच 69 किमी का रूट 3 चरणों में पूरा किया गया। लगभग 85 साल पहले अंग्रेजों ने जनकपुर-जयनगर के बीच रेलवे ट्रैक

बनवायी थी जिसके जरिये अंग्रेज नेपाल के मतोहरी के जंगलों से लकड़ी भारत लाया करते थे। पिछले पांच साल से इस रास्ते से रेल यातायात बंद कर दिया



गया था और इस रूट का आधुनिकीकरण करके अब यहां से डीजल और इलेक्ट्रिक ट्रेन चलाने की शुरुआत होने जा रही है।

माशूका की खातिर भारत से की गद्दारी, देता था हिंदुस्तान की खबरें

चंदौली के पडाव स्थित चौराहट इलाके से 19 जनवरी को यूपी एटीएस ने संदि ISI एजेंट राशिद एहमद को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के बाद ISI एजेंट मुहम्मद राशीद अहमद ने ऐसे खुलासे किये जिसे सुनकर सुरक्षा एजेंसियां भी दंग रह गयी। रशीद ने खुलासा करते हुए बताया कि हनीट्रैप के जरिये भारतीयों को फसाने की तैयारी की जा रही थी।

अब तक इन जगहों की दे चुक था जानकारी-

राशिद ने खुलासे में बताया कि उसने अब तक वाराणसी के संकटमोचन, काशी विश्वनाथ मंदिर, बीचयू, सारनाथ, एयरपोर्ट, कैंट रेलवे स्टेशन, वाराणसी कलेक्ट्रेट, कचहरी, अस्सी घाट, दशाश्वमेध समेत कई घाटों की जानकरी पाकिस्तान में बैठे अपने आकांओं तक पहुंचाया था।

राशिद ने वाराणसी के अलावा अयोध्या, फ़ैजाबाद, आर्मी-सीआरएफ क्षेत्र, आगरा फोर्ट, गोरखपुर रेलवे स्टेशन, मिर्जापुर,चंदौली, सोनभद्र और अमेठी की तस्वीरें पाकिस्तान में भेजी थी। इन सभी के अलावा सुरक्षा एजेंसियों को प्रयागराज में अर्ध कुम्भ, अजमेर शरीफ के साथ-साथ वाराणसी में पीएम मोदी की रैलियों की तस्वीरें भी राशिद की मोबाईल से मिली



परिवार वालें राशिद के कारनामों से अनजान -

राशिद के नाना ने बताया कि राशिद केवल कक्षा 8 तक ही पढ़ा लिखा है और परिवार वालों को यह यकीन ही नहीं हो रहा है कि वो एक ISI एजेंट है। पास-पडोस के लोगों ने बताया कि पाकिस्तान से लौटने के बाद उसका लोगों से मिलना जुलना भी कम हो गया था। राशिद के नाना जब्बार का कहना है कि वह मौसी की लड़की की शादी में शामिल होने के लिए पाकिस्तान वर्ष २०१७ और २०१८ में गया था। लेकिन ऐसी किसी तरह की जानकारी उन्हें नहीं है। पास-पड़ोस के लोगों ने बताया कि राशिद गांव में



सबसे अच्छा व्यवहार करता था और लोगों से मिलता जुलता था। लोगों ने बताया कि जब वह पाकिस्तान से लौटकर घर आया तो उसका मिलना जुलना कम हो गया। वह बहत कम घर से बाहर निकलता था। अपने काम से काम मतलब रखता था। लेकिन किसी ने इस पर ध्यान नहीं दिया कि आखिर वह लोगों से अब कम क्यों मिलने लगा।



पाकिस्तान से करीबी-

मिडिया रिपोर्टों के अनुसार राशिद ने खुलासे में बताया कि वह पाकिस्तान में अपने मामा की लड़की से मोहब्बत करता है और इसी के कारण वह ISI एजेंटो के सम्पर्क में आया। राशिद पहली बार 2017 में पाकिस्तान गया और वह एक महीने तक वहीं रहा। उसके बाद 2018 में दूसरी बार मौसी की बेटी की शादी में शामिल होने फिर से पाकिस्तान गया और 2 महीनों तक रहा।

2018 में मौसी के बेटे शाहजेब ने राशिद को ISI एजेंटों से मिलवाया। ISI के लोगों ने राशिद की शादी का भरोसा दिलवाया और भारत से जुडी जानकारी देने की बात कही। ISI एजेंटो ने भारत की जासूसी के जरिये राशिद को कमाई का जरिया भीदिया।

पाकिस्तान से व्हाट्सएप कनेक्शन -

ISI एजेंट के कहने पर राशिद ने 2 भारतीय सिमकार्ड खरीदे और उसकी OTP पाकिस्तान के एजेंटो को दी। पाकिस्तान में बैठे एजेंटो ने OTP के जरिये व्हाटसएप एक्टिवेट किया और राशिद को सिमकार्ड तोड़ने का हक्म दिया। इसी व्हाट्सएप के जरिये राशिद सेना से जुड़े फोटो और वीडियो ISI को भेजता था।



क्या है आरक्षण का अस्तित्व, क्या है इसका इतिहास

सरकारी सेवाओं और संस्थानों में पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं रखने वाले पिछड़े समुदायों तथा अनुसूचित जातियों और जनजातियों से सामाजिक और शैक्षिक पिछड़ेपन को दूर करने के लिए भारत में आरक्षण दिया जाता हैं। पर क्या आप ये जानते हैं कि आरक्षण आया कहा से, किसने और कब चालू किया था आरक्षण और किस तरह से आरक्षण का मुद्दा इतना व्यापक हो गया कि अब लोग इसमें समर्थन और विरोध में प्रदर्शन करने के लिए आतुर हो चुके हैं? इस बड़े ही सवेंदनशील मुद्दे पर लोग एक दूसरे की जान लेने देने की बात करते हैं।

आरक्षण एक ऐसा मुद्दा हो चुका है कि कोई भी राजनीतिक दल इसके बिना सत्ता में नहीं रह सकता। इसलिए आपको आरक्षण के विषय में इतनी जानकारी जरूर होनी चाहिए कि आरक्षण कब और किसने चालू किया और इसके पीछे उनका उद्देश्य क्या था?

आरक्षण सबसे पहले भारत में 1882 में लागू किया गया, यह महाराष्ट्र में लागू किया गया था। आरक्षण भारत में स्वतंत्रता से पूर्व लगी हुई थी और इसे लागू करने वाले कोल्हापुर के महाराज साह थे।

साहू ने आरक्षण सामाजिक सुधार के लिए लगाया था, वह बहुत उदार और प्रगतिशील सोच वाले व्यक्ति थे। उन्होंने राज्य में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए पहले आरक्षण आरंभ किया था। उन्होंने महाराष्ट्र के सामाजिक सुधार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके साथ ही डॉ



भीमराव अंबेडकर ने भी सामाजिक गतिविधियों में भी बढ चढकर अपना योगदान दिया था।

फिर उसके बाद 1909 में भारत सरकार अधिनियम में आरक्षण के मुद्दों को प्रस्तुत किया गया, स्वतंत्रता से पहले आरक्षण को लागू नहीं किया गया। कई प्रयोग किये गए, इसके उपाय निकाले गए।

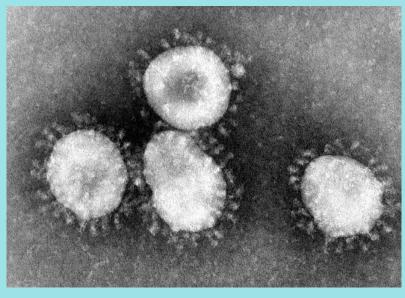
डॉ भीमराव अंबेडकर द्वारा स्वतंत्रता के बाद संविधान प्रस्तुत किया गया। उन्होंने इस मुद्दे को असंवैधानिक बनाया और उसे लागू किया। उस समय पिछड़े जाति के लोग काफी गरीब थे और ऊंची जाति के लोग उन पर ध्यान नहीं देते थे। डॉक्टर भीमराव अंबेडकर ने कहा था कि आरक्षण पिछड़ी जाति के लिए हैं। साथ कड़े शब्दों में उन्होंने इस बात पर जोर दिया था कि आरक्षण प्रणाली 10 साल तक ही रहेगी किसी भी सूरत में आरक्षण प्रणाली को नहीं बढाया जा सकता है।

लेकिन भारत के लालची नेताओं ने अपना वोटबैंक भरने के लिए आरक्षण का इस्तेमाल किया और देश को बर्बाद किया जहां 10 साल बाद आरक्षण समाप्त करने का मुद्दा था वहां पर इन राजनीतिक पार्टियों ने आरक्षण को 10 साल के लिए और बढ़ा दिया और आरक्षित सीटों को जारी रखा और फिर इसके बाद ये बढ़ता चला गया और आरक्षण के मुद्दे पर संविधान में बार-बार बदलाव हुआ। संविधान में नए-नए अनुच्छेद जुड़ते गये आरक्षण के पक्ष में। इस अंक के लिए इतना ही काफी है आपको अगले अंक में आरक्षण के बारे में और ज्यादा बताया जायेगा।

कोरोना वायरस से निपटने के लिए गोवा सरकार की पहल

कोरोना वायरस चीन में फैला एक ऐसा वायरस है जिसकी जद में अबतक 2,744 लोग आ चुके है और इसमें मृतकों की संख्या 80 के लगभग पहुंच गयी है। चीन के वुहान शहर से इस वायरस के फैलने की सूचना प्राप्त हुयी थी। चीन के अलावा अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, नेपाल और पाकिस्तान सहित कई देशों से कोरोना वायरस के मामले सामने आ रहे है।

इस वायरस से निपटने के लिए गोवा सरकार ने अहम फैसले लेने के निर्णय लिया है। गोवा के स्वास्थ्य मंत्री विश्वजीत राणे ने रविवार को इसकी जानकारी देते हुए बताया कि गोवा में आने वाले लोगों पर कड़ी नजर रखी जाएगी और इसके बाबत विशेष कार्य बल बनाने का फैसला किया है। विश्वजीत राणे ने कहा कि वायरस प्रभावित क्षेत्रों से आने वाले लोगों की बारीकी से निगरानी की जाएगी और जानकारी मिलते ही राज्य के मुख्य सचिव को सूचित किया जायेगा। शेष पेज 46 पर...



वोटर आईडी कार्ड को आधार से जोड़ने की क़वायद शुरू

सरकार इन दिनों भारत को मोबाइल गवर्नेंस स्कीम के तहत इंटरनेट पर लाने में लगी हैं, जिससे की उसके कामों में पारदर्शिता आ सके। अब आपके आधार को वोटर आईडी कार्ड से किया जाएगा लिंक, कानून मंत्रालय इन दिनों आधार कार्ड को वोटर आईडी से जोड़ने की तैयारी करने में जुटा है और इस बजट सेशन में यह बिल पेश किया जा सकता है ऐसी आशंका हैं। कानून मंत्रालय और चुनाव आयोग के सूत्रों ने विषय की इसकी पृष्टि की है। वोटर आईडी कार्ड को आधार से जोड़ने में कानून मंत्रालय इस वक़्त लगा हैं, जिसके होने से एक से अन्य जगह पर लोग योजनाओं के तहत ख़ुद को पंजीकृत नहीं कर पायेंगे। ऐसा होने से मौजूदा समय से अधिक लोगों तक इसका फ़ायदा पहुंचने की उम्मीद हैं। चुनाव आयोग के इस ख़ास प्रस्ताव को अमली जामा पहनाने के लिए मंत्रालय ने तैयारी शुरू कर दी है।

वोटर आईडी से आधार कार्ड को लिंक करने के लिए आधार ऐक्ट और रिप्रजेंटेशन ऑफ द पीपल ऐक्ट में बदलाव करना होगा। दिसंबर में मंत्रालय और चुनाव आयोग के बीच हुई चर्चा में डेटा लीक न हो और डेटा सुरक्षा उपायों पर चर्चा की गई ताकि किसी अवैध यूजर के हाथ डेटा नहीं लगे।

कानून मंत्रालय के अधिकारियों के अनुसार इस बार बजट सत्र में इस जुड़ा बिल पेश किया जा सकता है। आपको बता दें कि चुनाव आयोग के आधार कार्ड को वोटर आईडी कार्ड से जोड़ने, जिसमें नए वोटरों के साथ पुराने सभी वोटर्स को भी शामिल किया जाएगा ताकि चुनाव भूमिकाओं में इसका सदुप्रयोग सुगम तरीके से किया जा सके।



नेताजी सुभाष चंद्र बोस का पहला मंदिर, सुबह-शाम होगा नेताजी के दर्शन पूजन

वाराणसी। जनपद के लमही क्षेत्र में विशाल भारत संस्थान की ओर से सुभाष भवन बनाने के बाद वहां बाहरी हिस्से में मंदिर स्थापना का काम एक साल निरंतर चल रहा था। जहां अब मंदिर बन कर तैयार गया है। नेताजी के इस मंदिर में 11 फीट ऊंची छतरी के नीचे नेताजी की छह फीट की प्रतिमा स्थापित की गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में नेताजी सुभाष चंद्र बोस का देश का पहला मंदिर बनाया गया है। सुभाष भवन में बने इस मंदिर का उद्घाटन नेताजी की 123 वीं जयंती के मौके पर 23 जनवरी को किया गया। खास बात यह है कि इस मंदिर के पूजारी दलित रणधीर कुमार बनाये गए। गुरुवार को नेताजी की जयंती के दिन इसका उद्घाटन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक इंद्रेश कुमार द्वारा किया गया। इसी के साथ मंदिर आमजन के लिए खोल दिया गया हैं। सुभाष चंद्र बोस मंदिर की स्थापना करने वाले विशाल भारत संस्थान के संस्थापक एवं

बीएचयू के प्रफेसर राजीव श्रीवास्तव ने बताया कि नेताजी एक महानायक थे जिन्होंने जाति धर्म की दीवारों को खत्म करने का काम किया। इस मंदिर बनाने के पीछे लोगों के मन में नेताजी के विचारों वाले देश प्रेम की भावना को जागृत करना है। आपको बता दें कि सुभाष भवन में बनाये गए। इस खास मंदिर की सीढ़ियां लाल रंग की, चबूतरा सफेद पत्थर का और मूर्ति काले रंग की हैं। सबका अपना अलग अर्थ है, जैसे लाल रंग क्रांति का, सफेदा शांति और काला शक्ति का प्रतीक है। उनका मानना है कि क्रांति से शांति की ओर चलकर शक्ति की पूजा होगी। रोज सुबह सात बजे आरती कर भारत माता की प्रार्थना के साथ मंदिर का पट खुलेगा और रात सात बजे आरती के लिए बंद कर दिया जाएगा। मंदिर में नेताजी से जुड़े इतिहास को पढ़ने का मौका मिलने से लोगों के मन में देश प्रेम की भावना पहुंचेगी। साथ यहां राष्ट्रगान का पाठकराया जाएगा।



पाठकनामा

विश्वविद्यालयों में राजनीतिक घुसपैठ

साल का अंत और नए वर्ष की शुरुवात जिसमें सब ही अच्छे की कामना करते हैं, लेकिन भारत के प्रसिद्ध विश्विद्यालयों में इसके विपरीत हुआ,ये वर्ष उनकी गरिमा का क्षरण लेकर आया। देश में चल रहे सीएए, एनआरसी, एनपीआर जैसे मुद्दे हो या जाति, धर्म, भाषा के नाम पर हो रहा बवाल, ये कम लगे तो शोषण जैसी घटनाओं के चलते सभी में कहीं न कहीं पिसते नज़र आये आम छात्र। जो पढ़ने के लिए विश्विद्यालय परिसर आये थे पर राजनीती के शिकार हो गए। विश्वविद्यालयों में राजनीतिक घुसपैठ ने पिछले 25 वर्षों में गति पकड़ी, और अब एक ऐसे मुकाम पर पहुंच गई है, जो सार्वजनिक विश्वविद्यालयों के लिए पहले से ही खतरा बन सकता है। ये घटनाएँ स्वायत्त स्थानों के रूप में विश्वविद्यालयों की आवश्यक अवधारणा को नकारती हैं, जहाँ अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, विचारों की खोज और ज्ञान की उन्नति सीखने की प्रक्रिया का एक अभिन्न अंग है। विचारों में मतभेद होना तय है, लेकिन इन्हें खुले दिमाग से चर्चा के माध्यम से संबोधित किया जाना चाहिए। इसमें, सम्मान होना चाहिए - दूसरे के लिए अवमानना नहीं। वर्तमान समय में कोई भी बड़ा शैक्षिक संसथान इससे अछूता नहीं हैं। केंद्र और राज्य के सभी विद्यालय इसके सिकंजे में आरहे हैं। अब यह धरना, विरोध प्रदर्शन, रैली आदि मात्र परिसर तक ही सिमित नहीं बल्कि सडको पर कानून व्यवस्था को बिगाडने में भी अहम भूमिका निभा रही हैं। बाहर से पढने आये छात्र इसमें सबसे ज्यादा प्रभावित होते नज़र आरहे हैं नज़र आरहा हैं सियासी दावपेज में जूझता उनका भविष्य। इन सब घटनाओं से विश्विद्यालय में चल रही कक्षाएं रद्द कर दी जाती हैं। हॉस्टलों से छात्रों को निकाल दिया जाता हैं, जिससे की छात्र निराश्रित होकर सड़क पर भटकने को मजबूर हो जाता हैं। पिछले दिनों चले बनारस हिन्दू विश्विद्यालय में फिरोज खान नियुक्ति मामला हो या AMU, JNU विवाद सबमे सबसे अधिक प्रताड़ित छात्र हुए, देश का भविष्य कहे जाने वाले ये युवा राजनीति की मार कबतक ऐसे ही झेलते रहेंगे।

साफ सफाई की सूध ले जिला प्रशासन

बनारस साफ सफाई के मामले में इस वर्ष नम्बर एक पायदान पर आने के लिए दिन रात मेहनत कर रहा है। लेकिन विभागीय अधिकारियों की इसकी फिक्र शायद नहीं



सता रही। अब तो ऐसा लगता है कि बनारस को नंबर एक लाने का ये सपना ,सपना ही रहने वाला है। शहर के कई एरिया में सीवर का गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है। लेकिन इसे दुरुस्त करने करने की चिंता किसी को नही है। शहर में कई

ऐसी जगहे हैं जहां बहुत ही ज्यादा लोग की आबादी रहती हैं, पर हर सुबह स्कूल, कॉलेज,ऑफिस कहीं भी जाने से पहले इस को पार करके जाने का खतरा रहता हैं। कई सप्ताह से लोग इस नरकिय रास्ते से आने जाने को मजबूर है, लेकिन शायद प्रशासन का ध्यान इस तरफ नहीं जा रहा है। जिला प्रशासन को यहां ध्यान देने की बहुत ज़्यादा जरूरत है।

ट्रैफिक जाम से कब मिलेगी बनारसियों को निज़ात

वाराणसी। बनारस एक धार्मिक स्थल हैं साथ एक ऐसा शहर जहां एक साथ 3 बड़े विश्विद्यालय स्तिथ हैं। प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र में यूं तो सरकार और प्रशासन शहर ट्राफिक व्यवस्था से परिपूर्ण हो इसके लिए अलग अलग तरीके लगाने में जुटा हैं। लेकिन शहर को जाम मुक्त करने में अबतक सफल नहीं दिखाई पड़ रहा हैं। बढ़ती आबादी और जाम से बिलबिला रहे शहर वाराणसी की यातायात व्यवस्था में सुधार के लिए शहर में फ्लाइओवरों का जाल बिछाने की तैयारी है। बाहर से आने वाली बड़ी लोडिंग वाहन को इसके जिरये सीधे प्रमुख इलाके से न गुजार के फ्लाईओवर के सहारे कम समय में भीड़ से बचते हुए शहर से गुज़रने की

सहूलियत प्रदान करना हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल वाराणसी शहर को जाम से मुक्त कराने पर शासन और प्रशासन का पूरा है। फोकस सुगम के लिए यातायात पब्लिक ट्रांसपोर्ट प्लैटफॉर्म तैयार करने पर जोर-शोर से काम शुरू हुआ है। पुराने रिहायसी इलाके में वरुणा नदी पर बनने वाले कॉरिडोर के



लिए भी प्रशासन रोप वे, और टोटो की व्यवस्था से परिवहन सुगम बनाने में लगा हैं। पर बनारस के प्रमुख भीड़ वाले इलाके बीएचयू, दुर्गाकुंड, गोदौलिया, रथयात्रा, सिगरा, कैंट तो दूसरी ओर रिगरोड से लहरतारा जैसे रास्तों पर अक्सर भारी भीड़ के कारण बच्चों महिलाओ, कॉलेज, ऑफिस जाने वाले लोग ख़ासा जूझते नज़र आते हैं। मोटरसाइकिल सवार तो गली के रास्ते जैसे तैसे निकल भी सकते हैं, मगर कार, एम्बुलेंस, बस जैसे बड़े परिवहन के चलते उन्हें ट्रैफिक खत्म होने का इंतज़ार करना पड़ता हैं। शहर में ट्रैफिक जैम से छुटकारे के लिए ट्रैफिक लाइट साथ ही अनाउंसमेंट के जरिये व्यवस्था बहाल करने की कोशिस की जा रही हैं।

सजा में देर क्यों

निर्भया कांड में मृत्युदंड की सजा पाए दोषियों को जल्द से जल्द फांसी की सजा होनी चाहिए। चारो दोषी कानूनी विकल्प के सहारे में देरी का हर हथकंडे अपना रहे हैं। स्थिति यह है कि वे एक-एक कर अर्जी दे जा रहे हैं तािक जब तक हो सके मौत की गिरफ्त से दूर रह सकें। अगर चार में से एक दोषी के सारे कानूनी विकल्प खत्म हो चुके हैं तो पहले उसे ही फांसी दे दी जाए मगर परंपरा और कानूनी स्थिति देखी जाए तो एक जुर्म में सजा पाए सभी दोषियों को एक साथ फांसी दी जाती है। निर्भया कांड में दोषियों की सजा जालना जनता को बर्दाश्त नहीं हो रहा है।

सरकारी योजना जमीनी स्तर तक कब



वंचितों को मिले योजनाओं का लाभ केंद्र वा राज्य सरकार योजनाओं का लाभ वंचितों, जरुरतमंदों तक पहुंचने की राह में तमाम दुश्चारियां हैं। कई ऐसे भी लोग

हँजो सक्षम होते हुए भी गरीबों का हक मारने से बाज नहीं आ रहे। राजनीतिक संरक्षण कहें वा फिर प्रशासन से गठजोड़ के काम में बाधा नहीं आती। वहीं, गांव-गिराव में वंचित तक लाभ पहुंचा कि नहीं वह सुनिश्चित करने के लिए कोई विशेष व्यवस्था ही नहीं हैं।

पर्यावरण हो रहा है असंतुलित, मानव जीवन के लिए बना संकट



आज मनुष्य को अनुधिकता का केंद्र माना जाता है। आज के मानव की सिर्फ धन व प्रतिष्ठा अर्जित करना ही मुख्य चिंता रही है। भारत विकास की पटरी पर तो चल रहा है मगर देखना यह है कि उसको ये अब कहां तक ले जाएगा। हम आपको बता दें ऐसी स्थित मे पर्यावरण का प्रदूषण किसी राष्ट्र विशेष की निजी समस्या न होकर एक सर्वभौमिक चिंता का विषय बन गया है। पर्यावरण पर केवल विचार विमर्श के बैठक करना ही नहीं बल्कि उसके लिए सरकार को ठोस कदम भी उठाने होंगे जिससे पर्यावरण को सन्तुलन में रखा जा सके और हम लोगों को भी पर्यावरण के सन्तुलन को बनाकर रखना चाहिए। हम सभी जानते हैं कि जल और वायु भी पर्यावरण का ही हिस्सा है यदि हम जल और वायु की स्थिति को सुधार ले तो हम काफी संकटों से निजात पा सकते है। पर्यावरण जैसे जल, जंगल, जमीन, वायु और वातावरण को सन्तुलित करने से ही हम बच सकते है। जिससे आने वाले पीढ़ी को किसी समस्या का सामना न करना पड़े। मानव के लिए प्रकृति बहुत ही आवश्यक है, हमारी गलतियों का खिमयाजा हमारी आने वाली पीढ़ी को भुगतना पड़ेगा।

जरुरत हैं नागरिकता कानून की।



नागरिकता कानून बनना देश के लिए बहुत जरूरी था। इससे पाकिस्तान में प्रताड़ित व भयभीत गैर मुस्लिम लोग भारत की नागरिकता प्राप्त कर सकते हैं। मुस्लिम वर्ग के लोग इस देश के नागरिक हैं। इतिहास गवाह है पहले भी पाकिस्तान के अत्याचार से पीड़ित हिंदुओं व सिखों को भारत की नागरिकता दी गई थी। फिर भी कुछ पार्टियों के लोग विरोध कर रहे हैं जो देशहित में नहीं है।

शुद्ध पेयजल के लिए तरस रही आबादी



वाराणसी नरेन्द्र मोदी संसदीय क्षेत्र में गंगा के किनारे बसा हुआ शहर की बड़ी आबादी आज भी प्यासी है। ऐसी कही जगहों पर लोगो को साफ पेयजल पानी पिने को नहीं मिल रहा है। सीएम योगी आदित्यनाथ के सख्त कार्यवाही से अधिकारियों की नींद उड़ा दी थी। सप्प्लाई के जरिये लोगों के घरों तक पेयजल पहुंचाने के लिए पानी की तरह पैसा बहाया गया। इसके बाद भी शहर के बड़ी आबादी में आज भी शुद्ध पेयजल के लिए तरस रही है, लोगों के घरो तक तो सप्प्लाई पानी तो पहुंचाया गया लेकिन साफ पानी नहीं है। हम आपको बता दे की आज भी लोगों के घरों में सप्प्लाई पानी तो आता है लेकिन शुद्ध पेयजल नहीं मिल पता है न तो उस पानी को पी पाते है नहीं लोग उस पानी को और किसी काम यूज़ कर पाते है

टाइम-पास

दिए गए चित्र में 10 अंतर ढूढो





सुडोकू

सुडोकू खेल में पहले से बॉक्स में कुछ संख्याएँ दी गई होती है जिसमें 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए होते हैं।b इसमें कुछ बॉक्स खाली भी होते है जिन्हें आपको भरना होता है। कोई सा भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

9			5	1				
7			4		9	8		
6						3	1	
3		9					8	
			3	5	4			
	6					5		3
	9	7						8 2
		4	8		7			2
				9	3			4

उत्तर:- अगले पेज पर

लोटपोट

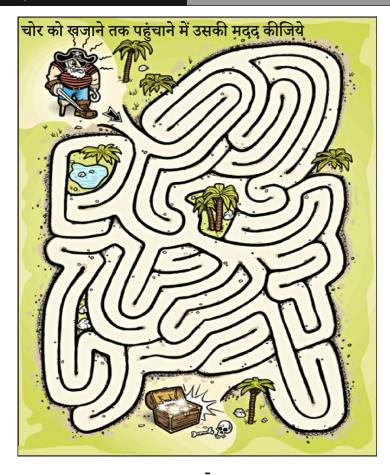
जैसे की अगर ध्यान दिया हो तो..., जब कोई दुकानदार भाव करते समय कहता है कि "आपको ज्यादा नहीं लगाएंगे" तो इसमें.. "चूना" शब्द Silent होता है..

> शादी के समय ये कहा जाता है कि हमारी लड़की तो "गाय है गाय" उसमें " सींगवाली" शब्द silent होता है

बिदाई के वक्त जब दूल्हे से कहा जाता है। "ख्याल रखना", इसमें "अपना" शब्द Silent रहता है।

जब कोई नेता कहता है -"गरीबी हटाऊंगा" तब अपनी शब्द silent होता है!!

समाप्त



 बंद कुँवें से बाहर जब निकला संसार मिला मुझको पगला। डूबा गया जो मुझ में खुद को जहान देखो फिर उसका बदला।।

 हिमालया से खिली कली हिम हिम में पली बढ़ी। गर्मी में मेरी ठंडक की आदत तुम्हारी जुबां पर क्यों पड़ी।।

 आप खोलो तो बोलें तुम्हारे अंगना डोलें। बंद कर दो जो आप हमें तो आप खुद को ही खोलें।।

समाप्त

सेब मीठा होना चाहिए, 'लाल' तो 'आडवाणी' भी हैं। राष्ट्रपति कलाम होना चाहिए, 'मुखर्जी' तो रानी भी है। लड़का द्रविड जैसा होना चाहिए, 'राहुल' तो 'गांधी' भी है। लडका हँडसम होना चाहिए, 'स्मार्ट' तो फोन भी होते हैं। इंसान का दिल बडा होना चाहिए, 'छोटा' तो भीम भी है। लडकी में अक्ल होनी चाहिए, 'सूरत' तो गुजरात में भी है। रिप्लाई ढंग का होना हिए, 'Hmmm' तो भैंस भी करती है। व्यक्ति को समझदार होना चाहिए, 'सेंसेटिव' तो ट्थपेस्ट भी है। घूमना तो हिल स्टेशन पर चाहिए, 'गोवा' तो पान मसाला भी है। दवाई ठीक करने के लिए होना चाहिए, 'टेबलेट' तो सैमसंग का भी है। मोबाइल जनरल मोड पर होना चाहिए, 'साइलेंट' तो मनमोहन भी हैं। टीचर ज्यादा नंबर देने वाला होना चाहिए, 'अंडा' तो मुर्गी भी देती है।



6
8
_
9
6
9
3

हिंदी पहेलियाँ-बूझी तीजाने उत्तर – 1. दरवाज़ा था खिड़की 2. उत्तर – आइसक्रीम 3.उत्तर – शराब

10 अतर ढूढी उत्तर:- पेड़ का फूल 1,पेड़ का फल,लड़की का जूता,।विड़िया,छोटी,जहाज,पेड़ के बगल का पीथा,तितली,कछुआ,उड़ता जहाज

छोटी-सी गुड़िया, आफत की पुड़िया। पायल की झनकार, आँखो में प्यार। नन्हे-नन्हे कदमों के निशान छोड़ते जाना, अल्फाज़ों की कहानी में एक अक्षर कह जाना। छोटी-सी उबासी और पल भर की अंगडाई, लाती है चेहरे पर मुस्कान अनचाही। प्यारे प्यारे बोल मिश्री के घोल. हँसने से हो जाते हैं गाल गोल मटोल। दिन भर माँ- माँ करके पीछे-पीछे डोलना, एक नन्हें से दूपट्टे में मुझको छूपा लेना। ज्यों ज्यों लाडो बड़ी होती जाती, समय की कहानी उसे समझ आती। आँखो में सपने बुनते जाते हैं, पर कोशिशों में सपने टूट जाते हैं। आज कुछ नया करने की मन में लहर जागी, आँख खोल देखा तो उम्मीद नज़र आयी। चल पड़ी एक नयी डगर पर बिना राहों को जाने. मंज़िल कुछ धुँधली सी नज़र आयी पर पास जाने की एक लकीर नज़र आयी। ज़िन्दगी को जीना सीखती जा रही हूँ, नयी नयी राहों पे चलती जा रही हूँ। कलम तो यूँ ही चलती जा रही है, नये नये शब्दों को पन्नों पे लिखती जा रही है। लोग आये तो आकर उम्मीद दे गये, जब गये तो आँखों में लहर दे गये। यादों की बारात लेकर हम जीते जा रहे, जिन्दगी में लोग खास बनते जा रहे। जब कुछ समझने की बारी हमारी आयी, तब जि़म्मेदारियों की राह नज़र आयी। आज भी वो एक नन्ही सी गृडिया है, क्योंकि बच्चे में ही माँ की पूरी दुनिया है। समय की सुई ज़िन्दगी कम करती है, पर ज़िन्दगी में यादों को बसर कर देती है। यादों में जब कोई दस्तक दे जाता है, कलियों की खुशबू सा उसको महकाता है। हाँथों में हाँथ अपनों का साथ. कदमों में कदमों का साया सा आज। शिद्दतों की दुआओं में बहुत असर होगा, अपनी कायनातों में अपना पहरा होगा। इस गुमसुम सी दुनिया से खुद को उबारो, नयी नयी राहों से आसमाँ बना लो। बीते हुए पलों को यादों में समा लो, आँखों में पलों के चिन्हों को बसा लो। छोटी-छोटी गलियों से नयी राह बना लो, दिनया से परे एक नया जहाँ बना लो।

बहादुर वहीं जो हार के भी जीत जाये

एक जंगल में बरगद का पेड़ था. उस पेड़ के ऊपर एक चील घोंसला बनाकर रहती थी जहाँ उसने अंडे दे रखे थे। उसी पेड़ के नीचे एक जंगली मुर्गी ने भी अंडे दे रखें थे. एक दिन उस चील के अंडों में से एक अंडा नीचे गिरा और मुर्गी के अंडों में जाकर मिल गया. समय बीता अंडा फूटा और चील का बच्चा उस अंडे से निकला और वह यह सोचते बड़ा हुआ की वो एक मुर्गी है। वो मुर्गी के बांकी बच्चों के साथ बड़ा हुआ। वह उन्ही कामों को करता जिन्हें एक मुर्गी करती है. वो मुर्गी की तरह ही कुड़कुड़ाता, जमीन खोद कर दाने चुगता और वो इतना ही ऊँचा उड़ पाता जितना की एक मुर्गी उड़ती है। एक दिन उसने आसमान में एक चील को देखा जो बड़ी शान से उड़ रही थी. उसने अपनी मुर्गी माँ से पूछा की उस चिड़िया का क्या नाम है जो इतना ऊँचा बड़ी शान से उड़ रही है। मुर्गी ने जबाब दिया वह एक चील है. फिर चील के बच्चे ने पूछा माँ मैं इतना ऊँचा क्यों नहीं उड़ पाता। मुर्गी बोली तुम इतना ऊँचा नहीं उड़ सकते क्योंकि तुम एक मुर्गे हो। उसने मुर्गी की बात मान ली और मुर्गे की जिंदगी जीता हआ एक दिन मर गया।

कहानी से सीख-

जो भी हम सोचते हैं या कुछ नया करने की कोशिश करते हैं तो दूसरे हमें यह कहकर रोकते हैं कि तुम ऐसा नहीं कर सकते, ऐसा नहीं हो सकता और हम अपना इरादा यह सोचकर बदल लेते हैं कि वाकई मैं यह नहीं कर सकता और



हार मान लेते हैं। इसका मुख्य कारण है अपने ऊपर भरोसा न होना, अपनी शक्तिओं पर भरोसा न होना, अपने काम पर भरोसा न होना। दोस्तों जो लोग कहते हैं कहने दीजिये लोगों का काम है कहना, अपने आप पर भरोसा रखें, अपने आप को पहचाने। दोस्तों अगर जीत निश्चित हो तो कायर भी लड़ जाते हैं, बहादुर वो कहलाते हैं, जो हार निश्चित हो, फिर भी मैदान नहीं छोडते!

समाप्त समाप्त

पृष्ठों का शेष...

कोरोना वायरस से निपटने के लिए...

मिशन सेव इन इण्डिया' पर डॉ कैंपेनर आरएन सिंह ने कहा कि यह वायरस काफी घातक है जिससे कई देशों में मौतें हो चुकी है। नेपाल में एक मामला सामने आने पर भारत-नेपाल सीमा पर देश में प्रवेश की जांच की जानी चाहिए और इसके लिए सीमा पर जांच चौकियां स्थापित की जानी चाहिए। हवाई अड्डों पर इसकी जांच शुरू की जा चुकी है पर दोनों देशों के बीच खुली सीमा पर भी नजर रखनी होगी।

पाकिस्तान ने सीमा पर हो...

भारत और पाकिस्तान के विवादित मसले पर चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता जेन शुआंग ने साफ कहा कि सुरक्षा परिषद की बैठक में चीन इलाके में शांति और स्थायित्व कायम करने की रचनात्मक भूमिका निभाता रहा है जबकि शुआंग ने यह भी कहा कि इस मामले में भारत की स्थिति को समझते हुए चीन ने सुरक्षा परिषद में सिर्फ अपना पक्ष रखा है। चीन ने भारत और पाकिस्तान दोनों देशों से आपसी बातचीत के जरिए इस विवाद को सुलझाने की अपील की है।

कैलाश पर्वत से जुडी कुछ ...

कैलाश पर्वत और उसके आसपास के वातावरण पर अध्ययन कर चुके रिशया के वैज्ञानिकों ने जब तिब्बत के मंदिरों में धर्मगुरुओं से मुलाकात की तो उन्होंने बताया कि कैलाश पर्वत के चारों ओर एक अलौकिक शक्ति का प्रवाह है, जिसमं तपस्वी आज भी आध्यात्मिक गुरुओं के साथ टेलीपैथिक संपर्क करते हैं। यह पर्वत मानव निर्मित एक विशालकाय पिरामिड है, जो एक सौ छोटे पिरामिडों का केंद्र है। रामायण में भी इसके पिरामिडनुमा होने का उल्लेख मिलता है।

पीएम मोदी 20 जनवरी को छात्रों...

उन्होंने बताया की किसी भी कार्य को पूर्ण करने के लिए संकल्प लीजिये, और अपने आस पास हुए घटनाओ से सीखिए और आगे बढ़ते रहिये, साथ ही मोदी जी ने छात्रों को बताया की सिर्फ परीछा ही नहीं है जिंदगी, ये जीवन का एक पड़ाव भी है।

टेक्नोलॉजी की बात करते हुए उन्होंने समझाया की टेक्नोलॉजी को अपने लाइफ का हिस्सा तो बनाये लेकिन उसका संतुलन बनाये रखे, उसको बांधा ना बनने दे। टेक्नोलॉजी का सही उपयोग करे, अपने शब्दावली को मजबूत करे। इस कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अभिभावको को भी समझाते हुए बोले की आपको अपने बच्चे की CAPABILITY को समझना होगा और साथ ही उन्होंने ने बताया की बच्चो को प्रोत्साहित करे, ना की उनपे पढाई का बोझ डाले, साथ ही उन्होंने ये भी बताया की पढाई के लिए सुबह का समय होता है बहुत खास लेकिन जरुरी नहीं है की आप सुबह की पढाई करे जब आपको अपने लिए सही लगे तब आप अपने पढाई का समय निर्धारित करे।

इस कार्यक्रम के दौरान निशंक ने अपना एक वीडियो जारी कर संदेश दिया की, "मैं देशभर के सभी विद्यार्थियों और अभिभावकों से 20 जनवरी को परीक्षा पर चर्चा 2020 कार्यक्रम से जुड़ने का आह्वान करता हूं." मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री संजय धोत्रे ने 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम के मद्देनजर ओडिशा, असम, त्रिपुरा, पश्चिम बंगाल जाकर छात्रों के साथ विशेष मुलाकात भी किये थे.

मां बनने के 2 साल बाद सानिया की...

फिर एक घंटे किक बॉक्सिंग। सानिया करीब एक घंटे पाइलेट्स (एक प्रकार की एक्सरसाइज जिसे शरीर लचीला करती थीं जो मांसपेशियों को मजबूत बनाने के लिए किया जाता है। पांच सदस्यीय भारतीय फेड कप टीम में सानिया के अलावा देश के कई खिलाड़ी रिया भाटिया, अंकिता रैना, ऋतुराज भोसले और करमन कौर थांड़ी भी शामिल होंगे। अनीता भांबरी को टीम का कोच चुना गया है और पूर्व डेविस कप खिलाड़ी विशाल उप्पल को टीम का उपल नेतृत्व करना है। ब्रेक लेने से पहले सानिया फेड कप में पिछली बार 2016 में मैच खेली थी। "सानिया बताती हैं कि बच्चे की वजह से सोने का कोई वक्त नहीं है। इसके बावजूद भी वे सुबह 7 बजे उठ जाती हैं। वे रोजाना करीब पांच घंटे जिम करती थीं। करीब 100 मिनट कार्डियो एक्सरसाइज करती थीं

कैसे हुयी काशी के कोतवाल...

यहां प्रसाद में चढ़ाया जाता है

मान्यता है कि कालभैरव के दर्शन मात्र से साढ़े-साती, अढ़ैया जैसे दंडों से बचा जा सकता है। साथ ही बाबा को सरसों के तेल का दीप, ऊर्द की दाल का बड़ा, बेसन के लड्डू चढ़ते हैं। व्यवसाय में तरक्की के लिए चीनी का घोड़ा और मदिरा चढ़ाई जाती है। मदिरा उन्हें बहुत प्रिय है। यह के मान्यता के अनुसार बाबा के यहां मिलने वाले काले धागे को पहनने मात्र से नजर नहीं लगती,और साथ ही भूत-प्रेत बाधा से मुक्ति मिलती है।

दिल्ली से जुड़े कुछ ऐसे पहलू ...

दिल्ली क्षेत्र, महाभारत के इंद्रप्रस्थ शहर से सम्बंधित है, जिसके अनुसार यह पांडवों की राजधानी हुआ करती थी। अक़्सर प्रदूषण स्मॉग के विषय से चर्चा में रहने वाली दिल्ली यूं तो इको-फ्रेंडली शहर बनने में जोरशोर से मेहनत कर रहा हैं, जहां की पूरी परिवहन प्रणाली, संपीडित प्राकृतिक गैस (सी एन जी) पर चलती है। जिसकी वजह से यहां वायु प्रदुषण को कुछ हद तक काबू किया जाता है। देश की राजधानी दिल्ली, देश के सबसे हरे-भरे शहरों में से भी एक है। यहाँ का लगभग 20% भाग हरियाली से ढका हुआ है।

पक्षी प्रेमियों का स्वर्ग पक्षी प्रेमियों का स्वर्ग भी दिल्ली रिड्ज, जंगल क्षेत्र पिक्षयों की कई विभिन्न जातियों का वास स्थल है। आपको बता दें कि केन्या के नैरोबी शहर के बाद, नई दिल्ली दुनिया की दूसरी पक्षी से सबसे समृद्ध राजधानी है।

मसाले उपल और स्ट्रीट उपल फ़ूड दिल्ली खाने के मामले में स्ट्रीटफूड हब तो हैं ही यह एशिया का सबसे बड़ा मसालों का बाज़ार भी हैं। दिल्ली की खड़ी बाओली बाज़ार एशिया के सबसे बड़े मसालों का बाज़ार है ,इस जगह आपको कई अलग-अलग प्रकार के उत्कृष्ट मसाले, अलग-अलग तरह के रंग के, वाजिब दामों में मिल जायेंगे। अगर आपको मसलों के कुछ नए रंग और नए स्वादों को जानना है तो दिल्ली वह जगह है। मसालों के साथ ही यहां मिलने वाला स्ट्रीट फ़ूड जिसको खाने के बाद शायद पेट भर जाये पर मन नहीं भर सकता। जब दिल्ली के स्ट्रीट फूड की बात आती है, तो आपके भूख की लालसा और अधिक बढ़ जाती है।

एशिया का सबसे बड़ा थोक बाजार दिल्ली अपने थोक बाजार जिसे पूरे एशिया में फलों और सब्ज़ियों का सबसे बड़ा बाज़ार कहा जाता है। यह थोक बाजार दिल्ली के आज़ादपुर में स्तिथ है।

नेशनल रेल म्यूज़ियम

दिल्ली में नेशनल रेल म्यूज़ियम जोकि चाणक्यपुरी में बना हैं, यह एक राष्ट्रीय रेल संग्रहालय है जिसमें रेल विरासत की प्रदर्शिनी की गई है। सबसे ख़ास बात यहां पर पर्यटकों को एक टॉय ट्रेन द्वारा पूरे संग्रहालय की सैर कराई जाती है।













पूजा पाछ चेनल द्वारा हिंदू धर्म और संस्कृति की पूर्ण और सही जानकारी देने का उत्तम प्रयास...



FOLLOW US ON:



State dailyhunt You Tube

Horoscope videos along with Puja Vidhi and other related videos are available on YouTube in Hindi. Subscribe Puja Path for Spiritual and Religious Videos!

HOTEL UTSAV RESIDENCY

FACILITIES:

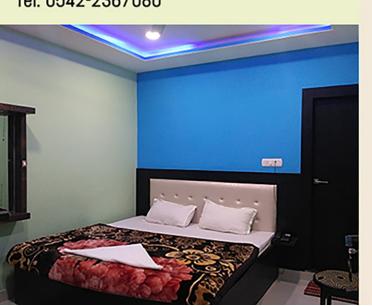
- Take the Charge & Control of or Centralized Air Conditioned Rooms.
- For good picture quality & clear visibility, enjoy our 32"
 LCD Television.
- 24 Hours Room Service.
- Doctor on Call.
- Laundry Services.
- Medical Centre.
- Free Wifi.

LOCATION:

BABA COMPLEX, BHU ROAD, LANKA,

VARANASI

Email: hotelutsavresidency@gmail.com Tel. 0542-2367080





BABA RESTAURANT

The Restaurant serves
everything from traditional
Indian, Chinese and Continental
Cuisine dishes.



